दैनिक विनय उजाला

इंदौर, भोपाल, उज्जैन, आलीराजपुर, ठाणे, मुंबई, नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

मूल्य ₹ 3.00

RNI.Reg. MPHIN/2009/35176

इंदौर

सोमवार, 20 जुलाई 2026

आषाढ़ शुक्ल पक्ष-06

वर्ष : 17 | अंक : 299

कुल पृष्ठ : 12

पी.वी. सिंधु ने जीता जापान ओपन 2026 का खिताब ...10

न डरते हैं, न डराते हैं, सच सामने लाते हैं..!

जगदीशपुर में कैबिनेट की स्पेशल मीटिंग... मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में 9 विधेयकों को विधानसभा सत्र में प्रस्तुत किए जाने का अनुमोदन

मप्र कैबिनेट बैठक में यूसीसी ड्राफ्ट बिल को मिली मंजूरी

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में गौंड वंश के वैभवशाली दुर्ग जगदीशपुर के चमन महल में समानता और न्याय की भावना को समर्पित मंत्रि-परिषद की बैठक में ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए मध्यप्रदेश समान नागरिक संहिता 2026 को विधानसभा में प्रस्तुत करने के लिए अनुमोदन किया।

मंत्रि परिषद ने 8 अन्य विधेयकों को आगामी विधानसभा सत्र में प्रस्तुत किए जाने के लिए भी अनुमोदन किया । मंत्रि-परिषद के एक अन्य निर्णय में प्रदेश के 73 अस्पतालों के उन्नयन को भी मंजूरी दी गई है। मंत्रि परिषद ने इस कार्य के लिए 898 करोड़ 96 लाख रुपए भी स्वीकृत किए हैं । मंत्रि-परिषद ने समानता और न्याय की भावना को समर्पित 'मध्यप्रदेश समान नागरिक संहिता, 2026' के विधेयक का अनुमोदन किया। साथ ही आवश्यक संवैधानिक एवं प्रक्रियात्मक औपचारिकताएं पूर्ण कर मध्यप्रदेश विधानसभा में प्रस्तुत करने के लिए विधि और विधायी कार्य विभाग को अधिकृत किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव, मंत्रियों के साथ ई-बस से पहुंचे जगदीशपुर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को मंत्री परिषद की बैठक के लिए ई-बस से जगदीशपुर पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में ईंधन, शासकीय संसाधनों के मितव्ययी उपयोग और सुशासन की भावना को साकार करते हुए मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ, सामूहिक रूप से मुख्यमंत्री निवास से इलेक्ट्रिक बस से प्रस्थान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अनुकरणीय पहल के लिए अपने शासकीय वाहन और सुरक्षा काफिला सीएम हाउस में ही छोडे।

इन विधेयकों को भी मिली मंजूरी

मध्यप्रदेश निरसन विधेयक, 2026 का अनुमोदन... मंत्रि-परिषद ने 'मध्यप्रदेश निरसन विधेयक, 2026' का अनुमोदन किया। साथ ही विधेयक को विधानसभा में पुन:स्थापित कर पारित कराने एवं समस्त आवश्यक कार्यवाही करने के लिए विधि और विधायी कार्य विभाग को अधिकृत किया गया।

मप्र राजमार्ग (संशोधन) विधेयक, 2026 का अनुमोदन... मंत्रि-परिषद ने 'मध्यप्रदेश राजमार्ग (संशोधन) विधेयक, 2026' का अनुमोदन किया। विधेयक को विधानसभा में पुन:स्थापित कर पारित कराने एवं समस्त आवश्यक कार्यवाही करने के लिए लोक निर्माण विभाग को अधिकृत किया गया।

मप्र अग्निशमन विधेयक, 2026 का अनुमोदन... मंत्रि-परिषद ने 'मध्यप्रदेश अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं विधेयक, 2026' का अनुमोदन दिया। साथ ही विधेयक को विधानसभा में पुन:स्थापित कर पारित कराने एवं समस्त आवश्यक कार्यवाही करने के लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग को अधिकृत किया गया।

मध्यप्रदेश कोड ऑन एम्पावरिंग वर्कस्पेसेज... मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश कोड ऑन एम्पावरिंग वर्कस्पेसेज, 2026 (मध्यप्रदेश श्रम शक्ति संहिता 2026 का अनुमोदन दिया। साथ ही विधानसभा में अग्रिम कार्यवाही के लिए श्रम विभाग को अधिकृत किया गया।

मध्यप्रदेश ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस विधेयक... मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस विधेयक, 2026 का अनुमोदन दिया। साथ ही विधानसभा में अग्रिम कार्यवाही के लिए औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग को अधिकृत किया गया।

मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विधेयक, 2026 का अनुमोदन... मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक, 2026 (निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना हेतु भूमि, निर्मित क्षेत्र तथा विन्यास निधि के प्रावधान से छूट दिया जाना) का अनुमोदन दिया।

मध्यप्रदेश धन्वंतरि स्वास्थ्य विश्वविद्यालय विधेयक... मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश धन्वंतरि स्वास्थ्य विश्वविद्यालय विधेयक 2026 का अनुमोदन दिया। साथ ही विधानसभा में विधेयक को प्रस्तुत करने और स्वीकृत कराने की अग्रिम कार्यवाही हेतु लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को अधिकृत किया गया है।

मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय विधेयक... मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2026 का अनुमोदन दिया। साथ ही विधासभा में अग्रिम कार्यवाही के लिए लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को अधिकृत किया गया।

संसद का मानसून सत्र

वंदे मातरम् के अपमान पर जेल की सजा का प्रस्ताव आज पेश होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद का मानसून सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है। केंद्र सरकार सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में पांच नए विधेयक पेश करने जा रही है। इनमें आयकर और एमएसएमई सुधार, सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने और जन्म-मृत्यु पंजीकरण कानून में बदलाव से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह संसद के मानसून सत्र के दौरान सोमवार को राज्यसभा में वंदे मातरम बिल पेश करेंगे। प्रस्तावित कानून का मकसद राष्ट्रीय गीत, वंदे मातरम को वही कानूनी और कानूनी सुरक्षा देना है, जो अभी राष्ट्रीय गान, जन गण मन को मिली हुई है। अगर यह बिल लागू होता है, तो यह राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम एक्ट में बदलाव करेगा, ताकि वंदे मातरम का अपमान करना एक सजा वाला अपराध बन जाए। साथ ही कानूनी सुरक्षा के मामले में इसे राष्ट्रीय गान के बराबर लाया जा सके। प्रस्तावित कानून के तहत, अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर राष्ट्रीय गीत का अपमान करता है या गाने में रुकावट डालता है, तो उसे तीन साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। अभी, राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम एक्ट राष्ट्रीय गान का सम्मान करना जरूरी बनाता है, जिसमें लोगों को इसे गाते समय खड़ा होना जरूरी है और अपमान या रुकावट डालने वाले कामों पर रोक है।

राष्ट्रीय गीत को कानूनी सुरक्षा

प्रस्तावित बदलाव का मकसद वंदे मातरम को वैसी ही कानूनी सुरक्षा देना है, जिसे अब तक राष्ट्रीय गीत के तौर पर पहचान मिलने के बावजूद उतनी कानूनी सुरक्षा नहीं मिली है। प्रस्तावित कानून के अनुसार, अगर बिल संसद के दोनों सदनों से पास हो जाता है, तो वंदे मातरम का अपमान करना एक क्रिमिनल ऑफेंस बन जाएगा, जिससे राष्ट्रीय गीत उसी कानूनी दायरे में आ जाएगा जो दूसरे राष्ट्रीय प्रतीकों, जैसे राष्ट्रीय गान, राष्ट्रीय झंडा और संविधान की रक्षा करता है। कानून के मौजूदा नियमों के अनुसार, जो कोई भी जानबूझकर राष्ट्रीय गान गाने से रोकता है या इसके दौरान कोई गड़बड़ी करता है, उसे तीन साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। इस बदलाव का मकसद वंदे मातरम गाने को जानबूझकर रोकने, उसमें रुकावट डालने या उसका अपमान करने वाले कामों पर भी यही सजा लागू करना है।

नीट यूजी 2026... एनटीए ने नकली ओएमआर शीट के खिलाफ दी चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने नीट यूजी 2026 के उम्मीदवारों और उनके अभिभावकों के लिए एक जरूरी सलाह जारी की है।

एजेंसी ने कहा है कि स्कोर में किसी तरह की गड़बड़ी की शिकायत करते समय फर्जी या एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से बनाई गई ओएमआर शीट का इस्तेमाल न करें। एनटीए के मुताबिक, उसे कई शिकायतें मिली थीं जिनमें उम्मीदवारों के अनुमानित और घोषित अंकों में अंतर होने की बात कही गई थी। इन शिकायतों की जांच के दौरान एजेंसी ने पाया कि कुछ लोगों ने

नकली या एआई से तैयार की गई ओएमआर शीट जमा की थीं। एनटीए ने चेतावनी दी है कि ऐसा करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। एजेंसी ने एक एडवाइजरी में कहा कि एनटीए सभी शिकायतों की बारीकी से निगरानी और जांच कर रहा है। जांच के लिए जमा की गई कई ओएमआर शीट नकली/एआई से बनी पाई गई हैं, इसलिए छात्रों और अभिभावकों को सलाह दी जाती है कि वे जांच के लिए केवल असली ओएमआर ही जमा करें।

महाराष्ट्र में धर्मांतरण करने वाले आदिवासी हो सकते हैं आरक्षण से बाहर

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार ने एक बेहद संवेदनशील मुद्दे पर बड़ा कदम उठाया है। राज्य सरकार ने एक 27 सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है, जो इस बात की समीक्षा करेगी कि क्या अनुसूचित जनजाति के उन सदस्यों को आरक्षण और अन्य सरकारी लाभ मिलते रहने चाहिए, जिन्होंने दूसरा धर्म अपना लिया है। यह एक ऐसा मुद्दा है जिसे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े संगठन और भारतीय जनता पार्टी का एक धड़ा लंबे समय से उठाता रहा है। राज्य के आदिवासी विकास विभाग द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार, इस समिति की अध्यक्षता आदिवासी विकास मंत्री अशोक उइके करेंगे।

नीति आयोग करेगा ढांचागत सुधारों पर महामंथन

औद्योगिक गलियारों और पार्कों को रफ्तार देने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने औद्योगिक गलियारों, औद्योगिक पार्कों और एकीकृत विनिर्माण क्षेत्र से जुड़े संस्थागत एवं क्रियान्वयन ढांचे की समीक्षा शुरू की है।

इसका उद्देश्य अड़चनों की पहचान कर सुधारों की सिफारिश करना है, ताकि परियोजनाओं को तेजी से पूरा किया जा सके और निवेशकों के अनुभव को बेहतर बनाया जा सके। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि इस पहल के तहत नीति आयोग इस सप्ताह विभिन्न हितधारकों के साथ विचार-विमर्श करेगा। इसमें भारत की औद्योगिक प्रतिस्पर्धा को

मजबूत करने और 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को समर्थन देने के लिए नीतिगत, नियामकीय, संस्थागत और क्रियान्वयन से जुड़े बदलावों पर सुझाव लिए जाएंगे। यह समीक्षा नीति आयोग के सदस्य राजीव गौबा की अध्यक्षता वाली विकसित भारत लक्ष्यों के क्रियान्वयन संबंधी उच्च स्तरीय समिति (एचएलसी-वीबी) के मार्गदर्शन में की जा रही है।

इन पांच क्षेत्रों पर होगा फोकस

विचार-विमर्श में पांच प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इनमें परियोजना योजना और भूमि विकास, नियामकीय एवं संस्थागत सुधार, परियोजना क्रियान्वयन और वितरण, संपर्क सुविधा एवं लॉजिस्टिक तथा निवेशकों के अनुभव और भविष्य की तैयारियों में सुधार शामिल हैं। हितधारकों से परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं, उनके मूल कारणों और व्यावहारिक सुधारों की पहचान करने को कहा गया है। साथ ही उनसे यह बताने को कहा गया है कि प्रस्तावित बदलावों के लिए प्रशासनिक कार्रवाई, नीतिगत या नियामकीय परिवर्तन, कानूनी संशोधन अथवा डिजिटल हस्तक्षेप की आवश्यकता होगी या नहीं।

समय पर रिटर्न - विकसित भारत की ओर तेज कदम

अंतिम तिथि

व्यक्तिगत एवं HUF के लिए ITR-1* या ITR-2* दाखिल करना

31 जुलाई 2026

निर्धारण वर्ष 2026-2027 | (वित्तीय वर्ष 2025-2026)

नोट: निर्धारण वर्ष 2026-27 के लिए आयकर रिटर्न (ITR) आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत दाखिल किया जाएगा।

महत्वपूर्ण सूचना
- ई-फाइलिंग पोर्टल पर ITR दाखिल करें (eportal.incometax.gov.in)
- यदि आपके पास विदेशी बैंक खाता, संपत्ति या आय है, तो ITR-2 में Schedule FA/FSI भरना अनिवार्य है।

समय पर ITR भरने के लाभ
- समय पर ITR भरने से विलंब शुल्क और ब्याज से बचाव
- ITR रिवाइज़ करने की सहूलियत

शीघ्र रिफंड के लिए
- AIS/TIS/26AS देखकर रिटर्न भरें
- आय का सही विवरण दें
- सही TDS क्लेम करें
- गलत कटौतियों या छूटों का दावा न करें

करदाताओं से अनुरोध है कि वे ई-फाइलिंग पोर्टल पर दिए गए अपने मोबाइल नंबर, पता, ई-मेल आईडी और बैंक विवरण सही अपडेट रखें, क्योंकि आयकर विभाग इन्हीं पंजीकृत संपर्क विवरणों के माध्यम से संवाद करता है।

CBC 15401/13/0003/2627

* ITR-1: उन निवासी व्यक्तियों (साधारणतया निवासी नहीं होने के अलावा) के लिए जिनकी कुल आय 50 लाख रुपये तक है और जिनकी आय वेतन, दो गृह संपत्तियाँ, अन्य स्रोतों (ब्याज आदि), धारा 112A के तहत 1.25 लाख रुपये तक के दीर्घकालिक पूँजी अभिलाभ, और 5 हजार रुपये तक की कृषि आय से है।
* ITR-2: ऐसे व्यक्तियों और एच.यू.एफ. के लिए जिन्हें कारोबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ से आय प्राप्त नहीं होती है

अधिक जानकारी और सहायता के लिए, आयकर विभाग की वेबसाइट www.incometaxindia.gov.in पर उपलब्ध 'कर साथी' चैटबॉट पर जाएँ।

आयकर विभाग भारत सरकार

अधिक जानकारी के लिए कृपया www.incometaxindia.gov.in पर जाएँ।

अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें।

ई-फाइलिंग पोर्टल पर जाने के लिए QR कोड स्कैन करें। वेबसाइट eportal.incometax.gov.in/iec/foservices/#/login

@incometaxindiaofficial @IncomeTaxIndia @incometaxindiaofficial @incometaxindia.official @incometaxindiaofficial

संक्षिप्त समाचार

धर्म और एकता का संदेश : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लक्ष्मण तोतला तीर्थ यात्रा पर रवाना, कांग्रेस नेताओं ने किया स्वागत

बेटमा (सुनिल मुनिया)। माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लक्ष्मण तोतला रविवार को परिवार एवं समाज बंधुओं के साथ देव दर्शन के लिए तीर्थ यात्रा पर रवाना हुए। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनके निवास पर पहुंचकर पुष्पमाला, शॉल एवं श्रीफल भेंट कर आत्मीय स्वागत किया तथा उनकी यात्रा के सफल एवं मंगलमय होने की शुभकामनाएं दीं। स्वागत करने वालों में इंदौर दुग्ध संघ के पूर्व अध्यक्ष मोती सिंह पटेल, ब्लॉक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सचिन सोनी, नगर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष मलिक खान, नरेंद्र मकवाना, बहादुर सिंह रघुवंशी, सोहन मकवाना, रफीक पठान, हर्षित खंडेलवाल, जाहिद मंसूरी, आबिद खान, फैजल खान, आकाश खत्री, पंकज सोलंकी, दीपक पटेल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर मोती सिंह पटेल ने कहा कि लक्ष्मण तोतला समाज और कांग्रेस के वरिष्ठ स्तंभ हैं। उनकी धार्मिक आस्था, सामाजिक सेवा और जनहित के कार्य पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणास्रोत हैं। अपने संबोधन में लक्ष्मण तोतला ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज की एकता, आपसी भाईचारा और सहयोग की भावना से ही क्षेत्र का सर्वांगीण विकास संभव है। उन्होंने सभी से सद्भाव और सामाजिक समरसता बनाए रखने का आग्रह भी किया।

आजाद-तिलक अलंकरण से 5 विभुतियां होंगी सम्मानित

इंदौर (विनय उजाला)। नेताजी सुभाष मंच व श्री गीता रामेश्वरम् ट्रस्ट एवं अ.भा. स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के तत्वावधान में 23 जुलाई 2026, गुरुवार को प्रात: 10 बजे, इंडियन कॉफी हाउस पुलिस अधीक्षक कार्यालय, रीगल चौराहा, इन्दौर पर भारत के अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की 120वीं जयंती एवं स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है का उद्घोष करने वाले स्वतंत्रता सेनानी लोकमान्य बालगंगाधर तिलक की 170वीं जयंती मनाई जा रही है। इस अवसर पर शहर की 5 विभुतियों को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने अपना जीवन समाजसेवा में लगा दिया। आयोजन की अध्यक्षता अ.भा. कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण पटेल करेंगे। उक्त जानकारी कार्यक्रम संस्था के प्रदेश अध्यक्ष मदन परमालिया एवं ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद सत्यनारायण पटेल ने देते हुए बताया कि इस प्रसंग पर 5 विभूतियां जिनमे सर्वश्री हांकी कोच अशोक यादव, शिक्षाविद ओमप्रकाश धीमान, समाजसेवी राजेन्द्र सोनी, समाजसेविका सीमा सेन और समाजसेवी हुकम यादव को आजाद -तिलक अलंकरण से विभूषित किया जायेगा।

पालदा औद्योगिक क्षेत्र में कोटेड कंडक्टर स्थापना शुरू

इंदौर (विनय उजाला)। मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर इंदौर शहर के पालदा औद्योगिक क्षेत्र में बिजली आपूर्ति गुणवत्ता सुधार के लिए विशेष प्रयास प्रारम्भ किए गए हैं। शहर अधीक्षण अभियंता श्री मनेंद्र गर्ग ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र में 11kv लाइनों के दो फीडर पर परंपरागत तार के स्थान पर अत्याधुनिक कोटेड कंडक्टर (कवर्ड कंडक्टर) डालने का कार्य रविवार से विधिवत रूप से आरंभ कर दिया गया। शहर अधीक्षण अभियंता श्री गर्ग ने बताया कि पालदा औद्योगिक क्षेत्र में इन दो फीडर पर करीब चौदह किलोमीटर कोटेड कंडक्टर स्थापित किए जाएंगे। इस कार्य पर चार करोड़ रुपए से ज्यादा का व्यय प्रस्तावित है। कोटेड कंडक्टर से फाल्ट की स्थिति काफी हदतक कम हो जाएगी। औद्योगिक क्षेत्र की आपूर्ति में काफी सुधार होगा।

प्राथमिक शिक्षक भर्ती- दस्तावेज अपलोड और सत्यापन की प्रक्रिया प्रारंभ

बुरहानपुर, निप्र। मध्यप्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्राथमिक शिक्षक एवं प्राथमिक शिक्षक (विशेष शिक्षा) नियोजन 2026 के लिए चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज अपलोड एवं सत्यापन की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गयी है। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा इस संबंध में जारी सूचना के अनुसार कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित प्राथमिक शिक्षक एवं प्राथमिक शिक्षक (विशेष शिक्षा) चयन परीक्षा वर्ष 2025 के परीक्षा परिणाम के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों के लिए एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर नियोजन संबंधी प्रक्रिया निर्धारित समय-सारणी के अनुसार संचालित की जा रही है। अभ्यर्थियों को 18 जुलाई से 20 जुलाई 2026 तक एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर प्रोफाइल पंजीयन, आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने तथा जिला विकल्प का चयन करना होगा। इसके बाद 19 जुलाई से 21 जुलाई 2026 तक जिला स्तर पर दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अभ्यर्थियों को पोर्टल पर प्रदर्शित सभी जिलों को प्राथमिकता क्रम देना अनिवार्य होगा। दस्तावेज अपलोड करने के अगले दिन अभ्यर्थी को स्वयं चयनित दस्तावेज सत्यापन केंद्र पर उपस्थित होकर दस्तावेजों का सत्यापन कराना होगा।

समय-सीमा चूके तो चयन प्रक्रिया से बाहर

विभाग ने अभ्यर्थियों को स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय-सीमा में प्रोफाइल पंजीयन, दस्तावेज अपलोड, जिला चयन और पोर्टल शुल्क भुगतान की प्रक्रिया पूरी नहीं करने पर वे चयन प्रक्रिया से बाहर हो जाएंगे। ऐसी स्थिति में उनकी नियुक्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जाएगा। लोक शिक्षण संचालनालय ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे नियोजन प्रक्रिया से संबंधित नवीनतम जानकारी के लिए एमपी ऑनलाइन पोर्टल trc.mponline.gov.in को लगातार देखते रहें।

इंदौर प्रेस क्लब द्वारा आयोजित काबिलियत को सलाम कार्यक्रम मे शामिल हुए संभागायुक्त

सफलता कोई लक्ष्य नहीं, बल्कि एक यात्रा है : संभागायुक्त

प्रयासों में कमी न आने दें

पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने सभी बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि वे अपने प्रयासो में कभी भी कमी नहीं आने दें। हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करें, जीवन में हमेशा आगे बढ़ते रहें। उन्होंने सभी बच्चों और उनके अभिभावकों तथा पत्रकारों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हाल ही नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान की शुरुआत की। यह अभियान आगामी 31 जुलाई तक चलेगा। इस अभियान के तहत अभी तक 6 लाख लोगों को नशे से दूरी की ऑफलाइन शपथ दिलाई गई। सोशल मीडिया के माध्यम से यह अभियान अभी तक 35 लाख लोगों तक पहुँचा है। लक्ष्य है 7 करोड़ लोगों तक पहुँचना है।

विनय उजाला

इन्दौर, नप्र। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि ब्रेकिंग न्यूज़ के पीछे एक पत्रकार का बड़ा संघर्ष होता है। पत्रकार का पेशा बड़ा कठिन है वह दिन- रात परिश्रम करता है, फिर चाहे मौसम कैसा भी हो।

उन्होंने एक कथन को उद्धत करते हुए कहा कि सफलता कोई लक्ष्य नहीं है एक यात्रा है और इसके बाद एक नई यात्रा की शुरुआत होती है। उन्होंने कहा कि सफलता मिलने का समय निश्चित नहीं होता, वह कभी भी प्राप्त हो सकती है, हमेशा उसे पाने के लिए तैयार रहे। संभागायुक्त डॉ. खाडे आज इंदौर प्रेस क्लब द्वारा माथुर सभागृह में आयोजित काबिलियत को सलाम कार्यक्रम में अपना संबोधन दे रहे थे।

कार्यक्रम मे पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह, शिक्षाविद् श्री सिद्धांत जोशी, सुश्री शोभा पैठनकर , प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री दीपक कर्दम विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में पत्रकारों के ऐसे 100 से अधिक बच्चों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने स्कूली शिक्षा (कक्षा 5 वीं से लेकर कक्षा 12 वीं) की वार्षिक परीक्षाओ में 80 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त किए। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने बच्चों से कहा कि वे कठोर परिश्रम करें और आगे बढ़ते रहे तथा चुनोतियों से घबराये नहीं। उन्होंने कहा कि सभी बच्चे नशे से दूरी बनाये।

सुश्री पैठनकर ने कहा कि बच्चों को अच्छे संस्कार परिवार से जबकि शिक्षा विद्यालय से मिलती हैं। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में आगे बढ़ने के बहुत अवसर है। शिक्षाविद् श्री सिद्वांत जोशी ने कहा कि एक अच्छा इंसान ही अच्छा अधिकारी से लेकर इंजीनियर डॉक्टर आदि होता है। अच्छे इंसान बनने में प्रतिस्पर्धा नहीं है फिर भी हम इस पर ध्यान नहीं देते है।

कार्यक्रम में ऐसे प्रतिभाशाली बच्चे भी सम्मानित हुए जिन्होंने विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की। अतिथियों द्वारा सभी मेधावी बच्चों को प्रमाण पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया और समूह चित्र खिंचवाई। कार्यक्रम का संचालन इंदौर प्रेस क्लब के महासचिव श्री प्रदीप जोशी ने किया। कार्यक्रम मे बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी एवं नागरिकगण उपस्थित हुए।

समान नागरिक संहिता को मंत्री परिषद की बैठक में स्वीकृति

सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के भाव से मप्र को गढ़ने का काम कर रही मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व वाली सरकार : सुमित मिश्रा

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। आज मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के नेतृत्व वाली मंत्रीपरिषद की जगदीशपुर में हुई बैठक में समान नागरिक संहिता (ष्ट्ट)-2026 विधेयक को मंजूरी मिलने पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त करते हुए इसे मध्यप्रदेश के इतिहास का सबसे एतिहासिक दिन बतलाया है।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश विकास और सुशासन के पथ पर तेज गति से आगे बढ़ रहा है। मंत्री परिषद की बैठक में समान नागरिक संहिता (ष्ट्ट) की स्वीकृति वास्तव में मुख्यमंत्री डॉ यादव के नेतृत्व वाली सरकार के सुशासन का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। महिलाओं के सशक्तिकरण में यह विधेयक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही सभी नागरिकों को एक समान अधिकार प्राप्त होंगे

श्री मिश्रा ने कहा समान नागरिक संहिता भारतीय संस्कृति के मूलमंत्र 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के भाव पर आधारित एक उत्कृष्ट पहल है, जिसका उद्देश्य सभी नागरिकों को समान अधिकार, समान अवसर और समान न्याय प्रदान करना है।' उन्होंने कहा कि भारत रत्न बाबा साहब अंबेडकर द्वारा संविधान में समान नागरिक संहिता का उल्लेख किया था, मुख्यमंत्री डॉ यादव के नेतृत्व वाली सरकार संविधान की मूल भावना के अनुरूप समरसता, महिला सशक्तिकरण और सुशासन की नींव को मजबूत करने की दिशा में एतिहासिक पहल करते हुए बाबा साहब अम्बेडकर के सपनों को साकार करने का काम कर रही हैं।

इस विधेयक से प्रदेश के नागरिकों में समानता का बोध होगा, विधेयक में सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास की मूलमंत्र को साकार करते हुए अंतिम पंक्ति तक के व्यक्ति को समान न्याय मिले, इसकी चिंता की गयी है। इस एतिहासिक निर्णय पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया है।

आयुक्त ने मुसाखेड़ी स्थित स्काडा कंट्रोल रूम पर पहुंच कर जलापूर्ति की ली जानकारी

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल द्वारा आज प्रात: मुसाखेड़ी स्थित स्काडा कंट्रोल रूम पर पहुंच कर विगत दिवस नदी में कचरा आने के कारन सफाई के लिए एवं गयेग्रेविटी मेन पाइप लाइन में लीकेज सुधार कार्य हेतु पम्प बंद किये गये थे जिसके कारण कुछ क्षेत्र मे जलप्रदाय प्रभावित हुआ है। आयुक्त श्री सिंघल ने पानी की स्थित के संबंध में जानकारी ली और जिन क्षेत्रों में पानी की टंकी नहीं भरी या कम भरी है उन क्षेत्रों में वैकल्पिक व्यवस्था टैंकर के माध्यम से करने के निर्देश दिए गए हैं। जल प्रदाय प्रभारी ने बताया कि नदी में कचरा आने के कारन सफाई के लिए एवं गयेग्रेविटी मेन पाइप लाइन में लीकेज सुधार कार्य हेतु पम्प बंद किये गये थे जिसके कारण दिनांक19.07.2026 को खाली रही टंकिया की जानकारी निम्नानुसार है, इन क्षेत्रों में पानी वैकल्पिक व्यवस्था टैंकर के माध्यम से करने के निर्देश दिए गए हैं। विदित हो कि विगत दिवस दिनांक 18 जुलाई 26 को नर्मदा तृतीय चरण के 180 द्वद्यस्न के नदी में कचरा आने के कारण सम्प का लेवल कम होने से तथा बडगोंदा ग्राम के पास 1200 एम् एम् व्यास की ग्रेविटी मेन पाइप लाइन में लीकेज सुधार कार्य हेतु पम्प बंद किए गए थे।

वर्षा जल भराव और जल संरक्षण हेतु निरीक्षण

प्रत्येक सोसायटी के कैंपस में पर्याप्त रिचार्ज साफ़्ट अनिवार्य रूप से होने चाहिए

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने वर्षा जल भराव ओर जल संरक्षण हेतु निगम द्वारा की जा रहे प्रयास के अंतर्गत शहर में विभिन्न स्थानों पर वाटर रिचार्ज साफ्ट बनाए गए उसी क्रम में वार्ड क्रमांक 36 निपानिया में पीनेकल हाउसिंग सोसाइटी में तथा वार्ड क्रमांक 35 में देवास नाका चौराहे के पास बनाए गए रिचार्ज पीट का निरीक्षण किया ओर इस संबंध मे आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

आयुक्त श्री सिंघल द्वारा वार्ड क्रमांक 36 पीनेकल हाउसिंग सोसाइटी में रिचार्ज पीट निरीक्षण के समय सेट पर संबंधित समस्त अधिकारियों को निर्देश दिए कि 12.5 मीटर से ऊँची नवीन निर्मित होने वाली सभी इमारतें, भवनों में जिनमें अपना सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट है, उनमें डुअल पाइप सिस्टम भी हो - यानी अलग-अलग घरों में ट्रीट किए गए पानी के इस्तेमाल के लिए अलग फ्लशिंग लाइन हो तथा जब निर्माण की अनुमति दी जाती है तब ही उसमें यह किया जाना सुनिश्चित करे। इसके अलावा निर्माणाधीन एवं नवीन निर्मित भवनों के कैंपस में पर्याप्त रिचार्ज शाफ़्ट होने चाहिए और साथ ही छत के वॉटर हार्वेस्टिंग पाइप और फ़िल्टर सिस्टम से कनेक्टिविटी भी होनी चाहिए, ताकि छत का पानी कैंपस के रिचार्ज शाफ़्ट तक पहुँच सके।

सेवागढ़ से दिल्ली तक गूंजेगा बंजारा समाजजन का जयकारा

विनय उजाला

इन्दौर (जितेन्द्र यादव)। मध्य प्रदेश बंजारा समाजजन द्वारा एकता संकल्प यात्रा प्रारंभ की गई है यात्रा सेवागढ़ से प्रारंभ होकर दिल्ली पहुंचेगी इस यात्रा में बंजारा समाजजन बड़ी संख्या में पहुंचे और अपना सहयोग दे रहे हैं वहीं जगह-जगह यात्रा का भव्य स्वागत किया जा रहा है वहीं वरिष्ठ समाजसेवी भागीरथ राठौर ने बताया कि यह यात्रा संत श्री सेवालाल महाराज की जन्मभूमि सेवागढ़ से होकर दिल्ली तक सफर तय करेंगे यात्रा महाराज धर्माधिकारी के मार्गदर्शन में आयोजित की जा रही है इसका उद्देश्य देश के 15 राज्यों के बंजारा समाजजन को जागृत व एकता के लिए तथा समाज की विभिन्न लंबित व उचित मांगों को सरकार तक पहुँचाना है कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद श्री शंकर लालवानी उपस्थित रहे उन्होंने बंजारा समाजजन की एकता संगठन और सामाजिक विकास के लिए इस संकल्प यात्रा को महत्वपूर्ण उद्देश्य बताया है हुए प्रताप नगर के गुरुद्वारे सत्संग हॉल में स्वागत किया इस अवसर पर मोहन राठौर, कांतीलाल नायक, कमलेश राठौर, प्रकाश मानावत, कालूराम ठेकेदार, एडवोकेट कैलाश मानावत, बबलू राठौर, ज्ञानी कृपाल सिंह, मांगीलाल राठौर, राजपाल जाधव, करण नायक, जयसिंह, राजा राठौर सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

सांवेर के ग्राम धरमपुरी को मिली बड़ी स्वास्थ्य सौगात

मंत्री तुलसीराम सिलावट ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं उप मुख्यमंत्री डॉ. राजेन्द्र शुक्ल के प्रति व्यक्त किया आभार

विनय उजाला

इन्दौर, नप्र। सांवेर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम धरमपुरी को स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सौगात मिली है। राज्य शासन ने ग्राम धरमपुरी स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र का 6 बिस्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) के रूप में उन्नयन करने के लिए लगभग 3.25 करोड़ रुपये (सवा तीन करोड़ रुपये) की स्वीकृति प्रदान की है। स्वीकृत राशि से भवन निर्माण, आवश्यक चिकित्सा उपकरण, फर्नीचर तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण सुनिश्चित होगा।

जल संसाधन मंत्री एवं सांवेर विधायक श्री तुलसीराम सिलावट ने बताया कि आज जगदीशपुर में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में ग्राम धरमपुरी के उप स्वास्थ्य केंद्र को 6 बिस्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में उन्नत करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं का स्तर उल्लेखनीय रूप से बेहतर होगा तथा आमजन, किसानों और ग्रामीण परिवारों को स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

मंत्री श्री सिलावट ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य मंत्री डॉ. राजेन्द्र शुक्ल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्वीकृति सांवेर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे क्षेत्र के लोगों को उपचार के लिए दूरस्थ अस्पतालों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा और समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।

उन्होंने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनने के बाद यहां पूर्णकालिक एमबीबीएस चिकित्सा अधिकारी की पदस्थापना होगी। साथ ही पैथोलॉजी जांच के लिए आवश्यक उपकरणों एवं प्रशिक्षित लैब तकनीशियन की व्यवस्था की जाएगी, जिससे रक्त, मूत्र सहित अन्य आवश्यक जांचें स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी।

श्री सिलावट ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आवश्यक जीवनरक्षक दवाओं, एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक औषधियों तथा अन्य जरूरी दवाओं का पर्याप्त भंडारण रहेगा। इसके साथ ही मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। सुरक्षित संस्थागत प्रसव, गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच, टीकाकरण तथा नवजात शिशुओं की समुचित देखभाल जैसी सुविधाएं भी बेहतर रूप से उपलब्ध होंगी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत टीबी, मलेरिया जैसे संक्रामक रोगों तथा उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह जैसी गैर-संक्रामक बीमारियों की जांच, उपचार एवं नियंत्रण संबंधी गतिविधियों का प्रभावी संचालन भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से किया जा सकेगा। समय-समय पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर ग्रामीणों को आवश्यक जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि ग्राम धरमपुरी इन्दौर-सांवेर-उज्जैन मुख्य मार्ग पर स्थित है। आगामी सिंहस्थ महापर्व-2028 के दौरान इस मार्ग से लाखों श्रद्धालुओं का आवागमन होगा।

ऐसे में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का उन्नयन स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं को भी त्वरित एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

नशा मुक्त अभियान के तहत आबकारी विभाग की कार्रवाई, 150 पाव अवैध मदिरा एवं वाहन जब्त

इन्दौर, (विनय उजाला)। इंदौर जिले में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में संचालित नशा मुक्त अभियान 2.0 के तहत आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक श्रीमती प्रियंका रानी चौरसिया एवं उनकी टीम ने गत दिवस गश्त के दौरान पवनपुत्र नगर क्षेत्र में संदेह के आधार पर दोपहिया वाहन (एक्टिवा) क्रमांक एमपी-09-ज़ेडएल-3387 की तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन में रखे सफेद रंग के थैले से 150 पाव मसाला मदिरा (कुल 27 बल्क लीटर) बरामद की गई, जिसका अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान आरोपी मौके से फरार हो गया। आबकारी दल ने अवैध मदिरा एवं वाहन को जब्त कर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 (संशोधित 2000) की धारा 34(1)(क) के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया है।

कार्यालय नायब तहसीलदार टप्पा चिडावद तहसील टोंकखुर्द जिला देवास (म.प्र.)

क्रमांक/ /रीडर-2/2026 **चिडावद, दिनांक : 15/07/2026**

प्रकरण क्रमांक 0009/अ-70/2026-27

:: पेपर विज्ञप्ति ::

न्यायालय टप्पा चिडावद तहसील टोंकखुर्द जिला देवास के प्रकरण 0009/अ-70/2026-27 में उमाबाई पति केशरसिंह निवासी देवास संजय पिता केशरसिंह निवासी इंदौर, दिलीप पिता केशरसिंह निवासी देवास राजमुन्नीबाई विधवा राजेन्द्र सिंह, सुगनबाई पति मुरारीलाल निवासी देवास, जतनबाई विधवा बहादुरसिंह निवासी देवास। एतद् जर्ये सूचना पत्र आपको सूचित किया जाता है कि आपके विरूद्ध इस न्यायालय के कब्जा संबंधित प्रकरण विचाराधीन है, जिसमें आपकी उपस्थिति हेतु दिनांक 27/07/2026 नियत की गई है। अत: आप स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थिति होकर प्रकरण में अपना जवाब प्रस्तुत कर सकते है।

उक्त प्रकरण में दिनांक 27/07/2026 को 11 बजे स्थान चिडावद में इस न्यायालय के समक्ष स्वयं या अपने अधिवक्ता, जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हो, या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

नायब तहसीलदार
टप्पा चिडावद, तहसील टोंकखुर्द
जिला देवास (म.प्र.)

इंदौर, भोपाल, उज्जैन, आलीराजपुर, ठाणे, मुंबई, नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

दैनिक **विनय उजाला**

सोमवार, 20 जुलाई 2026
आषाढ़ शुक्ल पक्ष-06

राहुल-खड़गे के पत्र पर एनडीए का पलटवार ...05

न डरते हैं, न डराते हैं, सच सामने लाते हैं..!

फर्स्ट कॉलम

बदरीनाथ में चढ़ावा हेराफेरी में अब 'कुबेर का खजाना' खंगालेगी पुलिस

चमोली, एजेंसी। बदरीनाथ धाम में थाली भेंट की गणना में वित्तीय अनियमितता सामने आने के बाद अब पुलिस जांच का दायरा बढ़ाते हुए भगवान बदरीनाथ के 'कुबेर के खजाने' तक पहुंच गई है। पुलिस ने बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) से पिछले तीन वर्षों का रिकॉर्ड तलब किया है। जांच में नकदी के साथ ही श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए सोना, चांदी, हीरे, माणिक और अन्य बहुमूल्य आभूषणों का भी मिलान किया जाएगा। मंदिर परिसर में स्थापित 26 दानपात्रों से प्राप्त नकदी और बहुमूल्य वस्तुओं की गणना के बाद उन्हें अलग-अलग सुरक्षित बॉक्स में रखकर अभिलेखों में दर्ज किया जाता है। इसे बदरीनाथ में कुबेर का खजाना कहा जाता है। इसी रिकॉर्ड की अब बारीकी से जांच होगी।

मोबाइल रखने से कोई पत्रकार नहीं बन जाता, सनसनी नहीं जिम्मेदारी जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रेस की स्वतंत्रता लोकतंत्र का अनिवार्य स्तंभ है, लेकिन इसका इस्तेमाल गैर-जिम्मेदार पत्रकारिता, डराने-धमकाने या सार्वजनिक व्यवस्था को प्रभावित करने वाली सामग्री के प्रसार के लिए नहीं किया जा सकता। ऐसा किसी मीडिया संस्थान का कहना नहीं है, बल्कि दिल्ली हाईकोर्ट का कहना है। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया के दौर में पत्रकारिता की बदलती तस्वीर पर यह महत्वपूर्ण टिप्पणी की है।

Cartoon Corner

कश्मीर में बादल फटने से भारी तबाही

पुंछ में बाढ़ और भूस्खलन ने उजाड़ दिए कई घर, सुरनकोट में 11 लोगों की मौत

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में बादल फटने के कारण हुई भारी बारिश ने भारी तबाही मचा दी। शनिवार देर रात से रविवार सुबह तक हुई मूसलाधार बारिश के कारण कई इलाकों में अचानक बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं सामने आईं।

हादसों में अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग लापता बताए जा रहे हैं। वहीं कम से कम चार लोग घायल हुए हैं, जिनमें तीन बच्चे भी शामिल हैं। जिले की सुरनकोट तहसील में बारिश का सबसे ज्यादा असर देखने को मिला है। यहां कई घर भूस्खलन की चपेट में आ गए। प्रशासन, पुलिस और सेना की टीमें लगातार राहत एवं बचाव अभियान चला रही हैं। लोअर मड़ा गांव में भूस्खलन से एक मकान मलबे में दब गया। इस हादसे में मकान मालिक मोहम्मद लतीफ और उनके परिवार के पांच अन्य सदस्य लापता हो गए। राहत एवं बचाव अभियान के दौरान मलबे से आठ शव बरामद किए गए हैं।

कई गांवों में मौत और तबाही

संगलेयानी गांव में मकान गिरने से 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई। वहीं मरहोट गांव में इरम नाम की नाबालिग लड़की तेज बहाव वाले नाले में बह गई और उसकी मौत हो गई। धुंधक लदूंग पुल के पास एक नाले से एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया गया है। पुंछ के नूनाबांडी गांव में भी भारी बारिश के कारण एक मकान गिर गया, जिसमें 28 वर्षीय नाजिया कौसर की मौत हो गई। उनके पति मोहम्मद हफीज और दो से छह वर्ष की उम्र के तीन बच्चों को घायल अवस्था में बचाया गया। सभी घायलों को राजा सुखदेव सिंह जिला अस्पताल पहुंचाया गया है।

मड़ा गांव में रेस्क्यू ऑपरेशन तेज

सुरनकोट तहसील के मड़ा गांव में क्षतिग्रस्त मकान से शवों को निकालने का काम जारी है। अधिकारियों के अनुसार, मलबे से आठ शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि गांव में अभी भी छह लोगों के लापता होने की सूचना है। प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में बचाव दल तैनात कर दिए हैं। फंसे हुए लोगों को निकालने, मलबा हटाने और प्रभावित परिवारों तक राहत पहुंचाने का काम तेजी से किया जा रहा है।

नगालैंड में लैंडस्लाइड कई लोग मलबे में दबे

कोहिमा। रविवार को नगालैंड के मोन जिले की डिफेंस कॉलोनी में भीषण लैंडस्लाइड हुई, जिसमें कम से कम चार व्यक्ति की मौत हो गई। मलबे के नीचे कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। लैंडस्लाइड में कई घर बह गए और बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू किया गया है। बचाव दल के एक अधिकार ने बताया कि कॉलोनी में लगभग 15 घर लैंडस्लाइड से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। असम राइफल्स, नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स, नगालैंड पुलिस, स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स, सेना, जिला प्रशासन और स्थानीय स्वयंसेवकों के जवान प्रभावित इलाके में बड़े पैमाने पर खोज और बचाव अभियान चला रहे हैं।

उत्तराखंड में 4 दिन भारी बारिश की चेतावनी

उत्तराखंड के देहरादून स्थित भारत मौसम विज्ञान विभाग ने राज्य के विभिन्न जनपदों में आगामी दिनों के दौरान भारी से अत्यधिक भारी वर्षा, आकाशीय बिजली एवं तेज वर्षा की चेतावनी जारी की। इसके बाद राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) ने सभी जिलाधिकारियों को पत्र जारी कर आवश्यक एहतियाती एवं निवारक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। पत्र में 22 जुलाई तक जारी मौसम चेतावनी के अनुरूप जनपद स्तर पर सतर्कता बढ़ाने, संवेदनशील क्षेत्रों की निरंतर निगरानी रखने तथा राहत एवं बचाव दलों को पूर्ण रूप से तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं।

हाईकोर्ट से मिला झटका

सोनम वांगचुक को दूसरे अस्पताल में शिफ्ट करने की मांग खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट ने जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को किसी प्राइवेट अस्पताल में शिफ्ट करने की उनकी पत्नी की मांग को फिलहाल खारिज कर दिया है।

कोर्ट ने कहा है कि वांगचुक की सेहत को देखते हुए सरकार का उन्हें अस्पताल में शिफ्ट करने का फैसला मनमाना नहीं था। मामले की सुनवाई कर रहे जस्टिस मिनी पुष्करणा ने कहा कि सफदरजंग अस्पताल के डॉक्टर सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। यह नहीं कहा जा सकता कि उनके खिलाफ जबरदस्ती की जा रही है। कोर्ट ने कहा, वांगचुक ने अपनी हालत के बावजूद खुद से अस्पताल में भर्ती नहीं हुए, इसलिए सरकार को दखल देने का अधिकार था। कोर्ट ने सरकार की इस बात पर भी ध्यान दिया कि वांगचुक के परिवार को उनसे दिनभर बिना किसी रोक-टोक के मिलने की इजाजत दी गई थी। कोर्ट ने ये भी देखा कि अधिकारियों ने वांगचुक के परिवार वालों के लिए एक अलग कमरा भी दिया था। इसलिए, कोर्ट ने माना कि इस स्टेज पर किसी अंतरिम निर्देश की जरूरत नहीं है। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि उनकी मेडिकल रिपोर्ट परिवार वालों के साथ शेयर की जाए। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 24 जुलाई को तय की है।

यूएस ने अपने सैनिकों की मौत का लिया बदला

अमेरिका-ईरान में छिड़ा भीषण युद्ध

तेहरान, एजेंसी

अमेरिका ने जॉर्डन में अपने सैनिकों की मौत के बाद ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई और तेज कर दी है। अमेरिकी सेना ने रविवार को ईरान के कई रणनीतिक ठिकानों पर नए हवाई हमले किए।

अमेरिका का कहना है कि इन हमलों का उद्देश्य जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों पर हुए हमले का तत्काल जवाब देना और ईरान की होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल आपूर्ति बाधित करने की क्षमता को कमजोर करना है। इस कार्रवाई के बाद पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ गया है। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने बताया कि हाल ही में जॉर्डन स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे पर हुए ड्रोन और मिसाइल हमले में दो अमेरिकी सैनिकों की मौत, एक सैनिक के लापता होने और चार अन्य के घायल होने के बाद यह सैन्य कार्रवाई की गई है। अमेरिका ने इस हमले के लिए सीधे ईरान के अर्द्धसैनिक संगठन इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को जिम्मेदार ठहराया है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, रविवार तड़के करीब 1.30 बजे दक्षिणी होर्मोजगान प्रांत के सिरिक इलाके को निशाना बनाया गया। यह क्षेत्र होर्मुज जलडमरूमध्य के बेहद करीब स्थित है, जहां से दुनिया के तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा गुजरता है।

पश्चिम बंगाल के 20 सांसदों का एनसीपीआई में विलय

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) ने पश्चिम बंगाल के 20 सांसदों के पार्टी में विलय को लेकर आधिकारिक सूचना जारी की है। पार्टी ने कहा कि विलय स्वीकार किए जाने के बाद ये सभी सांसद अब औपचारिक रूप से एनसीपीआई का हिस्सा बन गए हैं। पार्टी का दावा है कि इन नेताओं के शामिल होने से जनसेवा और राष्ट्र निर्माण के प्रति उसका संकल्प और मजबूत होगा। एनसीपीआई द्वारा जारी सूची में जिन सांसदों के नाम शामिल हैं, उनमें सुदीप बंद्योपाध्याय, डॉ. काकोली घोष दस्तीदार, शताब्दी रॉय, माला रॉय, मिताली बाग, पार्थ भौमिक, अधिकारी दीपक देव, डॉ. शर्मिला सरकार, सयानी घोष, बापी हलदार, कालीपद सारेन खेरवाल, जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया, प्रसून बनर्जी, अरूप चक्रवर्ती, असित कुमार मल, यूसुफ पठान, जून मालिया, खलीलुर रहमान और रचना बनर्जी शामिल हैं।

भाषा और शब्दों की हजारों वर्षों की यात्रा हुई जीवंत

देश के पहले शब्द संग्रहालय का अमित शाह ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की भाषाई विरासत, शब्दों की विकास यात्रा और ज्ञान परंपरा को आधुनिक तकनीक के माध्यम से एक ही छत के नीचे देखने का अवसर अब लोगों को मिलेगा।

कोलकाता के राष्ट्रीय पुस्तकालय परिसर में बने देश के पहले शब्द संग्रहालय (म्यूजियम ऑफ वर्ड) का उद्घाटन रविवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने किया। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्र की संस्कृति के लिए एक ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित करने के संकल्प में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित कर रहे हैं। गृहमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि किसी भी राष्ट्र या क्षेत्र की संस्कृति और उसकी अभिव्यक्ति भाषा के बिना संभव नहीं है, और भाषा स्वयं भावनाओं से जन्में शब्दों के बिना अस्तित्व में नहीं रह सकती। उन्होंने कहा कि जब तक हमारी भावी पीढ़ियां इस यात्रा को नहीं समझेंगी, तब तक देश का सांस्कृतिक पुनरुद्धार नहीं हो सकता।

15 अगस्त तक आम लोगों के लिए नि:शुल्क

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वर्ष 2021 की परिकल्पना पर विकसित इस संग्रहालय में 22 भारतीय भाषाओं, नौ अत्याधुनिक डिजिटल गैलरियों और इंटरएक्टिव तकनीक के जरिये भाषा और शब्दों की हजारों वर्षों की यात्रा को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है। इसे देश का ही नहीं बल्कि विश्व का पहला अपनी तरह का संग्रहालय माना जा रहा है। संग्रहालय 15 अगस्त तक आम लोगों के लिए नि:शुल्क खुला रहेगा। केंद्रीय गृहमंत्री ने भारत की सांस्कृतिक चेतना के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि बंगाल हमेशा से भारतीय चेतना का वैश्विक प्रकाश स्तंभ रहा है। अब फिर से इसके उत्थान का समय आ गया है।

मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट को सिर्फ डिग्री नहीं, बल्कि रिसर्च और सामाजिक सरोकारों से जोड़ा

VISHISHT SCHOOL OF MANAGEMENT
Recognized from Govt. of MP and Affiliated to Devi Ahilya University

विशिष्ट स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के डॉ. नवीन योगराज और डॉ. एस. एम. अनस इक़बाल ने संस्थान को नई ऊंचाईयों पर पहुंचाया

इंदौर

15 साल पहले इंदौर में स्थापित विशिष्ट स्कूल ऑफ मैनेजमेंट आज शिक्षा और शोध के क्षेत्र में उत्कृष्टता की पहचान बन चुका है। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय से संबद्ध इस कॉलेज की नींव संस्थापक डॉ. नवीन योगराज ने गुणवत्तापूर्ण प्रबंधन शिक्षा देने के उद्देश्य से रखी थी। उनकी दृष्टि और समर्पण से यह संस्थान अब प्रदेश ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

संस्थान को एमपी एंटरप्रेन्योर एंड एक्सीलेंस अवॉर्ड के तहत बेस्ट रिसर्च ओरिएंटेड कॉलेज का सम्मान प्राप्त हो चुका है। आईएसओ प्रमाणित यह कॉलेज अत्याधुनिक सुविधाओं और बेहतर शोध वातावरण से लैस है। यहाँ पिछले एक दशक में अब तक 11 अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित की जा चुकी हैं। इसी क्रम में इस सत्र में 12वीं अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन भी होने जा रहा है, जिसमें देश-विदेश के अनेक शोधार्थी, विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि और विशेषज्ञ शामिल होंगे। ग्लोबल रिसर्च फाउंडेशन ने इसे नवीन शिक्षण पद्धतियों, फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, सेमिनार, वर्कशॉप, इंडस्ट्री विज़िट तथा सामाजिक पहलों के लिए मान्यता प्रदान की है। संस्थान को हाल ही में वर्ल्ड बुक रिकॉर्ड से हाईएस्ट एकेडमिक रिसर्च प्रेजेंटेशन अवॉर्ड भी प्राप्त हुआ है। संस्थान का उद्देश्य शैक्षिक उत्कृष्टता के साथ साथ छात्रों को राष्ट्र निर्माण के तैयार करना भी है सी। कॉलेज के विद्यार्थी विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में सक्रिय रहते हैं।

उत्कृष्ट शिक्षा देने के लिए छोड़ा पारिवारिक व्यवसाय

संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. नवीन योगराज ने डीएवीवी से बीबीए और यूके की क्रेनफील्ड यूनिवर्सिटी से फाइनेंस में मास्टर्स डिग्री प्राप्त की। फाइनेंस और इकोनॉमिक्स पर कई अंतर्राष्ट्रीय शोधपत्र प्रकाशित करने के बाद भी उनका जुनून शिक्षा को लेकर था। इसी जुनून ने उन्हें विदेश से लौटकर अपने शहर इंदौर में उत्कृष्ट शिक्षा संस्थान बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पारिवारिक व्यवसाय छोड़कर शिक्षा क्षेत्र में कदम रखा और श्रेष्ठ शिक्षाविदों व प्रबंधकों की टीम बनाकर संस्थान को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। डॉ. योगराज मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी पर दो किताबें लिख चुके हैं। हाल ही में उन्होंने पारुल यूनिवर्सिटी से एलएलबी (ऑनर्स) में गोल्ड मेडल हासिल किया है। स्टील सेक्टर के विकास पर उनके विचार और कार्य नीतिगत स्तर पर महत्वपूर्ण रहे हैं। उनके योगदान के लिए उन्हें राजीव गांधी एक्सीलेंस अवॉर्ड (इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट) तथा नेपाल में गोल्ड स्टार एशिया इंटरनेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। वे शिक्षा के साथ समाज सेवा में भी सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

सुनहरा करियर छोड़कर शिक्षा क्षेत्र के लिए चुना इंदौर

संस्थान के डायरेक्टर (एकेडेमिक्स) डॉ. एस. एम. अनस इक़बाल की यात्रा भी प्रेरणादायक है। लखनऊ में पले-बढ़े डॉ. इक़बाल ने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से कॉमर्स में पीएचडी, सिम्बायोसिस पुणे और एशियन इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी से एमबीए किया। इसके बाद वे भारत सरकार के प्लानिंग कमीशन में कंसल्टेंट रहे। सुनहरे करियर के कई अवसरों को छोड़कर उन्होंने शिक्षा क्षेत्र को चुना और इंदौर आकर युवाओं के भविष्य निर्माण में जुट गए। वे फाइनेंस मैनेजमेंट, ग्लोबल बिज़नेस लॉ और इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स के विशेषज्ञ हैं। भारत सरकार के मानव संसाधन मंत्रालय की काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च से उन्हें शोध फेलोशिप प्राप्त हुई। अब तक वे 75 से अधिक शोधपत्र प्रस्तुत कर चुके हैं और 22 किताबें लिख चुके हैं। उनके निर्देशन में 18 विद्यार्थी पीएचडी पूरी कर चुके हैं। डॉ. इक़बाल अवंतिका यूनिवर्सिटी के बोर्ड सदस्य हैं। वे एनडीटीवी, दूरदर्शन सहित अनेक टीवी चैनलों पर पैनल डिस्कशन में विशेषज्ञ वक्ता रह चुके हैं तथा कई हिंदी-अंग्रेज़ी अखबारों और पत्रिकाओं में नियमित लेखन करते हैं। हाल ही में दिल्ली में आयोजित आईबीएम नेशनल एजुकेशन कॉनक्लेव में उन्हें लीडरशिप इन इंस्टीट्यूशनल डेवलपमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। वर्तमान में वे देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में पीएचडी कोर्स वर्क की कक्षाएँ लेते हैं और उन्हें कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में बाह्य परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया जा चुका है। सामाजिक सरोकारों को ध्यान में रखते हुए डॉक्टर इकबाल ने टियर्स यानी टुवर्ड्स एजुकेशन एंड रिस्पॉन्सिबल सोसाइटी तथा यूनिटी एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी की स्थापना की है, जिनके माध्यम से शिक्षा और समाजसेवा दोनों क्षेत्रों में योगदान दिया जा रहा है।

सम्पादकीय

रूसी तेल पर सौ फीसद शुल्क का दांव

एक तरफ अमेरिका भारत से व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में जुटा है, दूसरी ओर वह रूस से तेल खरीदने पर सौ फीसद आयात शुल्क लगाने की तैयारी कर रहा है। व्यापारिक रिश्तों में विरोधाभास का यह विचित्र उदाहरण है। दरअसल, अमेरिका के दोनों प्रमुख दलों के सांसदों के एक समूह ने सीनेट में एक विधेयक पेश किया है, जिसमें रूस से तेल खरीदने वाले भारत और चीन सहित पांच देशों पर सौ फीसद तक आयात शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। इस विधेयक के पारित हो जाने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारी-भरकम शुल्क थोपने का अधिकार मिल जाएगा। इस नए परिदृश्य में भारत-अमेरिका के बीच चल रही व्यापार वार्ता का क्या भविष्य होगा, यह एक बड़ा सवाल है और फिर समझौते का भी क्या महत्त्व रह जाएगा? गौरतलब है कि बीती फरवरी में व्यापार समझौते के लिए रूपरेखा तय होने पर रूसी तेल से जुड़े अतिरिक्त पच्चीस फीसद शुल्क को हटा दिया गया था। अब नए सिरे से सौ फीसद शुल्क लगाने की प्रक्रिया से प्रतीत होता है कि अमेरिका भयादोहन की नीति अपना रहा है। हालांकि, संशोधित विधेयक को पहले के मसविदे से नरम बताया जा रहा है। शुरुआती प्रस्ताव में ट्रंप प्रशासन ने संसद में विधेयक पेश कर पांच सौ फीसद तक शुल्क लगाने की पेशकश की थी। मगर सवाल है कि कोई देश अगर रूस से तेल खरीदता है, तो उस पर अमेरिका को शुल्क लगाने का अधिकार कैसे मिल जाता है !ईरान पर हमले से लेकर शुल्क थोपने तक के मुद्दे पर जिस तरह से राष्ट्रपति ट्रंप अपने रुख से पलटते रहे हैं, उससे अमेरिका की साख कम हुई है। यह स्पष्ट है कि दूसरे देशों को मनमाने तरीके से संचालित करने और उन पर नाहक दबाव बनाने से अमेरिका की महाशक्ति की छवि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। दबाव बनाने और अपने मुताबिक संचालित करने के अलोकतांत्रिक कदमों से अमेरिका ने अपनी छवि धुंधली ही की है। अब नाहक शुल्क लगाने की नीति से भारत के साथ उसके व्यापारिक रिश्तों पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ सकता है। सवाल है कि अमेरिका की लगातार मनमानी से दुनिया प्रगति के रास्ते पर बढ़ेगी या पीछे चली जाएगी और इसका खुद अमेरिका पर कैसा असर पड़ेगा?

सुविचार

रथ का सारथी दिशा देता है, वैसे ही विवेक जीवन चलाता है।
इंद्रियों पर पर जिसने संयम रखा, उसका हर निर्णय सफल होता है।
- टीना कश्यप, मुंबई

समस्या यह है की लोगों को परिणाम से मतलब होता है, प्रयास से नहीं
और बिडंबना यह है कि हमारे हाथ में प्रयास है, परिणाम नहीं।
- ताहिर अली, भोपाल

मज़बूत होने का मतलब हर लड़ाई जीत लेना नहीं होता,
कुछ लड़ाइयों से पलायन कर लेना भी मज़बूत मन की निशानी है..!
- पुष्पेन्द्र कानूनगो, इंदौर

हमारा हर निर्णय वर्तमान परिस्थिति के अनुसार सर्वश्रेष्ठ होता है...
बस बाद की बदली परिस्थितियां उसे गलत साबित कर देती हैं...!
-सावित्री महंत, उज्जैन

जिंदगी में कुछ लम्हे, अपने लिए भी जीना सीखिए...
क्योंकि.. जरूरतें और जिम्मेदारियां, कभी कम नहीं होती..!
- पूर्णिमा पंडित, इंदौर

बाप मना नहीं करता बेटी को ऊंची उड़ानों से,
बस वह डरता है, क्योंकि आसमान में बाज बहुत है।
- सुनील लोढ़ा, उदयपुर

इतिहास के पन्नों में 20 जुलाई... जब इंसान ने पहली बार चांद पर रखा कदम

विश्व इतिहास में 20 जुलाई की तारीख मानव सभ्यता की सबसे बड़ी वैज्ञानिक उपलब्धियों में से एक की साक्षी है। इसी दिन वर्ष 1969 में अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग ने चंद्रमा की सतह पर पहला कदम रखकर इतिहास रच दिया। इस उपलब्धि ने चांद को कल्पनाओं और साहित्य की दुनिया से निकालकर वैज्ञानिक उपलब्धि का प्रतीक बना दिया। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का अपोलो-11 मिशन 16 जुलाई 1969 को फ्लोरिडा स्थित जॉन एफ. कैनेडी स्पेस सेंटर से प्रक्षेपित किया गया था। लगभग चार दिन की अंतरिक्ष यात्रा के बाद 20 जुलाई को यान का लूनर मॉड्यूल ईगल चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक उतरा। नील आर्मस्ट्रांग ने चंद्रमा पर कदम रखते हुए दुनिया को वह ऐतिहासिक संदेश दिया, ऋयह एक व्यक्ति का छोटा-सा कदम है, लेकिन मानवता के लिए एक बहुत बड़ी छलांग है।ऋ उनके साथ अंतरिक्ष यात्री बज़ एल्ड्रिन भी चंद्रमा की सतह पर उतरे, जबकि माइकल कॉलिन्स कमांड मॉड्यूल में चंद्रमा की कक्षा में ही रहे। अपोलो-11 का लूनर मॉड्यूल करीब 21 घंटे 31 मिनट तक चंद्रमा की सतह पर रहा। इस दौरान अंतरिक्ष यात्रियों ने वैज्ञानिक प्रयोग किए, चंद्रमा की मिट्टी और चट्टानों के नमूने एकत्र किए तथा कई महत्वपूर्ण उपकरण स्थापित किए, जिनसे चंद्रमा के बारे में नई जानकारियां प्राप्त हुईं। अपोलो-11 मिशन को अंतरिक्ष विज्ञान की सबसे बड़ी उपलब्धियों में गिना जाता है। इसने न केवल अमेरिका को अंतरिक्ष दौड़ में ऐतिहासिक बढ़त दिलाई, बल्कि मानव अंतरिक्ष अन्वेषण के नए युग की भी शुरुआत की। आज भी 20 जुलाई का दिन विज्ञान, तकनीक और मानव साहस के प्रतीक के रूप में पूरी दुनिया में याद किया जाता है।

खेल विशेष

सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि अब भारत किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है और न देश के किसी एक क्षेत्र भर से। आज देश के अलग-अलग राज्यों से विश्वस्तरीय खिलाड़ी निकल रहे हैं। विशेष रूप से तमिलनाडु, तेलंगाना, महाराष्ट्र, दिल्ली, पश्चिम बंगाल और केरल जैसे राज्यों में शतरंज की मजबूत संस्कृति विकसित हुई है।

अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस पर विशेष

शतरंज की सुपर पावर बनकर उभरता भारत

दैनिक विनय उजाला
- साशा
इमेज रिफ्लेक्शन सेंटर

कभी दुनिया भारत को शतरंज का जन्मदाता मानकर सम्मान देती थी, तो आज विश्व भारत को शतरंज की सुपर पावर मानकर सम्मान देता है। ये केवल ऐतिहासिक गौरव की पुनर्प्राप्ति भर नहीं है बल्कि आधुनिक भारत की उस बौद्धिक शक्ति का प्रमाण भी है, जिसने खेल के सबसे जटिल माने जाने वाले क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व स्थापित करने की दिशा में तेज कदम बढ़ाये हैं। हर वर्ष 20 जुलाई को विश्व शतरंज दिवस मनाया जाता है। यह अवसर केवल एक खेल का उत्सव भर नहीं है बल्कि धैर्य, रणनीति, दूरदृष्टि और मानसिक अनुशासन का भी उत्सव है। भारत के लिए इसका इसलिए भी विशेष महत्व है, क्योंकि जिस खेल की शुरुआत हजारों साल पहले भारत की धरती पर हुई थी, आज उसी खेल में भारतीय खिलाड़ी विश्व के सबसे बड़े दिग्गजों में शुमार हो रहे हैं। पिछले एक दशक में भारतीय शतरंज ने जिस गति से प्रगति की है, उसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। कभी विश्वनाथन आनंद अकेले भारतीय शतरंज की पहचान थे, जबकि आज एक पूरी पीढ़ी तैयार है- डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानानंदा, अर्जुन एरिगैसी, आर. वैशाली, कोनेरू हंपी, हरिका द्रोणावल्ली, विदित गुजराती, निहाल सरीन और अन्य कई युवा खिलाड़ी लगातार अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का परचम लहराया है।

सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि अब भारत किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है और न देश के किसी एक क्षेत्र भर से। आज देश के अलग-अलग राज्यों से विश्वस्तरीय खिलाड़ी निकल रहे हैं। विशेष रूप से तमिलनाडु, तेलंगाना, महाराष्ट्र, दिल्ली, पश्चिम बंगाल और केरल जैसे राज्यों में शतरंज की मजबूत संस्कृति विकसित हुई है। स्कूल स्तर पर प्रतियोगिताएं बढ़ी हैं, निजी अकादमियों का विस्तार हुआ है और ऑनलाइन प्रशिक्षण ने छोटे शहरों के खिलाड़ियों के लिए भी विश्वस्तरीय कोचिंग उपलब्ध करा दी है। भारतीय खिलाड़ियों की सफलता के पीछे कई कारण हैं, पहला, विश्वनाथन आनंद जैसी प्रेरणादायक शख्सियत का होना, जिन्होंने नई पीढ़ी को विश्वास दिलाया कि भारतीय खिलाड़ी विश्व चैंपियन बन सकते हैं। दूसरा, तकनीक का प्रभाव। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित विश्लेषण, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और शक्तिशाली शतरंज इंजन, खिलाड़ियों की तैयारी को पहले से कहीं ज्यादा वैज्ञानिक बना दिया है। तीसरा, परिवारों और समाज का बदलता नजरिया। पहले शतरंज को केवल शौक माना जाता था। अब इसे सम्मानजनक कॅरियर के रूप में भी देखा जाने लगा है।

भारत की सबसे बड़ी ताकत हमारी अपनी युवा आबादी है। आज अनेक किशोर खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय ग्रांड मास्टरों को पराजित कर रहे हैं, यह केवल व्यक्तिगत प्रतिभा भर का परिणाम नहीं है बल्कि उस मजबूत प्रशिक्षण व्यवस्था का भी संकेत है, जो हाल के दशकों में विकसित हुई है। देश में ग्रैंड मास्टर्स की संख्या लगातार बढ़ रही है और भारत विश्व के अग्रणी शतरंज देशों में शामिल हो चुका है। सिर्फ पुरुष शतरंज में ही नहीं महिला शतरंज में भी भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। कोनेरू हंपी और हरिका द्रोणावल्ली ने जिस मजबूत आधार का निर्माण किया, आज उसी पर नई पीढ़ी की महिला खिलाड़ी लगातार आगे बढ़ रही हैं। इससे स्पष्ट होता है कि भारत में शतरंज केवल पुरुष खिलाड़ियों तक ही सीमित नहीं रहा। महिलाओं की भागीदारी भी लगातार मजबूत हो रही है। गौरतलब है कि शतरंज केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं है। शिक्षाशास्त्रियों के मुताबिक यह खेल बच्चों में तार्किक सोच, समस्या समाधान, स्मरण शक्ति, धैर्य, निर्णय क्षमता और एकाग्रता विकसित करता है। यही कारण है कि देश के अनेक विद्यालय अब शतरंज को सह-पाठ्यक्रम गतिविधि के रूप में भी शामिल कर रहे हैं। कई राज्यों में तो सरकारी स्कूलों में भी शतरंज को बढ़ावा देने की पहल की है।

हालांकि चुनौतियां अभी भी कम नहीं है। क्रिकेट की तुलना में शतरंज को अभी भी सीमित आर्थिक, संसाधन मिलते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशिक्षित कोचों की नितांत कमी है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए आर्थिक सहायता भी अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के सामने बड़ी बाधा बन जाती है। यदि देश को लंबे समय तक शतरंज महाशक्ति बनाये रखना है, तो प्रतिभा, खोज, प्रशिक्षण, खेल विज्ञान, मनोवैज्ञानिक सहायता और वित्तीय सहयोग पर समान रूप से निवेश करना होगा। भारत के सामने अवसर भी असाधारण है। यदि स्कूलों में शतरंज को व्यापक स्तर पर बढ़ावा मिले, राज्यों में नियमित लीग आयोजित हों, कार्पोरेट क्षेत्र अधिक निवेश करे और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी बढ़े, तो आने वाले वर्षों में भारत विश्व शतरंज का सबसे प्रभावशाली केंद्र बनकर उभरेगा। आज दुनिया स्वीकार कर रही है कि भारत केवल शतरंज का जन्मदाता ही नहीं बल्कि उसका भविष्य भी है। हमारी नई पीढ़ी का आत्मविश्वास, आधुनिक प्रशिक्षण प्रणाली और लगातार मिलती अंतर्राष्ट्रीय सफलताएं, इस बात का संकेत हैं कि भारत का शतरंज अभियान अपने स्वर्णिम दौर की शुरुआत कर चुका है।

विश्व शतरंज दिवस हमें याद दिलाता है कि किसी भी महान चाल की शुरुआत सोच, समझकर उठाये गये पहले कदम से होती है। भारत ने यह पहला कदम सदियों पहले उठाया था। अब समय उस विरासत को आधुनिक उपलब्धियों के साथ जोड़कर विश्व शतरंज में स्थायी नेतृत्व स्थापित करने का है। यदि वर्तमान गति बनी रही, तो आने वाले वर्षों में हमारे लिए शतरंज की सुपर पावर होना एक विशेषण भर नहीं बल्कि वास्तविक ताकत होगी।

जितनी गहरी जड़ें, उतना ऊँचा आसमान

यह कहावत जीवन का एक गहन सत्य प्रस्तुत करती है। जैसे कोई वृक्ष अपनी जड़ों के बल पर ही आकाश की ओर ऊँचा उठता है, वृक्ष की जड़ें दिखाई नहीं देतीं, वे धरती के भीतर छिपी रहती हैं, लेकिन वही उसकी असली ताकत होती हैं। जड़ें जितनी गहरी और मजबूत होती हैं, वृक्ष उतना ही ऊँचा, हरा-भरा और स्थिर होता है। आँधी-तूफान आने पर भी वह गिरता नहीं, क्योंकि उसकी जड़ें उसे मजबूती से थामे रखती हैं। इसके विपरीत, जिन वृक्षों की जड़ें कमजोर या उथली होती हैं, वे थोड़ी सी विपरीत परिस्थिति में ही टूटकर गिर जाते हैं। उसी प्रकार मनुष्य भी अपनी सांस्कृतिक, नैतिक और आध्यात्मिक जड़ों के सहारे ही जीवन में ऊँचाइयाँ प्राप्त करता है। जिन व्यक्तियों या समाज की जड़ें अपनी परंपराओं, मूल्यों और संस्कारों में गहराई से जुड़ी होती हैं, वे समय के किसी भी तूफान में अडिग रहते हैं और निरंतर प्रगति करते हैं।

भारतीय संस्कृति इस सत्य का उत्कृष्ट उदाहरण है। यहाँ की परंपराएँ, जैसे वसुधैव कुटुम्बकम्, अतिथि देवो भवः, और सत्यं वद, धर्मं चर केवल आदर्श वाक्य नहीं हैं, बल्कि जीवन जीने की एक संपूर्ण पद्धति हैं। हमारे वेद, उपनिषद, रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथ हमें नैतिकता, कर्तव्य और मानवता का पाठ पढ़ाते हैं। यही हमारी जड़ें हैं, जो हमें अपनी पहचान और दिशा प्रदान करती हैं। भारतीय संस्कृति की ये परंपराएँ केवल कथन नहीं हैं, बल्कि जीवन जीने की दिशा और दर्शन प्रदान करती हैं। आइए इन्हें थोड़ा विस्तार से समझते हैं-

1. वसुधैव कुटुम्बकम् : इसका अर्थ है 'पूरी पृथ्वी एक परिवार है।' यह विचार हमें संकीर्ण सोच से बाहर निकालकर समस्त मानव जाति को एक सूत्र में देखने की प्रेरणा देता है। भारतीय परंपरा में यह भावना सिखाती है कि हम जाति, धर्म, भाषा या देश के आधार पर भेदभाव न करें, बल्कि सभी को अपना ही मानें। आज के वैश्वीकरण के दौर में, जहाँ विभिन्न संस्कृतियाँ एक-दूसरे से जुड़ रही हैं, यह सिद्धांत और भी प्रासंगिक हो गया है। इससे शांति, सहयोग और वैश्विक भाईचारे को बढ़ावा मिलता है।

2. अतिथि देवो भवः- इसका अर्थ है 'अतिथि (मेहमान) देवता के समान होता है।' भारतीय संस्कृति में अतिथि का स्वागत सम्मान, प्रेम और आदर के साथ किया जाता है। यह परंपरा हमें सिखाती है कि जो भी व्यक्ति हमारे घर या जीवन में आता है, उसका सत्कार करना हमारा कर्तव्य है। यह केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि दूसरों के प्रति सम्मान और विनम्रता का प्रतीक है। आज के समय में, जब लोग अधिक व्यस्त और आत्मकेंद्रित होते जा रहे हैं, यह मूल्य हमें मानवीय संबंधों को मजबूत बनाने की याद दिलाता है।

3. सत्यं वद, धर्मं चर- इसका अर्थ है 'सत्य बोलो और धर्म (सही मार्ग) का पालन करो।' यह उपदेश हमें नैतिकता और सत्यनिष्ठा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। भारतीय ग्रंथों में सत्य को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। यह परंपरा सिखाती है कि जीवन में चाहे कितनी भी कठिनाइयाँ क्यों न आएँ, हमें सत्य और न्याय का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। 'धर्मं चर' का अर्थ केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करना भी है। आज के समय में, जब अनैतिकता और छल-कपट बढ़ रहे हैं, यह सिद्धांत हमें सही दिशा दिखाता है।

इन तीनों परंपराओं का सार यही है कि मनुष्य को मानवता, सम्मान और सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए। यदि हम इन्हें अपने जीवन में अपनाएँ, तो न केवल हमारा व्यक्तिगत विकास होगा, बल्कि समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन आएगा। इस प्रकार, ये परंपराएँ हमारी 'गहरी जड़ें' हैं, जो हमें जीवन में ऊँचा उठने की शक्ति प्रदान करती हैं। प्राचीन भारत में गुरुकुल प्रणाली के माध्यम से शिक्षा केवल ज्ञानार्जन तक सीमित नहीं थी, बल्कि चरित्र निर्माण और जीवन मूल्यों का विकास भी उसका उद्देश्य था। यही कारण है कि उस समय के विद्यार्थी न केवल विद्वान होते थे, बल्कि नैतिक रूप से भी सशक्त होते थे।

आज के आधुनिक युग में, जहाँ वैश्वीकरण और तकनीकी विकास तेजी से बढ़ रहे हैं, वहाँ अपनी जड़ों से जुड़े रहना और भी महत्वपूर्ण हो गया है। आधुनिकता को अपनाना आवश्यक है, परंतु यदि यह अपनी संस्कृति और मूल्यों से कटकर हो, तो वह विकास अधूरा रह जाता है। आज के युवा यदि अपनी परंपराओं को समझें और उनसे प्रेरणा लें, तो वे आधुनिक दुनिया में भी अपनी एक विशिष्ट पहचान बना सकते हैं।

योग एवं आध्यात्म

यह गहरी जड़ों का ही परिणाम था कि भारत ने विश्व को शून्य, आयुर्वेद, योग और दर्शन जैसे अमूल्य उपहार दिए। योग, जो कभी भारतीय परंपरा का हिस्सा मात्र था, आज पूरी दुनिया में स्वास्थ्य और मानसिक शांति के लिए अपनाया जा रहा है। यह इस बात का प्रमाण है कि हमारी जड़ें कितनी मजबूत और प्रासंगिक हैं। इसी प्रकार, भारतीय परिवार व्यवस्था, जहाँ पारस्परिक सम्मान और सहयोग की भावना होती है, आज भी समाज को स्थिरता प्रदान करती है।

चुनौतियाँ

वर्तमान समय में कई चुनौतियाँ हैं—जैसे सांस्कृतिक विघटन, नैतिक मूल्यों का ह्रास, और अति-भौतिकवाद। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें अपनी जड़ों को और मजबूत करना होगा। शिक्षा, परिवार और समाज—इन तीनों स्तरों पर भारतीय संस्कृति और मूल्यों का समुचित संचार आवश्यक है। अंततः, यह स्पष्ट है कि ऊँचाइयों को छूने के लिए केवल बाहरी साधनों की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि आंतरिक मजबूती भी जरूरी होती है। और यह आंतरिक शक्ति हमें अपनी जड़ों से ही मिलती है। इसलिए, यदि हम सच्चे अर्थों में प्रगति करना चाहते हैं, तो हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोते हुए आगे बढ़ना होगा। **जितनी गहरी हमारी जड़ें होंगी अर्थात् जितना अधिक हम अपनी संस्कृति, परंपरा और मूल्यों से जुड़े रहेंगे, उतना ही ऊँचा हमारा विकास होगा। यही जीवन का संतुलन है और यही सच्ची सफलता का मार्ग।**

दैनिक विनय उजाला
डॉ. राखी परम सावलानी
शोधकर्ता, विचारक, रचनाकार
(इंदौर-मुंबई)

जीवन क्या है..?

जीवन क्या है?...
बस खेल है साँसो का,
झूठी है यह दुनिया,
यहाँ मोल क्या बातो का?
ज़ब तक प्राण है तन में,
तब तक सब अपने है,
प्राण निकलते ही लगते,
झूठे सब सपने है,
कल तक थे, जो रिश्ते अपने,
आज लगते सब बेगाने है,
थोड़ी देर ज्यादा लगे तों......
लगते सब पूछने ......
है....कितनी देर जलाने में,
बारह दिन आँखों में आंसू है,
फिर लगते सब भुलाने है,
झूठी है ये दुनिया,
झूठे सब फसाने है,
झूठे सब फसाने है,
जीवन भर की दौड़ में,
जिस पैसे के पीछे भागे,

पखेरू ज़ब उड़े जहान से,
तब लगे सब वही पैसे उडाने,
मुट्ठी भर ही राख थी क़ीमत,
पर चले थे, अकड़ दिखाने,
एक सांस भी जो खरीद सके न,
वो चले थे दुनिया को पाने,
वो चले थे दुनिया को पाने,
इसलिए........
झूठी है यह दुनिया,
यहाँ मोल क्या बातो का,
जीवन क्या है?...
बस खेल है साँसो का,
जीवन भर की कमाई का,
इक चौथाई भी साथ नं जायेगा,
दया, प्रेम रखे हम बस,

वही साथ में जायेगा,
फिसल रहा है, समय रेत सा,
अब खुद को सम्हाले हम,
रटे नाम ईश्वर का हर क्षण,
और कर्म अपने सुधारे हम,
भला करे सभी जीवो का,
किसी से आस नं लगाए,
सच्ची आस्था रखे ईश्वर पर,
दुसरो के पास क्यू जाएँ,
कष्ट नं दे किसी जिव को भी,
इस संकल्प को दोहराये,
क्योंकि
बहुत कठिन होती है,
नर्क की यातनाये,
नर्क की यातनाएं,

जो कर्म किये जाते है,
उसका हिसाब होता है,
जो चलता सही रहो पर,
उसका मार्ग सरल होता है,
जूठी है यह दुनिया,
यहाँ मोल क्या बातो का,
जीवन क्या है?...
बस खेल है साँसो का,
कोई नही अपना यहाँ,
न कोई है बेगाना,
चंदो पलो का खेल है सब,
चंद पलो के बाद है जाना,
यही समय है सही अब....
सच्चा नाता बस ईश्वर से जोड़ लें
रहकर अपनी मर्यादाओं में,

सारे मोह के बंधन तोड लें
बेटा - बेटी, परिवार, धन- दौलत,
कुछ भी नही है अपना,
गिनती की सांसे खत्म होते ही,
लगता है सब सपना,
अंतिम लक्ष्य बस......
एक ही है रखना.......
सत्य मार्ग पर चलकर,
ईश्वर को हैं पाना,
बस ईश्वर को है पाना,
क्युकी........
झूठी है यह दुनिया,
यहाँ मोल क्या बातो का?
जीवन क्या है?...
बस खेल है साँसो का,
बस खेल है साँसो का,

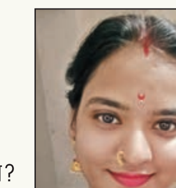

दैनिक विनय उजाला
लेखिका -
योगिता आशीष पांडे (पाठक)
स्थान - झाबुआ (म.प्र.)

हम जब भोले से मिलते

भोले से हम जब-भी मिलते,
मन भर बतियाया करते हैं,
अहं भाव को शब्दकोश में,
किंचित जगह नहीं देते हैं।
भोले से हम ....
जन्म लिया था जब धरती पर,
क्या कुछ लेकर आए थे ?
बंधी हुई थी तब ये मुट्ठी,
खाली हाथ अब जाओगे।
भोले से हम ...
धन, पद, मोह भरा ये जीवन,
अंधियारा लेकर आएगा,
कर्मों की जो राह सुधारी,
तो जीवन पा जाएगा।
भोले से हम ....
जब तक इच्छाओं की गंगा,
मन में तेरे बहा करेगी,
धुंध का छाया जो ये कोहरा,
कभी नहीं छट पाएगा।
भोले से हम ....
पशुपति के रूप को पढ़कर,
भाव सभी बखान रहे,
जो-जो बीता जैसे बीता,
बस भोले का भान रहे।
भोले से हम ....
नमन करो पावन भूमि को,
जहां भोले नें चरण धरे,
मन पावन कर ध्यान धरोगे,
पास पाओ भोले को खड़े।
भोले से हम ....
(275/333 वां मनका)

दैनिक विनय उजाला
- कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर, इन्दौर, (म.प्र.)

भारत की अंतरिक्ष शक्ति को नई ऊँचाई - निजी क्षेत्र ने भी रचा इतिहास, प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी नीतियों का परिणाम

भारत ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम दर्ज करते हुए हैदराबाद स्थित निजी कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 रॉकेट का सफल प्रक्षेपण कर विश्व को अपनी वैज्ञानिक क्षमता और तकनीकी आत्मनिर्भरता का परिचय दिया है। यह भारत का पहला निजी ऑर्बिटल रॉकेट है, जिसने सफलतापूर्वक पृथ्वी की निम्न कक्षा (Low Earth Orbit) में पेलोड स्थापित कर नया इतिहास रच दिया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आर.वी.मेहता (अधिवक्ता) ने कहा कि यह सफलता केवल एक निजी कंपनी की नहीं, बल्कि नए भारत की वैज्ञानिक सोच, युवाओं की प्रतिभा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व की जीत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2020 में अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोलकर ऐतिहासिक निर्णय लिया था।

IN-SPACe जैसी संस्थाओं की स्थापना, स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन, नवाचार को बढ़ावा तथा आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया जैसे अभियानों ने आज भारत को अंतरिक्ष क्षेत्र में नई ऊँचाइयों तक पहुँचा दिया है। आर.वी. मेहता ने कहा कि एक समय था जब अंतरिक्ष कार्यक्रम केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित था, लेकिन आज प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणादायी नीतियों के कारण भारतीय युवा और निजी उद्योग भी अंतरिक्ष तकनीक में विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। यह परिवर्तन भारत को वैश्विक स्पेस इकोनॉमी में अग्रणी राष्ट्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने स्काईरूट एयरोस्पेस के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों तथा पूरे दल को इस अभूतपूर्व सफलता के लिए हार्दिक बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में भारत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, उपग्रह प्रक्षेपण और वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व करेगा। मोदी हैं तो मुमकिन है का संकल्प आज अंतरिक्ष की ऊँचाइयों तक पहुँच चुका है। विकसित भारत के निर्माण की दिशा में यह उपलब्धि देश के युवाओं के लिए प्रेरणा और पूरे राष्ट्र के लिए गर्व का विषय है।

- आर.वी.मेहता, अधिवक्ता

राहुल-खरगे के पत्र पर एनडीए का पलटवार

विपक्ष का अचानक राम की चिंता जताना महज राजनीतिक ड्रामा

नई दिल्ली, एजेंसी

अयोध्या के राम मंदिर दान चोरी मामले को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर स्वतंत्र जांच की मांग किए जाने के बाद सत्तारूढ़ एनडीए और विपक्षी इंडी गठबंधन आमने-सामने आ गए हैं।

राहुल गांधी और खरगे ने अपने पत्र में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कामकाज पर सवाल उठाते हुए कहा कि राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए नकद, सोना, चांदी और अन्य दान का पूरा सार्वजनिक लेखा-जोखा सामने लाया जाना चाहिए। उन्होंने राजनीतिक प्रभाव से परे स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग भी की। इस मांग पर भाजपा विधायक राम कदम ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी और उनकी पार्टी पहले भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाती रही है और अब अचानक राम की चिंता जताना महज राजनीतिक ड्रामा है। उन्होंने कहा कि दान चोरी के मामले की जांच पहले से चल रही है और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा कि राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं और मल्लिकार्जुन खरगे कांग्रेस अध्यक्ष हैं। ऐसे में इस मामले पर चिंता जताना और प्रधानमंत्री को पत्र लिखना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि एसआईटी जांच कर रही है, लेकिन निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री को भी इस मामले पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों हुई थी। दुबे ने कहा कि उनकी पार्टी पहले ही इस मामले में सीबीआई जांच की मांग कर चुकी है।

विपक्ष बोला- जवाबदेही मांगना हमारा कर्तव्य

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के पूर्व नेता मृत्युंजय तिवारी ने भी विपक्ष का समर्थन करते हुए कहा कि जनता से जुड़े मुद्दे उठाना विपक्ष की संवैधानिक जिम्मेदारी है और वही किया जा रहा है। राम मंदिर दान चोरी मामले को लेकर दोनों पक्षों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस बीच एसआईटी कथित गबन और वित्तीय अनियमितताओं की जांच में जुटी हुई है।

गोगोई ने किया विपक्ष के रुख का बचाव

शिवसेना प्रवक्ता संजय निरुपम ने भी कांग्रेस पर राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राम मंदिर में दान चोरी जैसे गंभीर मामले में किसी का बचाव नहीं किया जा रहा है। मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी कार्रवाई कर रही है। सात से आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और प्रारंभिक रिपोर्ट भी सौंप दी गई है। अंतिम रिपोर्ट जल्द आएगी तथा सभी दोषियों को कड़ी सजा मिलेगी। निरुपम ने कहा कि जो लोग पहले भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाते थे, वे अब इस मुद्दे पर खुद को राम भक्त दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने इसे कांग्रेस की राजनीतिक कोशिश बताया। शिवसेना नेता शाइना एनसी ने कहा कि मामले की स्वतंत्र जांच जरूर होनी चाहिए और दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए, लेकिन इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। उनके मुताबिक सबसे महत्वपूर्ण यह पता लगाना है कि श्रद्धालुओं का दान कहां गया। वहीं कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने विपक्ष का बचाव करते हुए कहा कि अयोध्या राम मंदिर में कथित दान चोरी पूरे देश के लिए दुखद और शर्मनाक मामला है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस विषय पर संवेदनशीलता दिखानी चाहिए और निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

मानसून सत्र में चढ़ावा चोरी, नीट और महंगाई के मुद्दे उठाएगी सपा : पुष्पेंद्र सरोज

नई दिल्ली, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के सांसद पुष्पेंद्र सरोज ने कहा कि सोमवार से शुरू हो रहे मानसून सत्र में उनकी पार्टी राम मंदिर चंदा चोरी, नीट पेपर लीक, पेट्रोल-डीजल दामों में वृद्धि समेत कई महत्वपूर्ण मुद्दों को संसद में उठाएगी। सपा सांसद ने टीएमसी के 20 बागी सांसदों को सदन में बैठने की अनुमति मिलने पर कहा कि हमने देखा कि पिछले सत्र और इस सत्र के बीच कई विपक्षी सांसदों को डरा-धमकाकर और पैसे का लालच देकर अपनी तरफ किया गया। मेरा मानना है कि इसमें इस्तेमाल किया गया पैसा उसी राम मंदिर ट्रस्ट से लिया गया था। चाहे कितने भी सांसद पाला बदल लें, विपक्ष की आवाज मजबूत रहेगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के सभी सांसद डटे रहेंगे और इंडिया गठबंधन के जो सांसद खरीदे नहीं गए हैं, वे संसद में जनता की आवाज बुलंद करेंगे। ऑल पार्टी मीटिंग का जिक्र करते हुए सपा सांसद ने सरकार पर तानाशाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार किसी की सुनने को तैयार नहीं है। वह सिर्फ वही करना चाहती है जो उसे अच्छा लगे। सरकार में तानाशाह भरे पड़े हैं, लोकतंत्रवादी नहीं।

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव : मंत्री अशोक चौधरी का दावा- हम बहुत बड़े अंतर से जीतेंगे

पटना, एजेंसी। बिहार सरकार में मंत्री अशोक चौधरी ने बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर भरोसा जताया है कि भाजपा उम्मीदवार भारी मतों से चुनाव जीतेंगे। पटना में आईएएनएस से बातचीत में अशोक चौधरी ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने वर्षों तक इस क्षेत्र के लोगों की सेवा की है। इसलिए जनता ने मन बना लिया है कि एनडीए के उम्मीदवार को जीत का आशीर्वाद देकर विधानसभा पहुंचाया जाए। अशोक चौधरी ने कहा असल में कोई मुकाबला नहीं है। मैदान में करीब 10-12 उम्मीदवार हैं लेकिन उनमें से ज्यादातर यूट्यूबर और सोशल मीडिया लीडर हैं। वे सिर्फ माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं पर इससे कुछ नहीं होने वाला। हम बहुत बड़े अंतर से जीतेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा और विधानसभा चुनावों में पार्टी कार्यकर्ता को टिकट देकर मजबूत लोकतांत्रिक उदाहरण पेश किया है। नितिन नवीन ने भी यही उदाहरण दिया है। इसीलिए, जो भी उम्मीदवार बांकीपुर से चुनाव लड़ रहे हैं, वे अपनी जमानत बचा लें, काफी होगा। विक्रम-1 सैटेलाइट के सफल लॉन्च पर अशोक चौधरी ने इसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा, हमारे वैज्ञानिकों ने दुनिया में साइंस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है। मुझे विश्वास है कि पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की आत्मा को शांति मिली होगी, क्योंकि उन्होंने इस क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए लगातार काम किया था। टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए शुरू किए गए हेलीकॉप्टर टूरिज्म की सराहना करते हुए अशोक चौधरी ने कहा, यह एक अच्छी पहल है, एक बहुत अच्छी शुरुआत है। अगर आप न्यूयॉर्क, कनाडा या दूसरी जगहों पर जाते हैं, तो नियाग्रा फॉल्स और एफिल टॉवर जैसी जगहें दिखाने के लिए हेलीकॉप्टर टूर उपलब्ध हैं। यह एक अच्छी पहल है। हमारी युवा पीढ़ी, जो हेलीकॉप्टर से यात्रा करना चाहती है, अब कम कीमत पर ऐसा कर सकती है। यह मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली इस सरकार की एक बहुत अच्छी पहल है।

कांग्रेस के दिग्गज कौल सिंह का राजनीति से संन्यास

शिमला, एजेंसी। हिमाचल कांग्रेस के वरिष्ठतम नेताओं में शुमार आठ बार के एमएलए, चार बार के कैबिनेट मिनिस्टर व दो बार पीसीसी चीफ रहे कौल सिंह ठाकुर ने आखिरकार राजनीति से सन्यास का ऐलान कर दिया है। साथ ही उन्होंने नौजवानों को मौका देने की बात कही है। कौल सिंह ठाकुर ने ये ऐलान हरियाणा के धर्मगुरु संत रामपाल के समक्ष किया। कौल सिंह ठाकुर हरियाणा में संत रामपाल के आश्रम पहुंचे थे। वहां उन्होंने अपना परिचय देते हुए कहा कि वो आठ बार एमएलए रहे, चार बार मंत्री रहे और दो बार कांग्रेस के अध्यक्ष रहे, अब रिटायरमेंट ले ली है। इस पर संत रामपाल ने कहा कि अब भक्ति कर लो। ठाकुर कौल सिंह ने संत रामपाल को गर्मियों के दौरान मई व जून महीने में शिमला आने का निमंत्रण भी दिया। उन्होंने कहा कि वे अपनी पत्नी के साथ संत का सत्संग सुनते हैं। कौल सिंह ठाकुर ने उन्हें आर्गेनिक फल भेंट किए। संत रामपाल ने उन्हें दीक्षा हासिल करने के लिए कहा। कौल सिंह ने फिर दोहराया कि अब उन्होंने राजनीति से सन्यास ले लिया है। उल्लेखनीय है कि कौल सिंह ठाकुर लगातार दो बार द्रंग विधानसभा क्षेत्र से चुनाव हार चुके हैं। उस से पहले वो आठ बार विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। वो दो बार पीसीसी चीफ भी रहे। कौल सिंह ठाकुर ने हिमाचल विधानसभा के अध्यक्ष सहित स्वास्थ्य मंत्री, राजस्व मंत्री, संसदीय कार्यमंत्री आदि पदभार संभाले हैं। वो हिमाचल प्रदेश में सीएम के पद की दौड़ में रहे थे, लेकिन वीरभद्र सिंह के दौर में उनकी बात नहीं बनी। बाद में वे पिछला चुनाव हार गए। वैसे कौल सिंह ठाकुर ने पहले भी ये कहा था कि राजनेताओं के 75 साल की आयु में रिटायरमेंट ले लेनी चाहिए। उसके बाद भी उन्होंने दो चुनाव लड़े और उनको भाजपा प्रत्याशियों जवाहर ठाकुर व फिर पूर्ण ठाकुर के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी।

अब सर्वदलीय बैठक का कोई मतलब नहीं : झा

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के मॉनसून सत्र से पहले आयोजित सर्वदलीय बैठक को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के सांसद मनोज कुमार झा ने इसकी उपयोगिता और प्रभावशीलता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में ऐसी बैठकों का महत्व काफी कम हो गया है और अब ये अपने मूल उद्देश्य को पूरा नहीं कर पा रही हैं। आरजेडी सांसद मनोज झा ने कहा कि सर्वदलीय बैठक में विपक्ष अपनी बात रखता है लेकिन उन मुद्दों पर आगे कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। इस बैठक का असल में कोई मतलब नहीं रह गया है। अब यह अपने मकसद को पूरा नहीं करती। जो लोग वास्तव में फैसले लेते हैं, वे बैठक में शामिल नहीं होते। उन्होंने कहा कि अगर इन बैठकों की अहमियत दोबारा बहाल करनी है तो सिर्फ बातचीत नहीं बल्कि उस पर अमल भी जरूरी है। संसद में विधायी कामकाज को लेकर मनोज झा ने कहा कि असली मुद्दा केवल यह नहीं है कि किसी सत्र में कितने बिल पेश किए जाएंगे बल्कि चिंता यह है कि संसद का स्वरूप बदल रहा है। जनता जिस दल को वोट देती है, बाद में राजनीतिक परिस्थितियों के जरिए उसी जनादेश को बदलने की कोशिश की जाती है। उन्होंने कहा, आपने बी के बजाय ए को वोट दिया लेकिन अब आपके वोट की कोई कीमत नहीं रही। बी को ए में बदला जा रहा है और संसद का पूरा ढांचा ही बदला जा रहा है। यह सिर्फ किसी एक पार्टी का नुकसान नहीं है बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। मनोज झा ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बागी सांसदों के लिए अलग बैठने की व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना आधिकारिक मान्यता के ही एक अलग गुट के रूप में व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा उन्हें एक अलग समूह के रूप में संबोधित करना गंभीर विषय है।

शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसदों की मान्यता पर सियासी घमासान

खत्म हो रही है उद्धव ठाकरे की पार्टी : निरुपम

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उद्धव ठाकरे गुट के 6 बागी सांसदों को शिंदे गुट की शिवसेना में मान्यता दे दी है। अब ये छह सांसद शिंदे गुट की शिवसेना के साथ संसद में बैठेंगे। यह फैसला संसद के नियमों, परंपराओं और संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार लिया गया है।

स्पीकर के इस आदेश के बाद अब इन सांसदों को उद्धव ठाकरे गुट (यूबीटी) के बजाय शिंदे गुट की शिवसेना के आधिकारिक सदस्य माना जाएगा। स्पीकर की ओर से बागी सांसदों को मान्यता दिए जाने पर शिवसेना नेता संजय निरुपम ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने यह साफ कर दिया है कि यूबीटी के 6 सांसद हमारी पार्टी शिवसेना में शामिल हो गए हैं। स्पीकर के आदेश से स्पष्ट हो गया है कि यह संवैधानिक व्यवस्था के ढांचे के अंदर किया गया फैसला है। इन छह सांसदों ने किसी भी तरह का गैरकानूनी कदम नहीं उठाया था। कानून उन्हें अधिकार देता है कि वे दो-तिहाई बहुमत के साथ किसी भी पार्टी में शामिल हो सकते हैं।

उद्धव का इंटरेस्ट 'राम रक्षा' में नहीं

उद्धव ठाकरे पर तीखा हमला करते हुए संजय निरुपम ने कहा कि उद्धव ठाकरे और उनका पूरा ग्रुप कल राम रक्षा स्तोत्र पढ़ने के बहाने यहां आए थे। उनका असली इंटरेस्ट राम रक्षा में नहीं है। जनता का उनकी पार्टी से भरोसा उठ गया है। उनकी पार्टी लगातार सिकुड़ रही है, टूट रही है और खत्म हो रही है। इसलिए वे सिर्फ अपनी पार्टी बचाने के लिए राम रक्षा स्तोत्र पढ़ रहे हैं।

कांग्रेस से हाथ मिलाया, छोड़ दी हिंदुत्व की धारा...

निरुपम ने कहा कि 2019 में जब उन्होंने कांग्रेस से हाथ मिलाने के लिए शिवसेना की मूल विचारधारा (हिंदुत्व) छोड़ दी, तब उन्होंने भगवान राम से अपना कनेक्शन तोड़ लिया था। अब जब उनकी पूरी पार्टी टूट रही है, तो वे राम का नाम ले रहे हैं। राम के दुश्मनों के साथ जुड़कर राम रक्षा स्तोत्र पढ़ना वैसा ही है जैसे रावण राम की तारीफ में श्लोक पढ़े। भाजपा विधायक राम कदम ने कहा कि लोकसभा स्पीकर ने संविधान के तहत और संसद की परंपराओं व नियमों के अनुसार फैसला लिया है। दो-तिहाई बहुमत के आधार पर यूबीटी गुट के छह सांसदों को असली शिवसेना के आधिकारिक सदस्य के रूप में मान्यता दी गई है। उनके लिए अलग से बैठने की व्यवस्था भी की गई है। स्पीकर ने टीएमसी के 20 सांसदों के मामले में भी इसी तरह का फैसला लिया था। यह पूरी तरह से पार्लियामेंट के नियमों को ध्यान में रखकर लिया गया फैसला है। शिवसेना नेता शाइना एनसी ने कहा कि संविधान दो-तिहाई सांसदों को अलग होने की मान्यता देता है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने उसी प्रावधान को माना है। हमारे नेता एकनाथ शिंदे ने हमेशा प्रगतिशील राजनीति की है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना को यह सोचना चाहिए कि उनके नेता और कार्यकर्ता हमारी पार्टी में क्यों शामिल हो रहे हैं। मानसून सत्र पर शाइना एनसी ने कहा कि अगर लोग चर्चा करना चाहते हैं तो उन्हें संसद के अंदर करनी चाहिए, बाहर नहीं। डिलिमिटेशन और जनगणना एक सतत प्रक्रिया है। एक स्वतंत्र डिलिमिटेशन आयोग है, जिसमें चुनाव आयुक्त, सुप्रीम कोर्ट के जज और राज्य चुनाव आयुक्त शामिल होते हैं। इसी तरह एसआईआर भी एक समीक्षा प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य फर्जी वोटरों को हटाना और अवैध घुसपैठियों को रोकना है। जनगणना समय-समय पर होती रहती है तो इसे क्यों रोका जा रहा है? रुकावट की राजनीति क्यों की जा रही है? शिवसेना नेता मिलिंद देवड़ा ने कहा कि सत्र से एक दिन पहले ऑल पार्टी मीटिंग बुलाई जाती है। पहली बार मैं देख रहा हूं कि कुछ विपक्षी पार्टियों ने वॉकआउट किया।

नीति आयोग की रिपोर्ट ने निवेश को लेकर आप सरकार के झूठे दावों की खोली पोल : ढिल्लों

चंडीगढ़, एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष सरदार केवल सिंह ढिल्लों ने रविवार को कहा कि नीति आयोग के इन्वेस्टमेंट फ्रेंडलीनेस इंडेक्स-2026 ने पंजाब में निवेश और औद्योगिक विकास को लेकर अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी सरकार के खोखले दावों की पूरी तरह पोल खोल दी है।

ढिल्लों ने कहा कि पिछले कई वर्षों से आम आदमी पार्टी सरकार निवेश सम्मेलनों, लाखों करोड़ रुपए के एमओयू और करोड़ों रुपए के विज्ञापनों के माध्यम से पंजाब में अभूतपूर्व औद्योगिक विकास और निवेश आने के बड़े-बड़े दावे करती रही है, लेकिन अब सच्चाई पूरे देश के सामने आ चुकी है। नीति आयोग के इन्वेस्टमेंट फ्रेंडलीनेस इंडेक्स-2026 के

अनुसार, 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में पंजाब को 22वां स्थान मिला है, जो निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल बनाने में राज्य सरकार की पूरी विफलता को उजागर करता है। ढिल्लों ने कहा कि पंजाब की जनता अब विज्ञापनों और झूठे प्रचार से प्रभावित होने वाली नहीं है। जनता अब परिणाम, आर्थिक प्रगति, रोजगार और वास्तविक विकास चाहती है। नीति आयोग की यह रिपोर्ट इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि झूठे दावे और करोड़ों के विज्ञापन कभी भी सुशासन और वास्तविक उपलब्धियों का विकल्प नहीं हो सकते।

केजरीवाल ने पंजाब को बनाया प्रचार का मॉडल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने पंजाब को विकास का नहीं, बल्कि केवल प्रचार का मॉडल बना दिया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार ने विज्ञापनों, फोटोशूट और आत्म-प्रचार पर करोड़ों रुपए खर्च किए, लेकिन न तो नए उद्योग पंजाब आए, न युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़े और न ही निवेशकों का भरोसा कायम रह सका। इसके विपरीत निवेशकों का विश्वास लगातार कमजोर हुआ है।

आरजेडी में ईमानदार लोग सुरक्षित नहीं : तिवारी

पटना, एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के पूर्व प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने अपने इस्तीफे के बाद पार्टी नेतृत्व, विपक्ष की भूमिका, समसामयिक राजनीतिक पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि वे पार्टी के सभी पदों से हटने के अपने फैसले पर कायम हैं और अब वापसी की कोई संभावना नहीं देखते। आरजेडी के पूर्व प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि पार्टी में समर्पित, ईमानदार और वफादार कार्यकर्ताओं की गरिमा की रक्षा नहीं हो रही है, जिसके कारण उन्हें गहरी निराशा हुई। यदि समय रहते स्थिति को सुधारा जाता तो बात अलग होती लेकिन अब बहुत देर हो चुकी है। तिवारी ने कहा कि तेजस्वी यादव विपक्ष के नेता हैं और दो बार बिहार के उपमुख्यमंत्री रह चुके हैं, लेकिन हाल के चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा।

राम मंदिर ट्रस्ट भाजपा ने बनाया है, उसे चढ़ावा मामले में जवाब देना चाहिए : दुबे

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर मामले की जांच और जवाबदेही की मांग किए जाने का शिवसेना (यूबीटी) ने समर्थन किया है।

पार्टी के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा कि विपक्ष का यह कदम पूरी तरह उचित है और इससे पहले उनकी पार्टी भी इस मामले में सीबीआई जांच की मांग कर चुकी है। शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता आनंद दुबे ने समाचार एजेंसी से बात करते हुए कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट का गठन सरकार के अधीन हुआ है, इसलिए यदि चढ़ावे में कथित गड़बड़ी या चोरी के आरोप सामने आए हैं तो सरकार को ही इसका जवाब देना चाहिए। विपक्ष का यह कदम पूरी तरह उचित है और इससे पहले उनकी पार्टी भी इस मामले में सीबीआई जांच की मांग कर चुकी है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और जांच जारी है। ऐसे में विपक्ष का दायित्व है कि वह सरकार से जवाब मांगे। सरकार से पूछे गए सवालों का जवाब विपक्ष नहीं देगा, बल्कि सरकार को ही पारदर्शिता के साथ अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। सरकार इस पर कुछ बोलने के लिए तैयार नहीं है।

निर्मोही अखाड़े की याचिका पर संतों में मतभेद

अयोध्या, एजेंसी

अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े चढ़ावा चोरी के आरोपों और जांच को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। इस मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई में निर्मोही अखाड़े की याचिका भी शामिल है।

निर्मोही अखाड़े ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर ट्रस्ट के आय-व्यय का फॉरेंसिक ऑडिट कराने, ट्रस्ट को सार्वजनिक ट्रस्ट के रूप में पुनर्गठित करने और रामानंदी परंपरा के अनुसार पूजा-पाठ व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। निर्मोही अखाड़े की इस याचिका पर अयोध्या के धार्मिक नेताओं की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। महामंडलेश्वर विष्णुदास ने निर्मोही अखाड़े की याचिका का समर्थन करते हुए कहा कि मौजूदा ट्रस्ट को पूरी तरह भंग किया जाना चाहिए। निर्मोही अखाड़े ने जो याचिका दाखिल की है, उसका उद्देश्य भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकना है। वहीं, साकेत भवन के महंत सीताराम दास ने निर्मोही अखाड़े की मांग पर असहमति जताई।

पीएमके ने तमिलनाडु सरकार से चुनावी वादे को पूरा करने का आग्रह किया

चेन्नई, एजेंसी

पीएमके अध्यक्ष डॉ. अंबुमणि रामदास ने अधिकारियों और उद्योग जगत के कुछ वर्गों पर तमिलनाडु सरकार के एक बड़े चुनावी वादे को कमजोर करने का आरोप लगाया है।

अंबुमणि उस वादे की बात कर रहे थे, जिसमें निजी कंपनियों को अधिक स्थानीय युवाओं को भर्ती करने के लिए प्रोत्साहित करने की बात कही गई थी। उन्होंने चेतावनी दी कि इस प्रतिबद्धता को कमजोर करने का कोई भी कदम सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के साथ विश्वासघात होगा। अंबुमणि ने उन मीडिया रिपोर्टों का हवाला दिया, जिनमें दावा किया गया है कि अधिकारियों ने तमिलनाडु के लिए एक नई औद्योगिक नीति तैयार करने के लिए परामर्श शुरू कर दिया है।

रिपोर्टों के अनुसार, कुछ अधिकारियों और निजी उद्योग के प्रतिनिधियों ने निजी कंपनियों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में तमिलनाडु के युवाओं के लिए अधिक रोजगार के अवसर सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रस्तावित प्रस्तावों का विरोध किया है। अंबुमणि ने कहा कि यदि ये रिपोर्टें सही हैं, तो ऐसा विरोध बेहद निराशाजनक होगा और सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के प्रति राज्य की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के विपरीत होगा। उन्होंने तर्क दिया कि औद्योगिक विकास के साथ-साथ स्थानीय निवासियों, विशेषकर राज्य में नौकरी की तलाश कर रहे शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होने चाहिए।

295 से 320 के पार पहुंचा एनडीए का आंकड़ा...

बजट सत्र के बाद बदल गया संसद का सियासी समीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद के मानसून सत्र से ठीक पहले एनडीए पहले से काफी अधिक बढ़ गई है। एक तरफ जहां लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को शिवसेना (यूबीटी) के छह बागी सांसदों को एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने की मान्यता दे दी है।

विपक्षी खेमे में चल रही आंतरिक कलह का फायदा सीधे तौर पर एनडीए को मिल रहा है। बजट सत्र के दौरान एनडीए के पास 295 सांसद थे, अब सोमवार से शुरू हो रहे मानसून सत्र में एनडीए की ताकत बढ़कर 320 से ज्यादा सांसदों की हो जाएगी। इधर शिवसेना (यूबीटी) ने अपने छह बागी सांसदों को अयोग्य घोषित करने की मांग को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की थी। उद्धव गुट का तर्क था कि किसी भी दल का विलय पार्टी के मुख्य संगठन की ओर से तय होना चाहिए, न कि केवल संसदीय दल के फैसले से।

हालांकि, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कम से कम शिवसेना के बागियों के मामले में इस कानूनी राय को स्वीकार करने का फैसला किया है कि अगर किसी संसदीय दल के दो-तिहाई सदस्य चाहें, तो वे दूसरी पार्टी में शामिल हो सकते हैं।

स्पीकर के इस फैसले के तहत शिवसेना (यूबीटी) के 6 बागी सांसदों को एकनाथ शिंदे गुट में शामिल होने की मंजूरी मिल गई है।

बंद्योपाध्याय ने की थी मोदी से मुलाकात

दरअसल, संसद के मानसून सत्र से ठीक पहले टीएमसी के वरिष्ठ नेता सुदीप बंद्योपाध्याय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इनकी मुलाकात के बाद बागी टीएमसी गुट के सूत्रों ने दावा किया कि पीएम मोदी ने उनका एनडीए में स्वागत किया है। सुदीप बंद्योपाध्याय ने स्पष्ट किया है कि वह और काकोली घोष दस्तीदार आगामी बैठक में हिस्सा लेंगे। इस सियासी बदलाव का खुलासा संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के एक पत्र से हुआ। सुदीप बंद्योपाध्याय को भेजे गए आमंत्रण पत्र में उन्हें नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया के सदस्य के रूप में संबोधित किया गया है।

टीएमसी ने साधा निशाना

इस पूरे घटनाक्रम को लेकर टीएमसी की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। टीएमसी नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने एक पोस्ट में लिखा एक तरफ लोकसभा अध्यक्ष इन 20 गद्दारों को आधिकारिक रिकॉर्ड में अभी भी टीएमसी का सांसद मान रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कुछ ही मिनटों के भीतर केंद्रीय मंत्री ने उन्हें नई पार्टी के नाम पर सर्वदलीय बैठक के लिए आमंत्रित भी कर लिया।

संक्षिप्त समाचार

कुए में ब्लीचिंग पाउडर डालने के बाद मछलियों की मौत, कुंडिया बसावट में जलापूर्ति रोकी गई

बड़वानी (संजय बामनिया)। जिला मुख्यालय के पास स्थित कुंडिया बसावट में रविवार को एक सार्वजनिक कुएं में पानी के शुद्धिकरण के बाद मछलियों के मृत पाए जाने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुएं में जल शुद्धिकरण के लिए दवाई डाली गई थी, जिसके कुछ समय बाद बड़ी संख्या में मछलियां पानी की सतह पर मृत अवस्था में तैरती दिखीं। एहतियात के तौर पर प्रशासन द्वारा फिलहाल इस कुएं से होने वाली जल आपूर्ति को रोक दिया गया है।

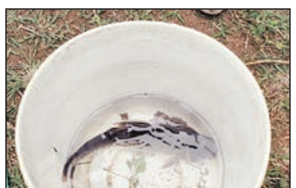

■ **कुएं के पानी पर निर्भर है बड़ी आबादी** : स्थानीय ग्रामीण गजेंद्र बडोले ने बताया कि इस बसावट में लगभग 400 मकान हैं और करीब 500 से अधिक लोग तथा पास के शासकीय स्कूल के बच्चे पेयजल के लिए इसी सार्वजनिक कुएं पर निर्भर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में विस्थापन के बाद से अब तक नल-जल योजना पूरी तरह से सुचारू नहीं हो सकी है, जिसके कारण वे कुएं के पानी का ही उपयोग करते हैं। ग्रामीणों ने कुएं की नियमित सफाई न होने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम (जैसे जाली और मुंडेर का निर्माण) न होने की बात भी कही है।

■ **विभाग ने कहा- पानी सुरक्षित, सफाई कार्य जारी** : कसरावद पंचायत के सरपंच सीताराम ने इस घटना के संबंध में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (PHE) विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया। विभाग की ओर से स्पष्ट किया गया कि पानी को कीटाणुरहित करने के लिए कुएं में ब्लीचिंग पाउडर डाला गया था। वहीं मौके पर पहुंचे एनवीडीए (NVDA) के सब इंजीनियर लोकेश सोलंकी ने स्थिति को स्पष्ट करते हुए बताया कि जल स्रोतों की स्वच्छता के लिए विभिन्न स्थानों पर नियमित रूप से ब्लीचिंग पाउडर का उपयोग किया जाता है। संभवत : ब्लीचिंग पाउडर के पूरी तरह पानी में घुलने से पहले मछलियों ने उसे खा लिया होगा, जिससे उनकी मौत हुई। यह एक सामान्य प्रक्रियात्मक घटना है और इससे पेयजल की सुरक्षा पर कोई प्रतिकूल असर नहीं पड़ता है।

विश्व आदिवासी दिवस की तैयारियां शुरू, बुदी कातर माता मंदिर परिसर में हुई बैठक, आदिवासी अधिकार, जमीन और दिल्ली आंदोलन के मुद्दों पर हुई चर्चा

बड़वानी,निप्र। आगामी 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस के आयोजन को लेकर रविवार को पाटी क्षेत्र के बुदी कातर माता मंदिर प्रांगण में जन संगठनों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में विश्व आदिवासी दिवस को शांतिपूर्ण एवं नियमों के अनुरूप आयोजित करने पर सहमति बनी। साथ ही आदिवासी समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित वक्ताओं ने आदिवासियों की जमीनों, वनाधिकार और वन विभाग से जुड़े मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर आवाज उठाने की आवश्यकता है। बैठक में दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे पेपर लीक आंदोलन को लेकर भी चर्चा की गई तथा युवाओं से शिक्षा और रोजगार से जुड़े मुद्दों पर जागरूक रहने का आह्वान किया गया। सभी सामाजिक संगठनों ने आगामी विश्व आदिवासी दिवस को ऐतिहासिक एवं व्यापक जनभागीदारी के साथ मनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने एवं आगे की रणनीति तय करने के लिए अगले रविवार को पुन : बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में सामाजिक कार्यकर्ता विकास जाधव, वरिष्ठ पत्रकार परसराम कनासे, सामाजिक कार्यकर्ता मंशाराम नरगांवे, भीम आर्मी जिला अध्यक्ष रेसला जमरे, जयस जिला प्रभारी वालसिंह सोलंकी, प्रवीण डावर, अनिल जमरे, रितेश तड़वे, बियानसिंह पटेल, मुरा नरगांवे, नानूराम डावर, मुकेश खरते सहित विभिन्न कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

विशाल नशा मुक्ति मैराथन दौड़ का आयोजन

खरगोन,निप्र। पुलिस मुख्यालय, भोपाल द्वारा 15.07.2026 से 31.07.2026 तक मध्यप्रदेश में चलाए जा रहे अभियान नशे से दूरी , है ज़रूरी 2.0 जन-जागरूकता अभियान में महेश्वर से महेश्वर घाट तक एक विशाल नशा मुक्ति मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया, जिसे महेश्वर विधायक राजकुमार मेव एवं पुलिस अधीक्षक खरगोन डॉक्टर रविन्द्र कुमार वर्मा ने हरी झण्डी दिखाकर के रवाना किया। इस मैराथन दौड़ में में 2000 से अधिक पुलिसकर्मियों, नागरिकों और छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महेश्वर घाट पर मैराथन के समापन अवसर पर उपस्थित सभी प्रतिभागियों एवं नागरिकों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। इस अवसर महेश्वर विधायक राजकुमार मेव और पुलिस अधीक्षक डॉक्टर रविन्द्र कुमार वर्मा ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि नशामुक्त समाज का निर्माण प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से ही संभव है ।

जिला अस्पताल बड़वानी का निरंतर दूसरे वर्ष कायाकल्प अवार्ड हेतु चयन

बड़वानी,निप्र। राज्य स्तर से प्राप्त निर्देशों अनुसार जिला चिकित्सालय बड़वानी का राष्ट्रीय दल द्वारा दिनांक 27 फरवरी 2026 को कायाकल्प योजनांतर्गत चिकित्सालय के समस्त वार्ड / यूनिटों का निर्धारित प्रोटोकॉल अनुसार निरीक्षण किया गया। उक्त दल में राष्ट्रीय स्तर से डॉ. अभिषेक जीनवाल, डॉ. शिवराज सिंह चौहान एवं सुश्री नम्रता टाकले उपस्थित हुए थे। निरीक्षण के दौरान जिला चिकित्सालय बड़वानी के सिविल सर्जन डॉ. मनोज खन्ना, डॉ. चेतन ब्राहम्णे आरएमओ एवं श्री बादल खर्ते सहायक अस्पताल प्रबंधक के व्दारा सम्पूर्ण चिकित्सालय का निरीक्षण करवाया गया।

नर्मदा पट्टी में बढ़ता जा रहा है चोरों का आतंक, किसानों को लाखों रुपए का नुकसान

एक ही रात में दो मोटर चोरी, तीन को काटकर फेंका

कोटेश्वर घाट पर नाव में मिली चोरी की मोटर, किसानों ने पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने का लगाया आरोप

संजय बामनिया

बड़वानी,निप्र। नर्मदा नदी किनारे बसे ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों मोटर और केबल चोरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। लगातार हो रही चोरियों से किसान दहशत में हैं। ताजा मामला ग्राम जांगरवा का है, जहां बीती रात अज्ञात चोरों ने खेतों में धावा बोलते हुए दो विद्युत मोटरें चोरी कर लीं, जबकि तीन अन्य मोटरों को काट-पीटकर क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना से किसानों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

ग्राम पंचायत आवल्दा के सरपंच धर्मेंद्र मंडलोई ग्रामीणों के साथ कोतवाली पहुंचे और थाना प्रभारी को लिखित आवेदन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की। सरपंच मंडलोई ने बताया कि जांगरवा और कोटेश्वर घाट के सामने स्थित नर्मदा पट्टी के खेतों को चोरों ने निशाना बनाया। चोर मंसाराम भीलाला की 10 एचपी तथा शंकर भीलाला की 5 एचपी मोटर चोरी कर ले गए। चौंकाने वाली बात यह है कि मंसाराम की मोटर इससे पहले भी 14 अप्रैल को चोरी हो चुकी थी और अब दो महीने बाद नई मोटर भी चोर उठा ले गए। इसके अलावा करीब आठ दिन पहले भी पांच से सात किसानों के खेतों से विद्युत केबल चोरी होने की घटना सामने आई थी।

कोटेश्वर घाट पर नाव में मिली चोरी की मोटर

ग्रामीणों ने जब अपने स्तर पर तलाश शुरू की तो सुबह कोटेश्वर घाट पर एक संदिग्ध नाव दिखाई दी। ग्रामीणों ने नाव की जांच की तो उसमें एक चोरी की मोटर रखी मिली। मोटर के पाइप काट दिए गए थे, लेकिन पूरी मोटर नाव में ही पड़ी हुई थी। ग्रामीणों के अनुसार, नाव बड़वानी के एक व्यक्ति की बताई जा रही है, जो अक्सर रात में घाट पर बंधी रहती है। ग्रामीणों ने बताया कि नाव मालिक ने निसरपुर पुलिस चौकी को सूचना देने की बात कही। इसके बाद पुलिस ने बरामद मोटर को चौकी में सुरक्षित रखवा दिया, जबकि नाव मालिक को नाव वापस सौंप दी गई।

बारिश की बेरुखी ऊपर से चोरी का दर्द

नर्मदा पट्टी में बारिश की कमी से पहले ही किसान परेशान हैं। कपास और अन्य खरीफ फसलों को बचाने के लिए किसान मोटरों के जरिए सिंचाई कर रहे हैं। ऐसे समय में लगातार हो रही मोटर चोरी ने किसानों की चिंता और बढ़ा दी है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पूर्व में भी शिकायतें की गई थीं, लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं होने से चोरों के हौसले बुलंद हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने, चोरी की घटनाओं का खुलासा करने और दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की है।

टीईटी से राहत दिलाने संसद में विधायी पहल की मांग, सांसद से भेंट कर सौंपा ज्ञापन

विनय उजाला

बड़वानी,निप्र। संसद के मानसून सत्र के प्रारंभ होने के अवसर पर अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा,बड़वानी के प्रतिनिधिमंडल ने सांसद गजेंद्रसिंह पटेल से भेंट कर पूर्व से कार्यरत शिक्षकों को टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट संबंधी उत्पन्न विधिक जटिलताओं से राहत दिलाने हेतु केंद्र सरकार द्वारा आवश्यक विधायी पहल की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की 23 अगस्त 2010 की अधिसूचना के पैरा 4 एवं 5 को माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अमान्य किए जाने के बाद देशभर में पूर्व से विधिवत नियुक्त लाखों शिक्षकों के सेवा अधिकारों को लेकर गंभीर असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

वर्तमान में TET की ऐसी व्याख्या की जा रही है, जिससे इसका प्रभाव उन शिक्षकों पर भी डाला जा रहा है जो TET लागू होने से पहले विधिसम्मत रूप से नियुक्त हो चुके थे।यह स्थिति प्राकृतिक न्याय एवं स्थापित विधिक सिद्धांतों के विपरीत है।प्रतिनिधिमंडल ने सांसद पटेल से आग्रह किया कि संसद के वर्तमान मानसून सत्र में शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 23(2) में आवश्यक संशोधन हेतु विधेयक अथवा अध्यादेश लाने की पहल की जाए। साथ ही यह स्पष्ट वैधानिक प्रावधान किया जाए कि TET केवल भावी नियुक्तियों पर ही लागू होगा तथा पूर्व से कार्यरत शिक्षकों के सेवा अधिकार पूर्णतः सुरक्षित रहेंगे।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि TET का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करना था, न कि वर्षों से कार्यरत शिक्षकों के अधिकारों को प्रभावित करना। इसलिए पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए पृथक एवं न्यायसंगत वैधानिक व्यवस्था किया जाना समय की आवश्यकता है। इससे लाखों शिक्षकों को राहत मिलेगी तथा शिक्षा व्यवस्था की स्थिरता और विश्वसनीयता भी बनी रहेगी।इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने अध्यापकों की लंबित पदोन्नति प्रक्रिया में आ रही विभिन्न प्रशासनिक एवं विधिक समस्याओं पर चर्चा की तथा शीघ्र समाधान के लिए आवश्यक पहल करने का अनुरोध किया।

सांसद पटेल ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना तथा विषय की संवेदनशीलता को देखते हुए उचित स्तर पर प्रभावी पहल करने का आश्वासन दिया।

इस दौरान अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा, बड़वानी हेमेंद्र मालवीय, अशोक कुशवाहा, शैलेन्द्र जाधव, निलेश भावसार, अंजूला राठौड़, अनिता चोयल, लक्ष्मी सोलंकी, धर्मेंद्र भावसार, नारायण चौहान, लोकेश भट्ट, मंजूला चौहान, सुरेश डावर, दिनेश कमल, संतोष बघेल, संतोष कुशवाहा सहित शिक्षक उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधियों से समन्वय बनाकर अधिकारी जिले के विकास को दें गति : सांसद पटेल

सांसद गजेंद्र सिंह पटेल की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक संपन्न

विनय उजाला

बड़वानी,निप्र। लोकसभा सांसद गजेंद्र सिंह पटेल की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभागृह में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष बलवंत सिंह पटेल, कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह, जिला पंचायत सीईओ,जनपद पंचायत पाटी के अध्यक्ष थान सिंह पटेल, राजपुर अध्यक्ष श्रीमती अनिता खन्ना, ठीकरी अध्यक्ष मनोहर, पानसेमल अध्यक्ष श्रीमती शीला विनोद वसावे, नगर परिषद पानसेमल के अध्यक्ष शैलेष रमेश भंडारकर सहित समिति के सम्मानित सदस्य एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

संवाद और समन्वय से विकास को दें गति

लोकसभा सांसद श्री पटेल ने सभी विभागीय अधिकारियों को गंभीरता से कार्य करने की हिदायत देते हुए कहा कि अधिकारी अपनी विभागीय कार्ययोजना बनाकर कार्य करें और जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए जिले के विकास को गति दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि दिशा समिति की बैठक में दिए गए निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

विभागीय योजनाओं और प्रगतिरत कार्यों की गहन समीक्षा : बैठक में सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने पूर्व बैठक के पालन प्रतिवेदन की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने मप्र जल निगम की पेयजल पाइपलाइन, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत स्वीकृत एवं प्रस्तावित कार्यों, और पंचायत व ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत आजीविका मिशन के कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई), जनजातीय कार्य विभाग, वन विभाग, नगरीय निकाय, शिक्षा, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं व निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की । कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान उप संचालक कृषि ने खरीफ 2026 के तहत कृषि, सहकारिता और राजस्व विभाग के समन्वय से लागू की गई ई-टोकन व्यवस्था और संतुलित खाद वितरण के संबंध में जानकारी दी। इस पर सांसद ने निर्देश दिए कि विभाग जमीनी स्तर पर निरंतर संवाद बनाए रखे ताकि किसानों को नियमानुसार और समय पर खाद उपलब्ध हो सके और वितरण में उन्हें कोई परेशानी न आए।

मप्र जल निगम के अंतर्गत जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा के दौरान महाप्रबंधक ने बताया कि तलून खुर्द परियोजना का कार्य पूर्ण हो चुका है। वहीं, सेगवाल-1 का 85न और सेगवाल-2 परियोजना का लगभग 75न कार्य पूरा हो चुका है, जिन्हें जल्द ही पूर्ण कर लिया जाएगा। सांसद ने कहा कि यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना है जिससे जिले के 600 से अधिक ग्राम लाभान्वित होंगे। अतः कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण किया जाए ताकि लोगों को पेयजल आपूर्ति हो सके।

महेश्वर पुलिस ने लूट के आरोपियों को पकड़ा

विनय उजाला

खरगोन,निप्र। महेश्वर पुलिस ने लूटपाट करने वाले आरोपितों विशाल पिता राजपाल उम्र 21 वर्ष जाती भाभर निवासी भूरी बेड़ी, गोपाल पिता रंगलाल उम्र 24 वर्ष जाती भाभर निवासी भूरी बेड़ी और नाबालिग को पकड़ा ।

10 जुलाई को महेश्वर थाने में चेतन द्वारा रिपोर्ट दर्ज करवाई गई कि उसकी महेश्वर में मोबाईल रिपेयरिंग की दुकान है । दिनांक 09.07.2026 को महेश्वर में साप्ताहिक अवकाश होने के कारण वह अपने तीन साथी नितेश पटेल, नीलेश डाबड और रिषभ डाबड के साथ मोटरसाइकिल से मोबाईल रिपेयरिंग का सामान खरीदने के लिए इन्दौर गया था। देर रात को इन्दौर से वापस महेश्वर लौटते समय आशापुर - समसपुरा मार्ग से मेहतवाड़ा जाते समय समसपुरा गांव के मोड़ पर सामने अचानक एक टेपर वाहन आने से मेरी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई।

इसी दौरान एक हीरो होंडा स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर सवार तीन अज्ञात युवक हमारे पास आये और विवाद कर, बेल्ट निकालकर हमारे साथ मारपीट कर 06 मोबाईल और मोबाईल एक्सेसरीज लेकर मोटर सायकल से भाग गए । चेतन द्वारा दर्ज करवाई गई इस रिपोर्ट पर महेश्वर थाने में प्रकरण पंजीबद्ध कर तीनों ही आरोपितों 1. विशाल पिता राजपाल , गोपाल पिता रंगलाल और उनके साथ एक नाबालिग बालक को पकड़ा गया ।

सेंधवा-अंजड़ आबकारी अमले ने पकड़ी 1.12 लाख की अवैध शराब

विनय उजाला

बड़वानी,निप्र। जिला कलेक्टर जयति सिंह के निर्देशानुसार 18 जुलाई 2026 को जिला आबकारी अधिकारी अशोक कुमार खत्री के निर्देश पर सहायक जिला आबकारी अधिकारी सेंधवा राजेश मंडलोई, सहायक जिला आबकारी अधिकारी अंजड़ अभिलाषा वर्मा के मार्गदर्शन में आबकारी बल द्वारा मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही की गई।

इसमें नवलपुरा नाले सेंधवा, अंजड़ वृत में नर्मदा किनारे, ग्राम ठीकरी, ग्राम बांदर कच्छ, ग्राम ग्राम दवाना, ग्राम नंद गांव में कुल 130 bl अवैद्य हाथ भट्टी मदिरा एवं 950 किलोग्राम महुवा लाहन जब्त कर आबकारी अधिनियम

धारा 34/2 के तहत एक प्रकरण एवं 34/1 के तहत 3 प्रकरण पंजीबद्ध किए गये। आबकारी विभाग द्वारा दिनांक 18/7/2026 को वृत सेंधवा के AB रोड नगर सेंधवा, ग्राम गावड़ी,में होटल आशीष ढाबा, आदि किराना कोल्ड्रिग होटल, होटल आगरा ढाबा, डावर किराना, होटल महाकाल ढाबा, जय भवानी ढाबा, एम पी कोल्ड्रिग होटल में औचक चैकिंग कारवाही की गई। जिसमें कार्यवाही के दौरान कुल 1.8 bl प्लेन देशी मदिरा, 2.16 bl विदेशी विस्की मदिरा, 08 bl बीयर मदिरा जब्त कि गई। आबकारी विभाग की दो टीमों द्वारा में दिनांक 18/7/26 को कुल 11 स्थानों पर औचक दबिश कार्यवाही की गई एवं 07 प्रकरण मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34/1 के तहत , जिसमें एक प्रकरण धारा 34/2 के तहत दर्ज किये गया है।

कुल ज़ब्तशुदा मदिरा एवं सामग्री का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 1,12653/ रूपये है। कार्यवाही में जिला उपनिरीक्षक दिलीप जायसवाल, परिवीक्षाधीन उप निरीक्षक सुश्री नेहा मौर्य,प्रधान आरक्षक प्रदीप भावसार, प्रधान आरक्षक श्रीमती गंगा सोलंकी, प्रधान आरक्षक इरफान अली,प्रधान आरक्षक सुदेश कुमार आचार्य, प्रधान आरक्षक हुकुमचंद पाटीदार, आरक्षक इमलेश पंवार, श्रीमती प्रिया सुलिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रकरण आबकारी उप निरीक्षक सेंधवा के. एस. मांगोदिया एवं उप निरीक्षक कमलेश बामनिया, अंजड़ द्वारा पंजीबद्ध किए गए। आबकारी विभाग द्वारा कार्यवाही लगातार ज़ारी है।

कोरियर से भेजी शील्ड व प्रशस्ति-पत्र, शिक्षा के प्रति बढ़ेगा उत्साह और अन्य विद्यार्थियों को मिलेगी प्रेरणा

80 प्रश से अधिक अंक वाले विद्यार्थियों का नामदेव समाज ने घर-घर जाकर किया सम्मान

महेश चौहान

कसरावद,निप्र। बोर्ड परीक्षाओं में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले नामदेव समाज के 90 मेधावी छात्र-छात्राओं का अनूठे अंदाज में सम्मान किया गया। निमाड़-मालवा नामदेव समाज सेवा संस्थान के संस्थापक संरक्षक संतोष कुमार मडवाल ने समाज प्रदेशभर के विद्यार्थियों तक 90 छात्र छात्राओं को कोरियर से शील्ड एवं प्रशस्ति-पत्र पहुंचाकर सम्मानित किया। इसके साथ ही घर-घर जाकर भी स्वयं ने शील्ड व प्रशंसनीय पत्र दिए ।

संतोष कुमार मडवाल ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाना और उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि जब मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान होता है, तो समाज के अन्य बच्चे भी शिक्षा के प्रति जागरूक होते हैं और आगे बढ़ने की प्रेरणा लेते हैं। इससे समाज में शैक्षणिक वातावरण मजबूत होगा तथा विद्यार्थी अपने परिवार और समाज का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रतिभाओं को समय पर प्रोत्साहन देना समाज की जिम्मेदारी है। सम्मान मिलने से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए अधिक मेहनत करते हैं।

समाज के विनोद नामदेव एवं कमल नामदेव ने कहा कि संतोष कुमार मडवाल समाजहित के प्रत्येक कार्य में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। शिक्षा, सामाजिक सेवा और संगठनात्मक गतिविधियों में उनकी सक्रिय भागीदारी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि मडवाल समाजजनों को एकजुट होकर सेवा कार्य करने तथा नई पीढ़ी को शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रेरित करते हैं।

सम्मान कार्यक्रम की समाजजनों ने सराहना करते हुए इसे शिक्षा के क्षेत्र में प्रेरणादायी पहल बताया। उनका मानना है कि ऐसे प्रयासों से विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ेगी और वे भविष्य में और अधिक उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होंगे।

गांजे की तस्करी करने वाले बैड़िया पुलिस की गिरफ्त में

खरगोन,निप्र। बैड़िया थाना प्रभारी निरीक्षक रामेश्वर ठाकुर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मोटर साइकल पर सवार पिपरीखैडा की ओर से बैडिया की तरफ आ रहे दो लोगों को ग्राम जामनिया के पास जामनिया घाटी मेन रोड़ पर नाकाबंदी कर पकड़ा , जिन्होने अपना नाम शुलभ पिता लोकेन्द्र सोलंकी उम्र 23 वर्ष निवासी सरस्वती कॉलोनी सनावद और गौतम पिता नंदलाल बिरला जाति गुर्जर उम्र 19 वर्ष निवासी ओंकार बाग कॉलोनी सनावद का होना बताया। पुलिस ने इन्हें गिरफ्तार कर इनके पास से लगभग 80,000/- रुपये मुल्य का कुल 05 किलो 100 ग्राम अवैध गाँजा और अवैध गाँजा की तस्करी में उपयोग की गई लगभग 1,00,000/- मुल्य की अपाचे मोटर साइकल को अपनी सुपूर्दगी में लेकर प्रकरण पंजीबध्द किया गया ।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में 260 श्रद्धालु हरिद्वार-ऋषिकेश रवाना, केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके ने दिखाई हरी झंडी

बैतूल। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के लगभग 260 श्रद्धालुओं को मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत रविवार को हरिद्वार-ऋषिकेश की चार दिवसीय तीर्थ यात्रा के लिए रेलवे स्टेशन से विशेष ट्रेन द्वारा रवाना किया गया। केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके ने बुजुर्ग यात्रियों का पुष्पहार पहनाकर आत्मीय स्वागत किया, उनका आशीर्वाद लिया तथा हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, अपर कलेक्टर वंदना जाट, जिला पंचायत की अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी इंदिरा महतो सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री उइके ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में संचालित मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना बुजुर्गों के सम्मान और उनकी आस्था को समर्पित एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि जीवनभर परिवार और समाज की सेवा करने वाले वरिष्ठ नागरिकों को पवित्र तीर्थ स्थलों के दर्शन कराने का अवसर देना सरकार की संवेदनशील सोच का परिचायक है। उन्होंने यात्रियों से यात्रा के दौरान आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त करने, देश की सांस्कृतिक विरासत को करीब से जानने तथा प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना करने का आग्रह किया। उन्होंने सभी यात्रियों के सुखद, सुरक्षित एवं मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं भी दी। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत यह हरिद्वार-ऋषिकेश यात्रा 19 जुलाई से 22 जुलाई 2026 तक आयोजित की जा रही है। यात्रा के लिए बैतूल जिले से कुल 260 यात्रियों का चयन किया गया है। यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक चिकित्सक, पांच आरक्षक तथा पांच अनुरक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। इस विशेष तीर्थ यात्रा में बैतूल के साथ नर्मदापुरम एवं सागर जिले के श्रद्धालु भी सहभागी हैं।

मध्यप्रदेश पुलिस का संपत्ति संबंधी अपराधों पर बड़ा प्रहार, अंतर्राज्यीय गिरोहों सहित शातिर चोरों को पकड़ा, 33 गिरफ्तार

भोपाल,निप्र। मध्यप्रदेश पुलिस की विभिन्न जिलों ने विगत 6 दिनों में संपत्ति संबंधी अपराधों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए उल्लेखनीय सफलताएं अर्जित की हैं। इस दौरान लगभग 70 लाख से अधिक मूल्य की चोरी गई संपत्ति बरामद करते हुए 33 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। कई अंतर्राज्यीय एवं संगठित गिरोहों का पर्दाफाश कर चोरी के प्रकरणों का सफलतापूर्वक खुलासा किया गया। गुना पुलिस ने चैन चोरी के 8 प्रकरणों का खुलासा करते हुए 3 अंतर्राज्यीय संगठित गिरोहों के 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण, सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर तंत्र एवं विभिन्न राज्यों के समन्वय से 21 लाख 20 हजार मूल्य की चोरी गई 11 सोने की चेन बरामद की है। भोपाल जीआरपी ने ट्रेनों में चोरी करने वाले अंतर्राज्यीय गैंग का पर्दाफाश करते हुए 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर 15 लाख मूल्य के स्वर्णाभूषण एवं अन्य चोरी चोरी गयी संपत्ति बरामद की है। शिवपुरी जिले की थाना देहात पुलिस ने मात्र 24 घंटे में शटर व ताले तोड़कर चोरी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा एक कार सहित लगभग 11 लाख 60 हजार मूल्य का चोरी गयी संपत्ति बरामद की है । सेंधवा ग्रामीण पुलिस ने 5 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा 12 लाख मूल्य का शत-प्रतिशत चोरी चोरी गयी संपत्ति बरामद की है।

सुरक्षित शैक्षणिक माहौल के लिए स्कूलों के पास से हटाये गए नशीले पदार्थ बेचने वाले टपरे और ठेले

जबलपुर, (हि.स.)। नगर निगम और जिला प्रशासन द्वारा शहर के शैक्षणिक क्षेत्रों को सुरक्षित, स्वच्छ और नशामुक्त बनाने के लिए रविवार को कारवाई की गई है। कारवाई के संबंध में निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने बताया कि संभाग क्रमांक 13 के अंतर्गत आने वाले भंवरताल गार्डन और सेंट नॉर्बर्ट स्कूल के आस-पास के क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान चलाया गया। टीम के सदस्यों ने कहा कि तहसीलदार वीर बहादुर सिंह धुर्वे की उपस्थिति में हुई कार्रवाई की गई है द्य उनका कहना था कि स्कूली बच्चों को एक सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण प्रदान करना प्रशासन का उद्देश्य है। विद्यालय के ठीक बाहर और आस-पास हाथ ठेले वालों द्वारा किए गए अतिक्रमण, फैलाई जा रही गंदगी और नशीले पदार्थों के संदिग्ध विक्रय की शिकायतों को प्रशासन ने बेहद गंभीरता से लिया। बच्चों के भविष्य और उनके स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए प्रशासन की टीम ने त्वरित एक्शन लिया। नियमों का उल्लंघन करने वाले, गंदगी फैलाने वाले और संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त हाथ ठेले वालों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई।

कृषि महोत्सव झाबुआ में मुख्यमंत्री ने ऑनलाइन किसानों से की चर्चा, बोले-

नई तकनीक, प्राकृतिक खेती, विस्तृत सिंचाई से समृद्ध बनेगा मध्यप्रदेश

विनय उजाला

भोपाल,निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को झाबुआ में बलराम कृषि महोत्सव के अंतर्गत ऑनलाइन किसानों से चर्चा की। उन्होने कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने तथा आधुनिक एवं प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मौसम विभाग द्वारा इस वर्ष सामान्य से कम वर्षा की संभावना व्यक्त की गई है। ऐसी स्थिति में उन्होंने प्रशासन को पूरी तैयारी के साथ किसानों की सहायता के लिए तत्पर रहने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि किसानों को तीन लाख रुपये तक का कृषि ऋण शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। किसानों को मात्र पांच रुपये में बिजली कनेक्शन दिए जा रहे हैं तथा डेयरी विकास के लिए 40 लाख रुपये तक की योजना में 33 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने किसानों से आह्वान किया कि वे आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक सलाह, प्राकृतिक खेती और जल संरक्षण के सिद्धांतों को अपनाकर कृषि को अधिक लाभकारी बनाएं। केंद्र और राज्य सरकार किसान हितों की रक्षा तथा कृषि विकास के लिए हर संभव सहयोग देने के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्रीनरेन्द्र मोदी के 'प्राकृतिक खेती' के विजन को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत झाबुआ जिले में 50 कृषि सखियों का चयन किया गया है। जिले में वर्तमान में लगभग 3,125 एकड़ क्षेत्र में प्राकृतिक खेती की जा रही है तथा किसानों की प्राकृतिक खेती का प्रमाणीकरण भी कराया गया है।

उन्होंने कहा कि 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना के माध्यम से कड़कनाथ को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। वर्ष 2025 में जिले में कड़कनाथ पालन से एक हजार से अधिक नए हितग्राही जोड़े गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि के साथ पशुपालन किसानों की नियमित आय का मजबूत आधार बन सकता है। पशुपालन विभाग की हितग्राहीमूलक योजनाओं के माध्यम से डेयरी, बकरी पालन, मुर्गी पालन सहित अन्य गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के साथ किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

कब, कहां होंगे महोत्सव

उल्लेखनीय है कि 'कृषक कल्याण वर्ष' के अंतर्गत प्रदेश में 'बलराम कृषि महोत्सव-2026 मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर से इसकी शुरूआत की। अगला बलराम कृषि महोत्सव 21 जुलाई को आलीराजपुर में, 23 जुलाई को बड़वानी, 25 जुलाई को खरगौन में, 27 जुलाई को बुरहानपुर में और 30 जुलाई को खण्डवा में आयोजित किया जायेगा।

झाबुआ का टमाटर बना प्रदेश की पहचान

मुख्यमंत्री ने पेटलावद में स्थापित टमाटर प्रसंस्करण इकाई का उल्लेख करते हुए कहा कि जिले में 2,812 हेक्टेयर क्षेत्र में टमाटर की खेती की जा रही है तथा लगभग 1.68 लाख मीट्रिक टन उत्पादन हो रहा है। यहां टमाटर उत्पादक किसानों का क्लस्टर विकसित किया गया है तथा टमाटर सॉस और केचअप का उत्पादन किया जा रहा है। इसके अलावा 12 सोलर ड्रायर यूनिट स्थापित कर टमाटर का डिहाइड्रेशन भी किया जा रहा है। झाबुआ का टमाटर राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा तथा दिल्ली सहित देश के विभिन्न राज्यों में भेजा जा रहा है।

महोत्सव की गतिविधियां

बलराम कृषि महोत्सव में किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, उन्नत बीजों, नवीन कृषि यंत्रों, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, फसल विविधीकरण, जल संरक्षण तथा शासन की किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है जिससे खेती अधिक लाभकारी, टिकाऊ एवं समृद्ध बन सके। महोत्सव में कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले उत्कृष्ट किसानों का सम्मान भी किया जा रहा है। साथ ही विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को लाभ वितरण, कृषि यंत्रों एवं उन्नत तकनीकों का प्रदर्शन तथा किसानों को तकनीकी साहित्य भी उपलब्ध कराया जा रहा है। महोत्सव में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता, कृषि अभियांत्रिकी तथा अन्य संबंधित विभागों द्वारा आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई है। किसानों को विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों से सीधे संवाद का और अपनी समस्याओं के समाधान किया जा रहा है। साथ ही उन्हें नवीन तकनीकों एवं बाजार आधारित कृषि मॉडल की जानकारी भी मिलेगी। किसानों को डिजिटल कृषि सेवाओं, ऑनलाइन कृषि परामर्श, मौसम आधारित खेती, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, ड्रोन तकनीक, स्मार्ट सिंचाई, उन्नत कृषि यंत्रों तथा आधुनिक कृषि प्रबंधन प्रणालियों की जानकारी मिल रही है। किसानों को बदलती जलवायु के अनुरूप खेती की नई पद्धतियों एवं जोखिम प्रबंधन के उपायों से भी अवगत कराया जा रहा है।

मध्यप्रदेश में यूसीसी को स्वीकृति देना दूरदर्शी एवं साहसिक निर्णय : राजपूत

विनय उजाला

भोपाल,निप्र। प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक को मंत्रिपरिषद से स्वीकृति प्रदान किया जाना ऐतिहासिक, दूरदर्शी और साहसिक निर्णय है। इसके लिए मैं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का हृदय से आभार एवं अभिनंदन करता हूँ। यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प तथा केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में देश में समान न्याय, सुशासन और संवैधानिक मूल्यों को सशक्त बनाने की दिशा में उठाए जा रहे प्रयासों को नई गति प्रदान करेगा।

खाद्य मंत्री राजपूत ने कहा कि समान नागरिक संहिता किसी वर्ग विशेष के लिए नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक के लिए समान अधिकार, समान न्याय और समान अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण संवैधानिक पहल है। हमारा संविधान सभी नागरिकों को समानता का अधिकार देता है। ऐसे में समान नागरिक संहिता सामाजिक समरसता, न्याय और राष्ट्रीय एकता को और अधिक मजबूत करने का कार्य करेगी।

राज्य सरकार हर परिस्थिति में किसानों के साथ : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने 10.54 लाख किसानों के खातों में जारी की 1460 करोड़ 25 लाख रुपए की राशि

विनय उजाला

भोपाल,निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के 10 लाख 54 हजार किसानों के खातों में सिंगल क्लिक से 1460 करोड़ 25 लाख रुपए की राशि अंतरित की। यह प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ 2025 के फसल बीमा की दावा राशि है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने जगदीशपुर में मंत्री परिषद की बैठक के तुरंत बाद किसानों को यह राशि जारी की।

निर्धारित तिथि से पहले फसलों का बीमा करायें : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्रीनरेन्द्र मोदी किसानों के हितों की रक्षा के लिए विशेष रूप से संवेदनशील हैं। प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसल हानि होने पर कृषकों को सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना संचालित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार हर परिस्थिति में कृषकों के साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस बार अल-नीनो प्रभाव के कारण अच्छे मानसून का अनुमान नहीं है। ऐसी स्थिति में किसान अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा, निर्धारित तिथि से पहले करवा लें। इससे उपज में हानि होने की स्थिति में किसानों को वित्तीय सहायता प्राप्त हो सकेगी। राज्य सरकार किसानों के हित में लगातार कार्य कर रही है।

- प्रधानमंत्री फसल बीमा के अंतर्गत खरीफ-2025 की दावा राशि सिंगल क्लिक से अंतरित
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जगदीशपुर में मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद जारी की राशि

किसानों को 2016 से 2025 तक 30 हजार 942 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया : किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्रीएदल सिंह कंषाना ने बताया कि प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत वर्ष 2016-17 से वर्ष 2024-25 तक 30 हजार 942 करोड़ 34 लाख रुपए का भुगतान प्रभावित किसानों को किया गया है।

मूक-बधिर बच्चों के अनुशासन और आत्मनिर्भरता ने जीता संकल्प ग्रुप का दिल

आनंद सर्विस सोसायटी के भ्रमण में सदस्यों ने लिया हस्तकला प्रशिक्षण एवं सहयोग का संकल्प

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। सामाजिक संस्था संकल्प ग्रुप ने रविवार को एयरपोर्ट रोड स्थित आनंद सर्विस सोसायटी का भ्रमण किया। यहां मूक-बधिर बच्चों के अनुशासित जीवन, आत्मनिर्भरता और स्वच्छता को देखकर समूह के सदस्य भावुक और प्रेरित हुए।

संस्था में लगभग 110 मूक-बधिर बच्चे निवास एवं अध्ययन करते हैं। बच्चों द्वारा अपने रहने के स्थान और व्यक्तिगत सामान को अत्यंत व्यवस्थित एवं स्वच्छ रखने की आदत ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। भ्रमण के दौरान यह भी जानकारी मिली कि यहां शिक्षा प्राप्त करने वाले कई विद्यार्थी आगे चलकर इसी संस्था में शिक्षक एवं स्टाफ सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं देते हैं। संस्था का अधिकांश स्टाफ स्वयं मूक-बधिर है, जो भोजन बनाने, साफ-सफाई और अन्य सभी दैनिक कार्यों का संचालन आपसी सहयोग और जिम्मेदारी के साथ करता है।

संकल्प ग्रुप की सदस्य अश्मकी शर्मा, सविता शर्मा, वंदना और विभा ने कहा कि समाज के प्रति संवेदनशीलता और सेवा का वास्तविक अर्थ ऐसे संस्थानों में आकर समझ में आता है। उन्होंने कहा कि इन बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और जीवन जीने का सकारात्मक दृष्टिकोण प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरणा है।

दौरे के अंत में संकल्प ग्रुप के सदस्यों ने संस्था की बच्चियों को हस्तकला का प्रशिक्षण देने, उनके साथ नियमित समय बिताने तथा उनके कौशल विकास में सहयोग करने का संकल्प लिया।

नवपंख दिव्यांगजन सेवा समिति की वार्षिक बैठक संपन्न

भोपाल (विनय उजाला)। नवपंख दिव्यांगजन सेवा समिति की वार्षिक बैठक 252, 9/ए साकेत नगर में संपन्न हुई। इस दौरान सभी गणमान्य सदस्यों ने संस्था के विस्तार और संचालन के सम्बन्ध में अपने विचार साझा किये। संस्था के वित्तीय संकट का हल निकालते हुए सदस्यों ने एकता का परिचय दिया और एकजुट होकर संस्था को वित्तीय सहायता प्रदान की। इस दौरान बताया गया कि यह राशि दिव्यांग बच्चों के हित को ध्यान रखते हुए उपयोग की जाएगी। सहयोग के लिए सबका अभिनन्दन कर धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

ऐतिहासिक ड्रॉफ्ट तैयार

समान नागरिक संहिता... मध्यप्रदेश में समानता के एक नए युग का सूत्रपात

भारत के संविधान में बताए गए एकसमानता, बराबरी, न्याय और धर्मनिरपेक्षता के विज़न को साकार करने की दिशा में एक खास कदम है। इसे मध्य प्रदेश के निवासियों के लिए - चाहे उनका धर्म कोई भी हो - शादी, तलाक, वैवाहिक झगड़ों से जुड़े भरण-पोषण, उत्तराधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे निजी मामलों को नियंत्रित करने के लिए एक समान पर्सनल सिविल कानून लागू करने के मकसद से बनाया गया है। इस कोड का मुख्य मकसद महिलाओं की सुरक्षा और उन्हें सशक्त बनाना है, ताकि शादी, तलाक और उत्तराधिकार से जुड़े अलग-अलग पर्सनल कानूनों के तहत उनके साथ होने वाले पुराने भेदभाव को खत्म किया जा सके। इन अलग-अलग और कभी-कभी बिना लिखित नियमों वाली प्रथाओं में सुधार करके और एक समान व निष्पक्ष ढांचा बनाकर, यह कोड पर्सनल सिविल कानून को आधुनिक बनाता है ताकि पुरुषों और महिलाओं को समान अधिकार मिल सकें। साथ ही, यह धार्मिक रीति-रिवाजों, समारोहों और पारंपरिक प्रथाओं की भी साफ तौर पर सुरक्षा करता है, बशर्ते वे सार्वजनिक नैतिकता और नीति के अनुरूप हों।

भारत के संविधान के भाग-4 में राज्य के नीति-निदेशक तत्वों के अंतर्गत अनुच्छेद 44 में यह उपबंध किया गया है कि राज्य भारत के समस्त राज्यक्षेत्र में नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। उक्त संवैधानिक उद्देश्य के परिप्रेक्ष्य में राज्य में विवाह, विवाह-विच्छेद, उत्तराधिकार तथा सहवासी-संबंध और उनसे संबंधित विषयों के विनियमन के लिए 'मध्यप्रदेश समान नागरिक संहिता, 2026' का प्रारूप तैयार किया गया है। प्रस्तावित संहिता का उद्देश्य विभिन्न व्यक्तिगत विधियों के अंतर्गत समान प्रकृति के नागरिक विषयों में प्रचलित भिन्नताओं को एक समेकित विधिक ढांचे में विनियमित करना तथा समानता, लैंगिक न्याय, गरिमा और विधि के शासन के संवैधानिक मूल्यों को प्रभावी बनाना है।

मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य के निवासियों के लिए एक समान पर्सनल सिविल कानून लागू करने के उद्देश्य से 'समान नागरिक संहिता' (यूनिफॉर्म सिविल कोड) का एक ऐतिहासिक ड्राफ्ट तैयार किया है। यह प्रस्तावित कोड भारत के संविधान में निहित एकसमानता, बराबरी, न्याय और धर्मनिरपेक्षता के विज़न को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस संहिता का मुख्य मकसद पर्सनल कानूनों के तहत महिलाओं के साथ होने वाले पुराने भेदभाव को खत्म करना, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना और उन्हें सशक्त बनाना है। पुरुषों और महिलाओं को समान अधिकार देने के साथ-साथ यह कोड उन धार्मिक रीति-रिवाजों और पारंपरिक प्रथाओं की साफ तौर पर सुरक्षा करता है जो सार्वजनिक नैतिकता और नीति के अनुरूप हैं। यह कोड उत्तराखंड (2024), गुजरात (2026) और असम (2026) के यूनिफॉर्म सिविल कोड के गहन अध्ययन और उनके मार्गदर्शन से तैयार किया गया है।

संहिता की मुख्य विशेषताएँ

■ **अनुसूचित जनजातियों को संरक्षण :** संवैधानिक सुरक्षा-कवच का सम्मान करते हुए यह कानून संविधान के अनुच्छेद 342 और अनुच्छेद 366 (खंड 25) के तहत आने वाली अनुसूचित जनजातियों (जैसे भील, गोंड, कोरकू, बैगा, सहरिया और भारिया) पर लागू नहीं होगा। इसके अलावा, जिन समुदायों के पारंपरिक अधिकारों की रक्षा संविधान के भाग ङ्गङ्गद्ध के तहत की गई है, उन्हें भी इस कोड से विशेष रूप से बाहर रखा गया है।

■ **बुनियादी परिभाषाएँ :** कोड का परिभाषा वाला हिस्सा इसके अधिकार क्षेत्र को तय करता है। उत्तराधिकार से जुड़े जिन शब्दों की परिभाषा इसमें नहीं है, उनके लिए 'भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925' के अर्थ मान्य होंगे।

विवाह और तलाक से जुड़े बड़े सुधार

■ **बहुविवाह पर पूर्ण रोक :** यह कोड सभी समुदायों में केवल एक ही शादी (मोनोगैमी) को अनिवार्य बनाता है। कोई भी व्यक्ति एक समय में केवल एक ही जीवित जीवनसाथी के साथ शादीशुदा रह सकता है।

■ **विवाह की आयु और शर्तें :** विवाह के लिए पुरुषों की न्यूनतम आयु 21 वर्ष और महिलाओं की 18 वर्ष तय की गई है। अमान्य सहमति और प्रतिबंधित रिश्तों (जब तक परंपरा की अनुमति न हो) के बीच विवाह पर रोक लगाई गई है।

■ **केवल वैधानिक आधार पर तलाक :** मौखिक तलाक या अनौपचारिक पंचायत के फैसलों को पूरी तरह गैर-कानूनी घोषित किया गया है। अब विवाह का समापन केवल कानून में बताए गए स्पष्ट और वैधानिक आधारों पर ही हो सकता है।

■ **गर्भावस्था के आधार पर समान अधिकार :** मौजूदा व्यवस्था के विपरीत, अब महिलाओं को भी यह अधिकार दिया गया है कि यदि उनके पति ने शादी के समय किसी दूसरी महिला को गर्भवती किया है, तो पत्नी शादी को रद्द घोषित करने की मांग कर सकती है।

■ **शादी और तलाक का अनिवार्य रजिस्ट्रेशन :** निवासियों के लिए शादी और तलाक दोनों का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया गया है। शहरी क्षेत्रों में 'एमपी ई-नगर पालिका पोर्टल' और ग्रामीण क्षेत्रों में SDM, नगरपालिका या पंचायत के ज़रिए यह प्रक्रिया पूरी होगी। रजिस्ट्रेशन न होने से शादी अमान्य नहीं होगी, लेकिन रजिस्ट्रार द्वारा बिना ठोस लिखित कारण के आवेदन खारिज करने पर जुर्माने का प्रावधान है।

बच्चों के अधिकार और कस्टडी

■ **'अवैध' शब्द की समाप्ति :** संहिता ने एक प्रगतिशील कदम उठाते हुए कानूनी ढांचे से 'अवैध' (इलेजिटिमेट) शब्द को पूरी तरह हटा दिया है। विवाहित या अविवाहित माता-पिता के बच्चों, जैविक, गोद लिए गए, सरोगेसी या असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी (एआरटी) से पैदा हुए सभी बच्चों को समान कानूनी दर्जा प्राप्त होगा।

■ **बच्चे का हित सर्वोपरि :** कस्टडी से जुड़े किसी भी विवाद में माता-पिता के अधिकारों के मुकाबले 'बच्चे का हित और सर्वांगीण भलाई' ही अदालत के फैसले का मुख्य और अनिवार्य आधार होगी।

उत्तराधिकार का एकसमान और जेंडर-न्यूट्रल ढांचा

■ **लिंग-तटस्थ अधिकार :** बेटों और बेटियों को संपत्ति के उत्तराधिकार में समान अधिकार दिए गए हैं, चाहे उनकी वैवाहिक स्थिति कुछ भी हो। मृतक की संपत्ति में विधवाओं और विधुरों के साथ भी समान व्यवहार होगा।

■ **माता-पिता का समान दर्जा :** जीवित माता और पिता दोनों को क्लास-1 का उत्तराधिकारी माना गया है, और वे मृतक बच्चे की संपत्ति में जीवनसाथी और बच्चों के साथ बराबर का हिस्सा पाएंगे।

■ **उत्तराधिकार का क्रम :** बिना वसीयत मरे व्यक्ति की संपत्ति को तीन वर्गों (क्लास-1, क्लास-2 और अन्य रिश्तेदार) में क्रमिक तरीके से बांटा जाएगा। पिछली पीढ़ियों के लिए एक 'यूनिट सिस्टम' और 'सर्वाइवरशिप का अधिकार' लागू किया गया है।

■ **अयोग्यता और एस्चीट :** यदि कोई व्यक्ति संपत्ति के मालिक की हत्या या उसमें मदद का दोषी है, तो वह विरासत से हमेशा के लिए अयोग्य हो जाएगा। यदि किसी का कोई कानूनी वारिस नहीं है, तो 'एस्चीट' सिद्धांत के तहत संपत्ति राज्य को हस्तांतरित हो जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

आधी रात, टूटा ताला और 90 हजार की भैंस गायब, सीसीटीवी में कैद हुई चोरों की दस्तक

शाजापुर, निप्र। रात का सन्नाटा, चारों तरफ घुप्प अंधेरा और फिर अचानक एक खामोश आहट...। इसी बीच लालघाटी इलाके में बदमाशों ने किसी तिजोरी को नहीं, बल्कि एक पशुपालक की जमा-पूंजी पर हाथ साफ कर दिया। उनका निशाना कोई सोना-चांदी नहीं, बल्कि 90 हजार रुपये कीमत की एक भैंस थी। बजरंग कॉलोनी निवासी रामचंद्र बैरागी इस वारदात के शिकार हुए हैं। रामचंद्र बस स्टैंड पर चाय की दुकान चलाते हैं और साथ ही पशुपालन भी करते हैं। उन्होंने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि उनके पास एक भैंस, एक पाड़ी और पांच गाय हैं। रोजमर्रा की तरह 17 जुलाई की रात भी उन्होंने सभी मवेशियों को चारा-पानी दिया और टापरी में बांधकर सुरक्षित ताला लगा दिया था। वारदात का खुलासा तब हुआ जब वे आधी रात को दोबारा मवेशियों की सुध लेने पहुंचे। रात करीब 1.30 बजे। टापरी का ताला टूटा पड़ा था और 90 हजार की कीमत वाली भैंस वहां से गायब थी। रामचंद्र ने रात में ही आसपास के इलाके की खाक छानी, लेकिन भैंस का कहीं कोई सुराग नहीं मिला। चारों तरफ तलाश करने के बाद निराश होकर रामचंद्र ने लालघाटी थाने पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए अज्ञात आरोपियों के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज कर लिया। इसके बाद रविवार को सामने आए सीसीटीवी फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि बदमाश किस तरह अंधेरे का फायदा उठाते हुए भैंस को ले जा रहे हैं। अब पुलिस इसी फुटेज को अहम सुराग मानकर भैंस चोरों की शिनाख्त करने और उन्हें दबोचने के लिए कार्रवाई कर रही है।

शाजापुर के युवराज सोलंकी का आईआईटी रुड़की में चयन, जिले का नाम किया रोशन

शाजापुर, निप्र। शहर के होनहार छात्र ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा से जिले का मान बढ़ाया है। छात्र युवराज का चयन देश के प्रतिष्ठित संस्थान, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की की अर्थशास्त्र शाखा में हुआ है। युवराज ने जेईई मुख्य परीक्षा 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 99.2 प्रतिशत अंक हासिल किए। इसके बाद उन्होंने जेईई उच्चतर परीक्षा में भी सफलता का परचम लहराते हुए अखिल भारतीय स्तर पर 12928वां स्थान प्राप्त किया। पढ़ाई में शुरू से ही मेधावी रहे युवराज ने वर्ष 2024 में कक्षा 10वीं की आईसीएसई बोर्ड परीक्षा में भी जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। उनकी इस शानदार उपलब्धि पर पूरे परिवार में खुशी का माहौल है और परिजनों सहित इष्टमित्रों ने हर्ष व्यक्त किया है।

एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनाओं का लाभ लेने के लिए एमपीएफएसटीएस पोर्टल पर पंजीयन करें

देवास। उद्यानिकी विभाग की एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना वर्ष 2026-27 अंतर्गत लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिले के कृषकगण इस योजना का लाभ लेने के लिए एमपीएफएसटीएस पोर्टल पर आवेदन कर योजना का लाभ लें। उपसंचालक उद्यानिकी ने बताया कि एकीकृत बागवानी विकास मिशन (MIDH) योजना वर्ष 2026-27 अंतर्गत विभिन्न घटकों जैसे नवीन बगीचों की स्थापना (स्ट्राबेरी, केला, पपीता, आम अमरूद, नीबू), सब्जी क्षेत्रविस्तार, मसाला क्षेत्रविस्तार, पुष्प क्षेत्रविस्तार, प्याज क्षेत्रविस्तार, जैविक खेती (वर्मीबेड, स्थाई ढांचा), संरक्षित खेती (शेडनेट हाउस, प्लास्टिक मल्चिंग) बागवानी यंत्रीकरण (ट्रेक्टर, पावर टिलर, पावर स्प्रेयर) फसलोपरांत प्रबंधन MPFSTS पोर्टल पर जारी किये गये हैं।

तीन माह से वेतन नहीं मिला, सोनकच्छ में सफाईकर्मी हड़ताल पर

परेशान जनता ने कलेक्टर से एस्मा लागू करने की मांग की, जनप्रतिनिधि नहीं दे रहे ध्यान

विनय उजाला

सोनकच्छ, निप्र। नगर परिषद स्वयं की लापरवाही की वजह से विगत कई महीनों से आर्थिक मार झेल रही है। नप में जरूरत से ज्यादा कर्मचारी होने की वजह से वह स्थायी कर्मचारियों को भी समय पर तनख्वाह नही दे पा रही है। जिसकी वजह से कर्मचारी हड़ताल करने पर मजबूर है।

वहीं नप में जवाबदार अधिकारी कोई एक्शन लेने को तैयार नही है। नियमों के मुताबिक दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी बार बार हड़ताल करते है तो नप सीएमओ को अधिकार है कि वे उनकी सेवा समाप्त कर सकते है लेकिन यहां सीएमओ हड़ताल में उनका साथ दे रहे है जो कि समझ से परे है। नपकर्मियों को 3 माह का वेतन नहीं मिला है। इस वजह से नगर में रविवार को सफाई कार्य बंद कर दिया गया।

नप सफाईकर्मियों द्वारा बार बार हड़ताल पर जाने के कारण नगरवासी आक्रोशित है। उनका कहना है कि, नप में अधिकतम 80 नपकर्मियों की जरूरत है लेकिन यहां पर 157 कर्मचारी भर्ती कर रखे है। जिसमें अधिकांश ऐसे कर्मी भी है जो नियमों के विपरीत लगे है साथ ही शासन द्वारा उन्हें हटाने के आदेश भी जारी हो चुके है लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति व अधिकारियो के ढील पोल रवैये की वजह से उन्हें हटाया नही जा रहा है। जिसके कारण करीब 15 से 17 लाख रुपए का अतिरिक्त आर्थिक भार नप वहन कर रही है। इतना ही नही यह राशि जो कि नगर की मुलभुत सुविधा के लिए आती है उसे तनख्वाह बांटने पर खर्च की जा रही है। साथ ही कई बार तनख्वाह बांटने के नाम पर विभिन्न योजनाओं के तहत चल रहे विकास कार्य की राशि इसमें लगा दी जाती है जिसके कारण विकास भी अवरूद्ध हो जाता है। नगरवासियो ने कलेक्टर से मांग की है कि, नप में एस्मा लागू किया जाएं ताकि कर्मचारी दादागिरी करते हुए बेवजह हड़ताल पर न जा सकें। इन कर्मचारियों की वजह से आमजन को परेशानी नही उठानी पड़े।

इस मामले में जब नगर परिषद अध्यक्ष और सीएमओ अमरदास सेनानी से चर्चा करना चाही तो उनसे संपर्क नहीं हो सका।

सफाई व्यवस्था ठप जगह-जगह कचरे का ढेर

सफाईकर्मियों के हड़ताल पर चले जाने से नगर में रविवार को सफाई नही हो सकी। जिसके कारण मुख्य मार्ग सहित कॉलोनियों में कचरे इधर उधर बिखरा पड़ा रहा है। जिसके कारण स्वच्छता कर देने वाली नगर की जनता अपने आपको ठगा महसूस कर रही है। बता दें कि सोनकच्छ नप पूरे प्रदेश में इकलौती ऐसी परिषद है। जिसके चार पूर्ण होने के बाद यहां पर सफाईकर्मियों के द्वारा डेढ़ दर्जन से अधिक बार हड़ताल हो चुकी है। सफाईकर्मी जब चाहे जब हड़ताल पर चले जाते है और उन पर नप अधिकारी व जनप्रतिनिधि द्वारा कोई भी कार्रवाई प्रचलित नही की जाती है। नगर परिषद के अध्यक्ष एवं पार्षद के द्वारा इस ओर ध्यान नहीं देने से नगर की जनता को परेशानी उठानी पड़ती है।

नागिन के डंसने से युवक की मौत

टॉर्च की रोशनी में पोस्टमार्टम, स्वास्थ्य व्यवस्था की खुली पोल

विनय उजाला

शाजापुर, निप्र। शौक और खतरे का खेल कभी-कभी जिंदगी पर कितना भारी पड़ सकता है, इसका रोंगटे खड़े कर देने वाला उदाहरण जिले के मोहन बड़ोदिया थाना क्षेत्र में देखने को मिला। यहां एक युवक को नागिन के साथ करतब दिखाना उस वक्त जानलेवा साबित हुआ, जब नागिन ने उसे अपना शिकार बना लिया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस दुखद घटना ने एक तरफ जहां इलाके में सनसनी फैला दी, वहीं दूसरी ओर स्थानीय स्वास्थ्य व्यवस्था की जर्जर हालत की पोल भी खोल कर रख दी। हालात यह रहे कि बिजली न होने के कारण डॉक्टरों को टॉर्च की रोशनी में शव का पोस्टमार्टम करना पड़ा। मिली जानकारी के अनुसार, नलखेड़ा रोड निवासी अजगर पिता मौलाना सांप पकड़ने का काम करता था। शनिवार शाम को उसने एक नागिन को पकड़ा था और उसके साथ करतब दिखा रहा था। इसी जानलेवा खेल के दौरान अचानक नागिन ने अजगर के हाथ और पैर पर डस लिया। पल भर में ही जहर उसके शरीर में फैलने लगा और उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन आनन-फानन में उसे लेकर अस्पताल भागे, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। जांच के बाद डॉक्टरों ने अजगर को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मोहन बड़ोदिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पीएम के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया।

सिस्टम की बदहाली, अंधेरे पोस्टमार्टम रूम में टॉर्च का सहारा

युवक की मौत के बाद मोहन बड़ोदिया अस्पताल की बदहाल व्यवस्थाओं का भी एक शर्मनाक पहलू सामने आया। शनिवार शाम जब शव को पोस्टमार्टम रूम ले जाया गया, तो वहां मूलभूत सुविधाओं का घोर अभाव और गंदगी का अंबार मिला। सबसे बड़ी विडंबना यह रही कि पोस्टमार्टम रूम में बिजली ही नहीं थी। वैकल्पिक व्यवस्था न होने के कारण मजबूरन स्वास्थ्यकर्मियों और डॉक्टरों को टॉर्च की सीमित रोशनी में पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करनी पड़ी। टॉर्च की रोशनी में होते चीरहरण का यह नजारा इलाके की स्वास्थ्य सुविधाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। लोगों का कहना है कि जब एक पोस्टमार्टम रूम में बिजली जैसी बुनियादी सुविधा तक मयस्सर नहीं है, तो आपातकालीन स्थिति में मरीजों का इलाज किस भरोसे किया जाता होगा?

अचानक बंदर के टकराने से बाइक सवार गंभीर

विनय उजाला

शाजापुर, निप्र। बंदर के टकराने से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना रविवार सुबह करीब 8.30 बजे की है। पनवाड़ी निवासी 26 वर्षीय विजय अपनी बाइक से शुजालपुर से सारंगपुर की तरफ जा रहा था। इसी दौरान सलसलाई के समीप सामने से आ रही एक एंबुलेंस को क्रॉस करते हुए एक बंदर अचानक सड़क के बीच आ गया और सीधे बाइक से जा टकराया। अचानक हुई इस टक्कर से विजय बाइक से अपना नियंत्रण खो बैठा और सड़क पर जा गिरा। हादसे में उसके सिर पर गंभीर चोट आई।

108 एंबुलेंस कर्मियों ने दिखाई तत्परता

राहत की बात यह रही कि मंडी की 108 एंबुलेंस उस समय मौके पर मौजूद थी। एंबुलेंस स्टाफ के ईएमटी राम सिंह मेवाड़ा और पायलट गजराज सिंह मेवाड़ा ने बिना समय गंवाए तत्परता दिखाई। सिर में गंभीर चोट और स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, उन्होंने त्वरित रूप से घायल विजय को एंबुलेंस में प्राथमिक उपचार दिया और तुरंत सारंगपुर अस्पताल में शिफ्ट कराया, जहां चिकित्सकों द्वारा उनका गहन इलाज किया जा रहा है।

लालघाटी पुलिस ने महाराष्ट्र के भटके बुजुर्ग को संवारा

परिजनों की तलाश शुरू

विनय उजाला

शाजापुर, निप्र। अमूमन पुलिस की छवि समाज में सिर्फ कानून-व्यवस्था और सख्ती से जोड़ी जाती है, लेकिन शाजापुर की लालघाटी थाना पुलिस ने खाकी के भीतर छिपे एक बेहद संवेदनशील और मानवीय चेहरे को समाज के सामने पेश किया है। पुलिस ने न सिर्फ कई दिनों से लावारिस भटक रहे महाराष्ट्र के एक अर्धविक्षिप्त बुजुर्ग को नया रूप दिया, बल्कि उसे उसके परिवार से मिलाने की सराहनीय कवायद भी तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार, रविवार को लालघाटी थाने का कुछ स्टाफ एक स्थानीय होटल पर नाश्ता कर रहा था। इसी दौरान उनकी नजर दयनीय हालत में घूम रहे एक बुजुर्ग पर पड़ी। काफी दिनों से स्नान न करने और बाल-दाढ़ी बढ़े होने के कारण उसकी स्थिति बेहद खराब लग रही थी। पुलिसकर्मियों ने संवेदनशीलता दिखाते हुए उससे बातचीत करने का प्रयास किया, लेकिन मानसिक स्थिति ठीक न होने के कारण वह स्पष्ट रूप से कुछ भी नहीं बता पा रहा था। इसके बाद पुलिसकर्मी उसे पूरे सम्मान के साथ लालघाटी थाने ले आए। लालघाटी थाना प्रभारी अर्जुन सिंह मुजाल्दे के मार्गदर्शन में पुलिसकर्मियों ने थाने में बुजुर्ग को गर्म पानी से स्नान कराया। इसके बाद नाई को बुलाकर उसके बाल और दाढ़ी कटवाए गए और उसे साफ-सुथरा किया गया। पुलिस के इस अपनेपन और स्नेहपूर्ण देखभाल के बाद बुजुर्ग थोड़ा सहज हुआ। पूछताछ के दौरान उसने टूटे-फूटे शब्दों में अपना नाम सुनील पिता किशन बताया है, जो कि महाराष्ट्र का रहने वाला बताया जा रहा है। बुजुर्ग द्वारा दी गई इस अहम जानकारी के बाद, लालघाटी पुलिस अब महाराष्ट्र पुलिस और संबंधित नेटवर्क के जरिए उसके परिजनों की तलाश में जुट गई है, ताकि इस भटके हुए व्यक्ति को सुरक्षित उसके घर पहुंचाया जा सके। इस पूरी मानवीय पहल में थाना प्रभारी के अलावा प्रधान आरक्षक चंद्रपाल जाट, जसवंत जाटव, भारत किरार सहित लालघाटी थाने के समस्त स्टाफ की अहम भूमिका रही। पुलिस के इस सेवा कार्य की स्थानीय नागरिक जमकर प्रशंसा कर रहे हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि पुलिस की यह पहल समाज में उनके प्रति विश्वास और सम्मान को और अधिक मजबूत करती है।

प्रायवेट स्कूलों की जांच में मिली कई गड़बड़ियां

एक प्राइवेट स्कूल चल रहा हाइवे किनारे, तो कहीं शिक्षक नियमानुसार नहीं

विनय उजाला

सोनकच्छ, निप्र। नियमों को दरकिनार कर चल रहे निजी स्कूलों में शासन-प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों ने शनिवार को निरीक्षण किया। एसडीएम आनंद मालवीया ने इस मामले को संज्ञान में लेते हुए शिक्षा विभाग को तुरंत जांच के निर्देश दिए थे। इसके बाद प्रभारी बीईओ सज्जनसिंह मालवीय, बीआरसीसी संतोष शर्मा आदि की टीम ने नगर एवं सांवेर क्षेत्र के तीन निजी स्कूलों का निरीक्षण किया। जांच में दो स्कूलों में गड़बड़ियां मिलीं जबकि एक स्कूल की जांच नहीं हो सकी। सांवेर में मुख्य मार्ग पर स्थित संस्कार एजुकेशन एकेडमी में गड़बड़ियों के साथ मुख्य रूप से यहां के कुछ शिक्षक शासन की गाइडलाइन अनुसार अप्रशिक्षित पाए गए तथा स्कूल विवाह गार्डन में संचालित होता पाया।

इसी प्रकार देवास भोपाल हाइवे पर स्थित अराईज स्कूल में भी खेल का उचित मैदान नहीं मिला, साथ ही यह हाईवे से सटे एक मकान में चल रहा है जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। गंधर्वपुरी फाटे स्थित हाईफाई स्कूल में जिम्मेदार व्यक्ति के न मिलने पर अधिकारियों ने मोबाइल फोन पर संचालक विवेक यादव से बात की तो उन्होंने सोमवार को स्कूल में आने की बात कही, इस स्कूल की जांच बाद में की जाएगी। बीईओ मालवीय ने बताया स्कूलों की जांच के प्रतिवेदन बनाकर उच्च अधिकारियों को भेजे जाएंगे वहां से आगामी कार्यवाही की जाएगी।

क्षेत्र के अन्य स्कूलों की जांच भी की जाएगी। इस जांच का पता चलने पर निजी स्कूल संचालकों में हड़कंप मच गया।

चीलर नदी की गंदगी और जलकुंभी में फंसी गाय की बची जान, गौरक्षा सेना ने किया साहसिक रेस्क्यू

विनय उजाला

शाजापुर, निप्र। भावसार धर्मशाला के सामने चीलर नदी के गहरे दलदल और कचरे के बीच फंसे एक गोवंश को गौरक्षा सेना के युवाओं ने अपनी जान पर खेलकर सुरक्षित बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार रविवार को नदी के बीचों-बीच एक गोवंश के फंसे होने की सूचना गौरक्षा सेना के संस्थापक धर्मेंद्र शर्मा को मिली जिस पर वे तुरंत मौके पर पहुंचे और हालात की गंभीरता को देखते हुए टीम के रेस्क्यू विशेषज्ञ विशाल देवतवाल को तलब किया। सूचना मिलते ही विशाल बिना देर किए पहुंचे और अपनी कमर में रस्सी बांधकर गहरे व गंदे पानी में उतर गए। इस बीच गौरक्षा सेना के नगर महासचिव हर्षित परमार, नगर सचिव चिंटू परमार, चंद्रशेखर जाटव और कुणाल भी मदद के लिए मौके पर पहुंच गए। नदी में अधिक गहराई और जलकुंभी के जाल के कारण रेस्क्यू बेहद चुनौतीपूर्ण था। नदी के दूसरे छोर पर खड़े स्थानीय लोगों ने भी बचाव कार्य में सहयोग दिया। टीम ने टेंट के पाइप और रस्सियों की मदद से भारी मशक्कत के बाद गोवंश को धीरे-धीरे किनारे लाकर उसकी जान बचा ली।

राष्ट्रीय सबरस कवि यादव व अपर कलेक्टर ने गुरु आशीर्वाद लिया

मृत्यु आएगी, तब परमात्मा पूछेंगे तुम्हारे साथ क्या है : आचार्य प्रसन्न सागर

विनय उजाला

सोनकच्छ, निप्र। पुष्पगिरी तीर्थ पर शनिवार को राष्ट्रीय सबरस कवि शशिकांत यादव देवास तो रविवार सुबह अपर कलेक्टर संजीव कुमार जैन पुष्पगिरी तीर्थ पहुंचे। उन्होंने तीर्थ में विराजमान गणाचार्य 108 पुष्पदंत सागर महामुनिराज एवं अंतर्मना आचार्य 108 प्रसन्न सागर मुनिराज ससंघ के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। जहां गणाचार्य श्री तिलक लगाकर तो गुरुदेव प्रसन्न सागर जी महाराज ने पुस्तक भेंट कर श्री यादव व जैन का सम्मान किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर ने भगवान के कलशाभिषेक देखें व संघ की आहारचर्या का लाभ भी उठाया।

वही अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज ने जिनागम समयसार ग्रन्थ के स्वाध्याय के दौरान अपने संघ के शिष्यों व भक्तों कहा कि जब तक संसार में हो संसार परिवार पूछेगा तुम्हारे पास क्या है और जब मृत्यु आएगी तब परमात्मा पूछेगा तुम्हारे साथ क्या है। ध्यान रखना श्वास लेना जीवन है और श्वास छोड़ना मृत्यु है। में ये नहीं कह रहा कि पैसा धन दौलत न कमाओ जीवन में बहुत पैसा संपत्ति जुटाओ घर अच्छा बनाओ गाड़ी लाओ बँगला बनाओ लेकिन शाम को एक चिंतन जरूर करना एक दिन अब छोड़ के जाना है। अगर साथ में कुछ जाना है तो वह हे आप का पुण्य.. .इसलिए अपने जीवन में सांसारिक कार्य के साथ पुण्य का संचय भी करो।

उन्होंने कहा कि नींद छोटी मौत है और मौत बड़ी नींद है जीवन में सही ओर गलत का पता होते हुए भी आप पाप कार्य कर रहे हो तो तुम अपना अहित कर रहे हो। अपना हित चाहते हो तो परवस्तु को अपना मानना बंद करो और शुभ के कार्यों में अपना जीवन लगाओ। जानकारी प्रवक्ता रोमिल जैन ने दी।

पुष्पगिरी तीर्थ पर गुरु सान्निध्य में मनाया जाएगा प्रसन्नसागर का 56वां जन्मोत्सव

सोनकच्छ, निप्र। पुष्पदंतसागर शिष्य अंतर्मना आचार्य प्रसन्नसागर जी का 56वां जन्मोत्सव का पुष्पगिरि तीर्थ पर श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। गौरतलब है कि अंतर्मना गुरुदेव का संपूर्ण जीवन साधना, तप, संयम, मानव सेवा, समाज सेवा तथा राष्ट्र जागरण को समर्पित रहा है। गुरुदेव के मार्गदर्शन में प्रारंभहुआ हर मास एक उपवास अभियान आज जन-जन के स्वास्थ्य, आत्मकल्याण व राष्ट्रहित का संदेश देते हुए एक राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय जन-जागरण अभियान के रूप में स्थापित हो चुका है। प्रवक्ता रोमिल जैन ने बताया कि 23 जुलाई को पुष्पगिरि तीर्थ पर विभिन्न जनकल्याणकारी व प्रेरणादायी कार्यक्रम होंगे। प्रात: 4.30 बजे से भगवान मुनिसुब्रतनाथ जिनालय प्रांगण में मंगल दीप आराधना, 7 बजे अभिषेक व शांतिधारा, 8.30 बजे ध्वजारोहण, श्रावक अनिल एवं मीणा विधासागर रोडवेज द्वारा शुभारंभ, 9.30 बजे आहारचर्या, 11 बजे पौधारोपण व नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ होगा। ब्लड डोनेशन कैंप, विद्यार्थियों के लिए हर मास एक उपवास विषय पर प्रतियोगिता होगी।

तहसीलदार हुकुम सिंह निंगवाल तथा सरल व्यक्तित्व के धनी एस.एल.आर. पवन वास्केल को दी भावभीनी विदाई

विनय उजाला

झाबुआ, निप्र। मध्यप्रदेश पटवारी संघ, तहसील शाखा राणापुर द्वारा आयोजित समारोह में झाबुआ में पदस्थ तहसीलदार श्री सुनील डावर के पदोन्नति होकर डिप्टी कलेक्टर बनने पर पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी गईं। इसके पश्चात राणापुर के स्थानांतरित तहसीलदार श्री हुकुम सिंह निंगवाल एवं एस.एल.आर. श्री पवन वास्केल के सम्मान में भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नवागत तहसीलदार श्री राजेन्द्र सिंह चौहान का भी स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। यद्यपि वे अन्य शासकीय व्यस्तताओं के कारण कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सके, फिर भी राणापुर तहसील परिवार की ओर से उनके प्रति शुभकामनाएँ एवं स्वागत संदेश प्रेषित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्री महेश मंडलोई ने कहा कि श्री हुकुम सिंह निंगवाल एक कर्मठ, ईमानदार, अनुशासित एवं दबंग प्रशासनिक अधिकारी रहे हैं। उन्होंने राणापुर तहसील में अपने कार्यकाल के दौरान शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उत्कृष्ट क्रियान्वयन कराया तथा प्रत्येक कार्य को पूर्ण समर्पण और जिम्मेदारी के साथ संपन्न किया। जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य को भी उन्होंने निर्धारित समय-सीमा में सफलतापूर्वक पूर्ण कराया। आमजन की समस्याओं का त्वरित

निराकरण करना, प्रशासनिक कार्यों में तत्परता तथा निष्पक्ष निर्णय लेना उनके व्यक्तित्व की विशेष पहचान रही। उनके उत्कृष्ट कार्यों ने उन्हें प्रदेश स्तर पर भी एक कुशल अधिकारी के रूप में पहचान दिलाई। वक्ताओं ने कहा कि श्री हुकुम सिंह निंगवाल ने राणापुर में एक दबंग, निष्पक्ष एवं जनहितैषी तहसीलदार के रूप में कार्य किया। वे त्वरित निर्णय लेने वाले अधिकारी थे तथा सदैव अधिकारियों एवं कर्मचारियों को साथ लेकर चलने में विश्वास रखते थे। उन्होंने पटवारियों एवं तहसील कार्यालय के कर्मचारियों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ सुना तथा उनके कार्यों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया।

एस.एल.आर. श्री पवन वास्केल के संबंध में वक्ताओं ने कहा कि वे अत्यंत सरल, सहज, सौम्य एवं मिलनसार व्यक्तित्व के धनी अधिकारी हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में फार्मर रजिस्ट्री, पीएम किसान सम्मान निधि सहित विभिन्न राजस्व कार्यों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन किया। आमजन एवं कर्मचारियों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करना, सभी को उचित मार्गदर्शन देना तथा प्रत्येक कार्य को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करना उनकी कार्यशैली की विशेष पहचान रही। उनके सरल व्यवहार एवं कर्तव्यनिष्ठा के कारण वे सभी के बीच सम्मानित एवं लोकप्रिय रहे।

कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्री महेश मंडलोई, डिप्टी कलेक्टर श्री सुनील डावर, पटवारी संघ तहसील अध्यक्ष श्रीमती गीता मंडोड, तहसील सचिव श्री सुरेंद्र चौहान, तहसील रीडर श्री जितेंद्र सोलंकी, समस्त पटवारीगण तथा तहसील कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

समारोह के अंत में सभी उपस्थितजनों ने श्री हुकुम सिंह निंगवाल एवं श्री पवन वास्केल के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी तथा नवागत तहसीलदार श्री राजेन्द्र सिंह चौहान के सफल कार्यकाल की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

संक्षिप्त समाचार

पदोन्नत पुलिसकर्मियों के सम्मान में 'स्टार सेरेमनी' का आयोजन, एसपी सचिन शर्मा ने लगाए स्टार

धार, निप्र। पुलिस मुख्यालय भोपाल के आदेशानुसार जिला धार में पदस्थ पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभा कक्ष में एक गरिमामय 'स्टार सेरेमनी' एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हाल ही में आरक्षक से प्रधान आरक्षक, प्रधान आरक्षक से सहायक उप निरीक्षक, उप निरीक्षक से निरीक्षक और निरीक्षक से उप पुलिस अधीक्षक के पद पर पदोन्नत हुए पुलिसकर्मियों के सम्मान में रखा गया था। कार्यक्रम की शुरुआत धार्मिक और आध्यात्मिक वातावरण में सुंदरकांड पाठ एवं हनुमान चालीसा के साथ हुई। इसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने पदोन्नत अधिकारियों और कर्मचारियों को स्टार लगाकर सम्मानित किया। समारोह के अंत में सभी के लिए भोजन प्रसादी का भी आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस परिवार के सदस्यों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और अपने साथियों को बधाई दी। इस अवसर पर धार पुलिस अधीक्षक (SP) सचिन शर्मा (IPS) ने सभी पदोन्नत पुलिसकर्मियों को बधाई देते हुए कहा, 'पदोन्नति केवल एक अधिकार नहीं है, बल्कि यह आपके कर्तव्य, अनुशासन और उत्तरदायित्व का विस्तार है।' उन्होंने सभी से अपेक्षा की कि वे अपने नए दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी, संवेदनशीलता और निष्पक्षता के साथ करें, ताकि आमजन की सेवा और कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाया जा सके। समारोह में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारूल बेलापुरकर, सीएसपी पीथमपुर कमल सिंह चौहान, एसडीओपी सरदारपुर विश्वदीप सिंह परिहार, एसडीओपी कुक्षी सुनील गुप्ता, डीएसपी (अजाक) आनंद तिवारी, रक्षित निरीक्षक पुरुषोत्तम बिश्नोई सहित एसपी कार्यालय का समस्त स्टाफ और पदोन्नत अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

वरिष्ठ पत्रकार सोनी का झाबुआ में स्वागत

झाबुआ (विनय उजाला)। पत्रकारिता के क्षेत्र में पिछले कई दशक से एक बड़ा नाम जितेंद्र सोनी का एक कार्यक्रम के दौरान झाबुआ आगमन हुआ। इस अवसर पर झाबुआ में मोतियों की माला एवं भगवा दुपट्टे से उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर उनके साथ इंदौर से आए कई साथी उपस्थित थे। विकसित भारत संकल्प संस्थान की ओर से डॉ अशोक बलसोरा, डा. एमएल फुलपगारे, बापू सिंह कटारा ने स्वागत किया। साथ ही पत्रकारिता से जुड़े बिंदुओं पर चर्चा भी की। इस अवसर पर झाबुआ जिला ब्यूरो प्रमुख समकित तलेरा, गौरव, संदीप वर्मा, मनीष वघेला, निरंजन शर्मा के साथ कई साथी उपस्थित थे।

मानसून के ब्रेक से बढ़ी किसानों की चिंता

खेतों के कंठ सूखे, कहीं फसलें सूख रही तो कहीं बोवनी नहीं

शहजाद खान भारती

बाग, निप्र। इस वर्ष की शुरुआती बारिश ने एक तरफ किसानों सहित सभी के चेहरे खिला दिए थे। ओर माना जा रहा था की इस बार अच्छी बारिश होगी परंतु जुलाई माह से इस मानसून पर ब्रेक लग चूका है और इसी कारण अब किसानों के चेहरे उतरने लगे हैं और कही न कही इस बार की फसल का क्या होगा ये चिंता उन्हें सता रही है। प्रदेश भर में बारिश पुरी तरह जम गई है। कहीं फसलें चौपट होने का अंदेशा हे तो कहीं बोवनी करने का इंतजार है ऐसे में किसान आसमान की और अपनी आंखें लगाए हुए हैं की कब इन्द्र देव प्रसन्न हो ओर खेतों के सुखे कंठ गीले हो ओर खेतों मैं पहले लहलहाने लगे तो वहीं यह भी हे जीन किसानों ने बोवनी के लिए अपने खेत तैयार कर रखें है वह बारिश का इंतजार कर रहै है ताकी बोवनी कर सकें मोसम विभाग की माने तो अबतक 247 मिमी बारिश हुई जबकी अबतक 291 मिनी होनी चाहिए थी यानी 15% की कमी हुई है। हलकी मौसम विभाग अगले तीन चार दिन में फिर मौसम की सक्रिय होने की बात बता रहा है मगर देखो अब आगे होता क्या है फिलहाल खेतों में दरारें पड़ने लगी है। उधर किसानों का कहना है की अगले दो चार दिन में बारिश नहीं हुई तो पहले चौपट हो सकती है और इसमें किसानों का भारी नुक्सान हो सकता है।

इन्द्र देव को मनाने के लिए जतन टोने टोटकों से अच्छी बारिश की उम्मीद

इधर बारिश की लंबी खेच को लेकर चिंताओं के साथ अब टोने टोटकों से इन्द्रदेव को मनाने की कोशिश कै साथ अच्छी बारिश की उम्मीद लगाई जा रही है इसी को लेकर अब लोग बारिश के लिए नित नये जतन कर रहै है ।इसी को लेकर ग्राम पंचायत बाग द्वारा नगर वासियों से अपील करते हुए कहा की इन्द्रदेव को मनाने हेतु अपने अपने घरों के बहार खाना बनाएं पार्टी करें क्योंकी बुजुर्ग बताते हैं जब कभी बारिश नहीं होती थी तो इस प्रकार के टोटके भी कारगार साबित होते हैं।

उमस भरी गर्मी से सभी का हाल बुरा पंखे कुलर एसी के सहारे

बारिश की लम्बी खेच के चलते गर्मी एक बार फिर पुरे शबाब पर है पिछले कुछ दिनों से वहीं तैज धूप तपन ओर उमस भरी गर्मी से सभी का बुरा हाल हो रहा है वापस लोग पंखे कुलर एवं एसी का सहारा ले रहे हैं इस उमस भरी गर्मी से बचने के लिए दिन ओर रात में मोसम ठंडा होने का नाम ही नहीं ले रहा है एसा लग रहा है जेसे फिर गर्मी की शुरूआत हो गई हो इस उमस भरी गर्मी से बचने कै लिए लोग जतन कर रहे हैं ओर हर रोज बारिश का इंतजार कर रहै इसमें खासकर हमारा अन्नदाता परेशान नजर आ रहा है उन्हें अपने खेतों में पड़ी फसलों की चिंता सता रही है ।

प्रधान न्यायाधीश अशिता श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में चेक संबंधी मामलों की विशेष लोक अदालत का हुआ आयोजन

पेटलावद में लाखों रुपए के चेक संबंधी कई पुराने मामलों का हुआ निराकरण

इनका रहा सराहनीय सहयोग

विशेष लोक अदालत में पेटलावद के समस्त अधिवक्ताओं, पुलिस विभाग, बैंक कर्मचारीयों न्यायालय के कर्मचारी श्री गेंदालाल देवड़ा, हीरालाल मुनिया, शैतान बिलवाल, पवन ,पाटीदार, विजय वसुनिया, रमाकांत सोनी, संजय कुमार शर्मा, प्रकाश भाभर, रमेश बसोंड, सबेसिह नलवाया, धर्मेंद्र सिंगाड़, राजूसिंह वसुनिया, कमलेश बामनिया, इंदिरा चौहान, नीलम उईके, धुलसिग, चंद्रभानसिंह ठाकुर, भरत,अशोक बसोड, माधव, दीतिया, कृष्णा,भेरूलाल आदि न्यायालयीन कर्मचारीयों का विशेष योगदान ओर सहयोग रहा।

मनोज पुरोहित

पेटलावद। प्रधान न्यायाधीश जिल झाबुआ के निर्देश पर चैक संबंधी लेनदेन के मामलों के निराकरण के लिए झाबुआ, पेटलावद और थांदला के न्यायालय में शनिवार 18 जुलाई को 138 एनआईए एक्ट के तहत विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया।

पेटलावद में विशेष लोक अदालत का शुभारंभ एडीजे पेटलावद श्री ओपी वोहरा, सिविल जज वरिष्ठ खंड श्री सोहनलाल भगोरा, श्रीमती नेहा मौर्य सोलंकी, सिविल जज कनिष्ठ खंड श्री प्रियम कुमार सक्सेना के द्वारा अधिवक्ताओं की उपस्थिति में विधि विधान से मां सरस्वती के चित्र पर पूजा अर्चना कर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया गया।

शुभारंभ के साथ ही समस्त अधिवक्ताओं की उपस्थिति में एक गरिमामई आयोजन भी न्यायालय परिसर में किया गया, जिसमें न्यायाधीशगण के द्वारा अपने विचार अभिव्यक्त करते हुए ,विशेष लोक अदालत के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए जानकारी दी ,कार्यक्रम में अधिवक्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता, नोटरी एवं अभिभाषक संघ के पूर्व सचिव बलदेवसिह राठौर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

विशेष लोक अदालत की पीठासीन ओर प्रभारी अधिकारी सिविल जज वर्ग एक श्रीमती नेहा मौर्य सोलंकी के नेतृत्व में इस लोक अदालत में वसूली ओर चेक के एक साथ 35 प्रकरणों का निराकरण किया गया। जिसमें 21511455 रुपए की अदायगी के साथ 32882358 रुपए की सेटलमेंट राशि प्राप्त हुई ।

पुलिस आधुनिकीकरण को मिला नया आयाम

एसपी ने विवेचकों को बांटे हाईटेक टैबलेट

विनय उजाला

धार, निप्र। मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार पुलिस विभाग को डिजिटल और स्मार्ट बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल की गई है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय धार में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान एसपी सचिन शर्मा (ढ्ढक्क) ने जिले के विभिन्न थानों के विवेचकों को अत्याधुनिक टैबलेट वितरित किए। इस अवसर पर थाना कोतवाली, नौगांव, तिरला, सरदारपुर, राजगढ़, कानवन और सादलपुर के विवेचकों को टैबलेट सौंपे गए। इन उपकरणों की मदद से अब पुलिस की जांच और विवेचना की पूरी प्रक्रिया अधिक प्रभावी, तेज और तकनीक आधारित हो सकेगी।

एसपी ने सभी विवेचकों से उम्मीद जताई कि वे इस तकनीक का अधिकतम उपयोग कर पुलिसिंग को मजबूत करेंगे और जांच कार्य को वैज्ञानिक व डिजिटल रूप प्रदान करेंगे। इस महत्वपूर्ण अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारूल बेलापुरकर, एसडीओपी (सरदारपुर) विश्वदीप सिंह परिहार, एसडीओपी (कुक्षी) सुनील गुप्ता, रक्षित निरीक्षक पुरुषोत्तम बिश्नोई सहित निरीक्षक समीर पाटीदार, रविन्द्र कुमार बारिया, राजललन मिश्रा, ईश्वर सिंह चौहान, अनिल जाधव, प्रवीण ठाकरे, ज्योति पटेल और संबंधित थानों के विवेचक मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

घटनास्थल पर ही संकलित होंगे डिजिटल साक्ष्य

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने कहा कि आधुनिक तकनीक का सही उपयोग पुलिस अनुसंधान को अधिक कुशल, पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध बनाएगा। उन्होंने बताया कि इस टैबलेट के माध्यम से विवेचक अब घटनास्थल पर ही आवश्यक जानकारी और डिजिटल साक्ष्यों का संकलन कर सकेंगे। साथ ही, दस्तावेजों का संधारण, ऑनलाइन अपडेशन और विभिन्न पुलिस एप्लीकेशनों के जरिए विवेचना से जुड़े कार्यों का मौके पर ही त्वरित निष्पादन किया जा सकेगा। इससे जांच की गुणवत्ता में सुधार होगा और आम जनता को भी जल्दी व बेहतर पुलिस सेवाएं मिल सकेंगी।

पुलिस की अनूठी पहल

नशे से दूरी ज़रूरी अभियान के तहत चलित वाहन से दी जा रही नशामुक्ति की सीख

विनय उजाला

धार, निप्र। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा (भा.पु.से.) के मार्गदर्शन में जिलेभर में 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत एक विशेष चलित जन-जागरूकता प्रचार वाहन के माध्यम से पूरे जिले में नशामुक्ति का संदेश फैलाया जा रहा है। इस विशेष अभियान की शुरुआत 15 जुलाई 2026 को जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सरदार सिंह मेड़ा एवं एनसीसी कैडेट्स द्वारा प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर की गई। यह वाहन 30 जुलाई 2026 तक धार जिले के सभी अनुभागों, शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों, प्रमुख बाजारों, बस स्टैंडों और शैक्षणिक संस्थानों में पहुंचकर लोगों को जागरूक करेगा। प्रचार वाहन के माध्यम से पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा की आमजन के नाम विशेष अपील, पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा तैयार जागरूकता ऑडियो और नशामुक्ति संबंधी जिंगल्स का प्रसारण किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना और उन्हें एक स्वस्थ व सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। धार पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने परिवार और समाज को नशामुक्त बनाने में मदद करें। साथ ही, अवैध मादक पदार्थों और नशे के कारोबार की सूचना तुरंत पुलिस को दें। मामले में पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य सिर्फ कार्रवाई करना नहीं, बल्कि जनता की भागीदारी से समाज में नशामुक्त वातावरण तैयार करना है।

पर्यटकों की कमी से फीका पड़ा मांडू

अव्यवस्थाओं और पानी की किल्लत से गिरा टूरिस्ट ग्राफ

विनय उजाला

मांडू, निप्र। विश्व धरोहर नगरी मांडू में पर्यटन सीजन जुलाई से शुरू होकर जनवरी तक चलता है। हर साल इस दौरान लगभग 5 लाख पर्यटक मांडू आते हैं। लेकिन इस वर्ष अव्यवस्थाओं और मानसून की देरी एवं पानी की किल्लत के चलते पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट देखी जा रही है।

पिछले रविवार की तुलना में इस रविवार मांडू में पर्यटकों का टोटा रहा। अगर यही स्थिति रही तो अगस्त में लगने वाले बड़े पर्यटक जमावड़े पर भी इसका असर पड़ना तय है।

पर्यटन विकास विकास के नाम पर अव्यवस्थाओं का अंबार : मांडू में विकास कार्यों के नाम पर चल रही लापरवाही पर्यटन पर भारी पड़ रही है। जगह-जगह पड़ी घटिया एवं गुणवत्ता हीन निर्माण सामग्री, टूटी सड़कें और अवरुद्ध रास्तों के कारण पर्यटकों को भारी परेशानी हो रही है। सबसे बड़ी समस्या पार्किंग और ट्रैफिक जाम की है। अपनी गाड़ी पार्क करने के लिए पर्यटक घंटों भटक रहे हैं। जबकि पर्यटनविभाग का कहना है कि हमारे द्वारा करोड़ों की लागत से दो पार्किंग निर्मित किए गए हैं लेकिन धरातल पर देखा जाए तो उन पार्किंग में 60 से 70 गाड़ी से अधिक गाड़ी खड़ी नहीं हो सकती जबकि एरिया बहुत बड़ा है निर्माण अवस्थित होने से पार्किंग की सीमाएं घाटी इसके चलते पार्किंग की लाइन नगर पंचायत पार्किंग से चौराहे तक इधर सनसेट पॉइंट तक गाड़ियों की लंबी लाइन मैं खड़ी होने से लंबा जाम लग जाता है शनिवार-रविवार और छुट्टियों के दिन तो जाम की स्थिति और भी बदतर हो जाती है। पानी की टंकी से लेकर रूपमती महल तक रोड चोडीकरण हो सकता है जिससे कि जाम की स्थिति खत्म हो सकती है लेकिन विभाग ईसऔर ध्यान न देते हुए घटिया और गैर जरूरत के निर्माण कार्य कर रहा है जिसकी कोई आवश्यकता नहीं है ठेकेदार और संबंधित विभाग की लापरवाही के कारण पर्यटक मांडू आकर परेशान होकर लौट रहे . हैं।

पानी की किल्लत ने बढ़ाई दिक्कत: इस साल बारिश कम होने से मांडू का एकमात्र पेयजल स्त्रोत सागर तालाब भी खाली है। होटल और रेस्टोरेंट में भी पानी की समस्या देखी जा रही है। पीने के पानी और साफ-सफाई की कमी के कारण कई परिवार आधे दिन में ही मांडू से वापस लौट कर जा रहे हैं।

पिछले साल जैसी व्यवस्था नहीं: स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि पिछले साल जून में ही तत्कालीन कलेक्टर प्रियंका मिश्रा के नेतृत्व में पर्यटकों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। पार्किंग, सफाई, ट्रैफिक और पेयजल की समुचित व्यवस्था थी। लेकिन इस साल प्रशासन का ध्यान इन व्यवस्थाओं पर बिल्कुल नहीं है। एक होटल संचालक ने कहा, 'पिछले साल इसी समय तक बुकिंग फुल हो जाती थी। इस बार 50% कमरे भी खाली पड़े हैं। पर्यटक आकर अव्यवस्था देखकर तुरंत वापस चले जा रहे हैं।' अब जरूरत है कि प्रशासन तुरंत निर्माण कार्य को व्यवस्थित करे, पार्किंग और पानी की वैकल्पिक व्यवस्था करे, ताकि मांडू का पर्यटन सीजन बर्बाद होने से बच सके।

बार-बार शिकायत, नहीं हो रहा समाधान

व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने कई बार सड़क परिवहन और मांडू पर्यटन विकास निगम को निर्माण सामग्री हटाने और ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए अवगत कराया। लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

क्या अगस्त में भी लगेगा ग्रहण?

पर्यटन विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अगस्त से पहले व्यवस्थाएं नहीं सुधारी गईं तो मांडू मे आने वाले पर्यटकों की लगने वाली भीड़ का आंकड़ा 20-25 हजार की भीड़ भी कम हो जाएगी। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था पर सीधा असर पड़ेगा।

इंग्लैंड ने फ्रांस को 6-4 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया

मियामी, एजेंसी। इंग्लैंड ने फीफा विश्व कप 2026 के तीसरे स्थान के मुकाबले में फ्रांस को रोमांचक मुकाबले में 6-4 से हराकर 1966 में विश्व चैंपियन बनने के बाद विश्व कप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया। इंग्लैंड ने पहले हाफ में ही चार गोल दागकर मैच पर मजबूत पकड़ बना ली थी। हालांकि दूसरे हाफ में फ्रांस ने चार गोल कर जोरदार वापसी की कोशिश की, लेकिन अंत में बुकायो साका ने पेनल्टी पर अपना हैट्रिक गोल दागा और जूद बेलिंगहैम ने स्टॉपेज टाइम में गोल कर इंग्लैंड की जीत पर मुहर लगा दी।

फुटबॉल वर्ल्डकप फाइनल का क्रेज

कोलकाता में परीक्षा टली, केरल के स्कूलों में छुट्टी

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया के सबसे बड़े स्पोर्ट्स इवेंट फुटबॉल वर्ल्ड कप का फाइनल मैच रात 12:30 बजे से खेला गया। फाइनल का क्रेज भारत में भी देखने को मिला।

सबसे ज्यादा दीवानगी कोलकाता में रही, यहां स्पोर्ट्स बार, मल्टीप्लेक्स, क्लब और मोहल्लों के मैदानों पर बड़ी स्क्रीन लगी थी। स्कूलों ने 20-21 जुलाई की परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। बेंगलुरु पुलिस और असम सरकार ने होटल, रेस्तरां और क्लबों को सुबह 3:30 बजे तक खुला रखने की अनुमति दी है। अर्जेंटीना के सबसे ज्यादा फैंस कोलकाता में हैं मोहन बागान क्लब के सदस्य प्रसेनजीत सरकार ने बताया बंगाल में कोई कहे कि उसे फुटबॉल पसंद नहीं है, तो उसके बंगाली होने पर ही सवाल उठ सकता है। कोलकाता में अर्जेंटीना के समर्थक सबसे ज्यादा हैं। केरल के मंदिरों, खासकर गुरुवयूर के श्रीकृष्ण मंदिर में फैन मेसी और स्पेन के यमाल के लिए खास प्रार्थना और चढ़ावा चढ़ाने के लिए उमड़ रहे थे।

देर रात तक जागता रहा देश, होटल-रेस्टोरेंट खुलें रहे

गुवाहाटी में वर्ल्डकप थीम पर डिश... गुवाहाटी के एलीट क्लब्स और फाइव-स्टार होटल्स के 'वर्ल्ड कप थीम' में 'मेसी किक बर्गर' और 'स्पेनिश ट्रॉफी मॉकटेल' जैसे व्यंजन शामिल रहे। कई नामचीन पब्स और लाउंज ने 'जर्सी ड्रेस कोड' अनिवार्य किया। रेस्तरां के फर्श पर आर्टिफिशियल टर्फ बिछाई। स्टाफ ने भी हाथों में व्हिसल और जर्सी पहनकर सर्व किया। कोच्चि के ईगल एफसी फुटबॉल क्लब ने बड़ी स्क्रीन पर लाइव स्ट्रीमिंग के लिए टिकट की कीमत 90 से 500 रुपए रखी।

केरल में आज छुट्टी का ऐलान... केरल सरकार ने फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल को देखते हुए राज्य में सोमवार को सभी स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया। मुख्यमंत्री वी.डी. सतीसन के निर्देश के बाद अवकाश का ऐलान किया गया। राज्य के छात्रों ने सोशल मीडिया पर सोमवार को छुट्टी की मांग की थी।

फ्रांस फुटबॉल टीम के नए मुख्य कोच होंगे जिनेदिन जिदान

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के महान फुटबॉलर जिनेदिन जिदान फ्रांस की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम (लेस ब्लू) के नए मुख्य कोच बनने जा रहे हैं। फ्रांसीसी समाचार पत्र एलइकिप के अनुसार, जिदान एक सितंबर से टीम की कमान संभालेंगे। वह डिडिएर डेशां की जगह लेंगे, जिनका 14 वर्षों का सफल कार्यकाल फीफा विश्व कप 2026 के साथ समाप्त हो गया। डेशां का कार्यकाल शनिवार को मियामी में खेले गए फीफा विश्व कप 2026 के तीसरे स्थान के मुकाबले के बाद समाप्त हुआ, जिसमें फ्रांस को इंग्लैंड के हाथों 6-4 से हार का सामना करना पड़ा। डिडिएर डेशां ने वर्ष 2012 में फ्रांस की कमान संभाली थी।

पी.वी. सिंधु ने रचा इतिहास... अकाने यामागुची को हराकर जीता जापान ओपन 2026 का खिताब

टोक्यो, एजेंसी

भारत की स्टार शटलर पी.वी. सिंधु ने रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान की अकाने यामागुची को सीधे गेमों में हराकर जापान ओपन 2026 महिला एकल का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ सिंधु जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। फाइनल मुकाबले में सिंधु ने आक्रामक स्मैश, सटीक ड्रॉप शॉट और बेहतरीन कोर्ट कवरेज का प्रदर्शन करते हुए घरेलू खिलाड़ी यामागुची को 21-17, 21-17 से मात्र 50 मिनट में पराजित किया। इसके साथ ही उन्होंने अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 खिताब भी जीत लिया।

चार साल बाद जीता बड़ा खिताब

31 वर्षीय सिंधु के लिए यह सिंगापुर ओपन सुपर 500 (2022) के बाद पहला बड़ा खिताब है। पिछले दो वर्षों में चोटों के कारण उन्हें कई कठिन दौर से गुजरना पड़ा था और वह अपनी लय व निरंतरता हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही थीं। जापान ओपन का यह खिताब उनके शानदार वापसी का प्रमाण है।

यामागुची पर बढ़ाई बढ़त

इस जीत के साथ सिंधु ने तीन बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची के खिलाफ अपने आमने-सामने के रिकॉर्ड को 16-14 कर लिया। इससे पहले उन्होंने यामागुची को 2022 थाईलैंड ओपन में पूर्ण मुकाबले में हराया था।

पहले गेम में शानदार वापसी

पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। मध्यांतर तक यामागुची दो अंकों की बढ़त पर थीं, लेकिन इसके बाद सिंधु ने अपने खेल का स्तर ऊंचा किया और लगातार दबाव बनाया। 17-15 के स्कोर पर दोनों खिलाड़ियों के बीच 38 शॉट की शानदार रैली हुई, जिसमें यामागुची ने बेहतरीन रक्षण किया।

भारतीय बैडमिंटन के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि : मोदी

स्टार शटलर पीवी सिंधु जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय बन गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो बार की ओलंपिक पदक विजेता को इतिहास रचने पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने सिंधु की जीत को भारतीय बैडमिंटन के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बाताया है, जो देश भर के युवा एथलीट्स की पीढ़ियों को प्रेरित करेगी। एन.चंद्रबाबू नायडू ने सिंधु को बधाई देते हुए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, यामागुची के खिलाफ सीधे गेम में शानदार जीत (21-17, 21-17) हासिल करके जापान ओपन जीतने पर पीवी सिंधु को बहुत-बहुत बधाई। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने एक्स पर लिखा, जापान में ऐतिहासिक जीत। जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय बनने पर पीवी सिंधु को बधाई। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने भी सिंधु को जापान ओपन का खिताब जीतने पर बधाई दी। उन्होंने अपने एक्स पर लिखा, जापान ओपन में सिंधु का दबदबा।

फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल : मंत्री मांडविया ने लोगों के साथ चलाई साइकिल

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल अभियान के तहत रविवार को केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने साइकिल चालकों के साथ साइकिल चलाकर लोगों को फिट रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर मनसुख मांडविया ने कहा कि आज के संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के साथ बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। संडे ऑन साइकिल का 82वां संस्करण है। उन्होंने कहा कि यह भले ही एक छोटा प्रयास है, लेकिन यही आगे चलकर बड़े बदलाव की शुरुआत बन सकता है।

युवराज सिंह ने बजाई मशहूर पांच-मिनट वाली घंटी

लंदन, एजेंसी

भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने रविवार को ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर भारत और इंग्लैंड के बीच हो रहे तीसरे वनडे को यादगार बना दिया। युवराज ने मैच की शुरुआत का संकेत देने के लिए मैदान की मशहूर पांच-मिनट वाली घंटी बजाई।

युवराज पेविलियन में बॉलर्स राइटिंग रूम के बाहर लगी मशहूर घंटी के पास खड़े हुए और उत्साहित दर्शकों के सामने यह सम्मानजनक रस्म पूरी की। उनके पीछे उनकी पत्नी और अभिनेत्री हेजल कीच के साथ-साथ मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) के अधिकारी और सदस्य भी मौजूद थे। वेस्टइंडीज के महान खिलाड़ी ब्रायन लारा और क्लाइव लॉयड भी वनडे सीरीज के इस निर्णायक मैच के लिए वहां मौजूद थे। युवराज सिंह 2011 वनडे विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य थे और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। लॉर्ड्स में घंटी बजाने की परंपरा 2007 में शुरू हुई थी। इसके तहत किसी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर, प्रशासक या खेल के जाने-माने प्रशंसक को घंटी बजाने के लिए बुलाया जाता है, ताकि यह संकेत दिया जा सके कि दिन का खेल शुरू होने में पांच मिनट बाकी हैं।

रोहित-कोहली ने रचा इतिहास

बतौर जोड़ी 400वां अंतरराष्ट्रीय मैच

लंदन, एजेंसी

रोहित शर्मा और विराट कोहली की जोड़ी ने इतिहास रच दिया है। यह एक साथ 400 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली भारतीय जोड़ी है। वैश्विक स्तर पर शीर्ष-4 जोड़ियां श्रीलंकाई खिलाड़ियों की हैं।

कुमार संगकारा/महेला जयवर्धने की जोड़ी इस मामले मे शीर्ष पर है, जिसने एकसाथ कुल 550 मुकाबले खेले। वहीं, श्रीलंका के ही तिलकरत्ने दिलशान/महेला जयवर्धने की जोड़ी (426) इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर है। कुमार संगकारा/तिलकरत्ने दिलशान की जोड़ी ने एक साथ कुल 418 मैच खेले, जबकि सनथ जयसूर्या/मुथैया मुरलीधरन की जोड़ी ने 408 मुकाबलों में एक साथ प्लेइंग इलेवन में शामिल होने का कारनामा किया। इस लिस्ट में पांचवें स्थान पर जैक्स कैलिस/मार्क बाउचर की जोड़ी है, जिसने 407 मुकाबले खेले थे। रोहित-कोहली की जोड़ी इस लिस्ट में छठे स्थान पर है।

घरेलू बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 660 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 770 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। चेन्नई में आज सोने के भाव में 360 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 390 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी दर्ज की गई है। सोने के अलावा चांदी के भाव में आज 100 रुपये प्रति किलोग्राम की मामूली तेजी दर्ज की गई है। भाव में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में सांकेतिक उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए, तो लगातार उठापटक होने के कारण सोना और चांदी दोनों धातुओं के भाव में गिरावट आई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोना 1,040 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। इसी तरह 22 कैरेट सोने के भाव में साप्ताहिक आधार पर 950 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई। चांदी भी उतार-चढ़ाव के बावजूद पिछले सप्ताह के कारोबार में सस्ता हो गया। इस गिरावट के कारण चांदी का भाव साप्ताहिक आधार पर 5 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक फिसल गया।

ट्राई ने ट्रूकॉलर 1600 सीरीज से फ्रिक्वेंटली ब्लॉक्ड टैग हटाए : ट्राई

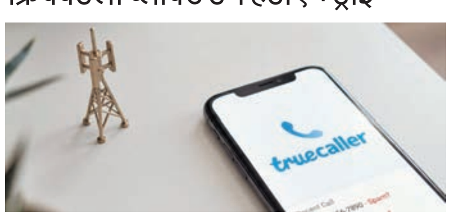

नई दिल्ली, एजेंसी। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) ने ट्रूकॉलर द्वारा 140 और 1600 नंबर सीरीज से आने वाली कॉल्स पर 'फ्रिक्वेंटली ब्लॉक्ड' का टैग दिखाने पर आपत्ति जताई है। टेलीकॉम नियामक का कहना है कि ऐसे लेबल टेलीकॉम ग्राहकों को गुमराह कर सकते हैं और सही कमर्शियल और सरकारी बातचीत को लेकर बेवजह शक पैदा कर सकते हैं। ट्राई के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि रेगुलेटेड नंबर सीरीज को 'फ्रिक्वेंटली ब्लॉक्ड' जैसे लेबल के साथ टैग करना सही नहीं है, क्योंकि इससे यूजर्स के मन में दुविधा की स्थिति पैदा हो सकती है और रेगुलेटर के तय नियमों के तहत की जाने वाली कॉल्स पर भरोसा कम हो सकता है। टेलीकॉम नियामक ने ट्रूकॉलर को सुझाव दिया है कि यूजर्स को यह बताने वाला एक मैसेज दिखाना चाहिए कि वे ट्राई के आधिकारिक 'डू नॉट डिस्टर्ब' (डीएनडी) प्रेफरेंस मैनेजमेंट ऐप के जरिए 140 सीरीज से आने वाले अनचाहे प्रमोशनल कम्युनिकेशन को ब्लॉक करने का विकल्प चुन सकते हैं। नियामक के अनुसार, अलग-अलग नंबरों को लेबल करने के बजाय डीएनडी सिस्टम के बारे में लोगों में अधिक जागरूकता लाना ज्यादा असरदार समाधान होगा, क्योंकि इससे कंज्यूमर अपने कम्युनिकेशन से जुड़े विकल्पों को व्यवस्थित तरीके से मैनेज कर सकते हैं। ट्राई ने 1600 सीरीज को खास तौर पर रेगुलेटेड बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विस और इंश्योरेंस (बीएफएसआई) कंपनियों की सर्विस और ट्रांजैक्शनल कॉल के लिए तय किया है। इनमें रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया, इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया और पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी की निगरानी में काम करने वाली कंपनियां शामिल हैं।

पारंपरिक भारतीय शिल्प कौशल आर्थिक विकास में निभा सकती है अहम भूमिका : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि इनोवेशन और वैश्विक साझेदारियों के जरिए पारंपरिक भारतीय शिल्प कौशल आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभा सकती है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से लिखे गए आर्टिकल को साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि 'एक जिला, एक उत्पाद' पहल स्थानीय शिल्पों को बाजार तक पहुंच हासिल करने, स्थायी आजीविका सृजित करने, विरासत को संरक्षित करने और भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने में मदद कर रही है।

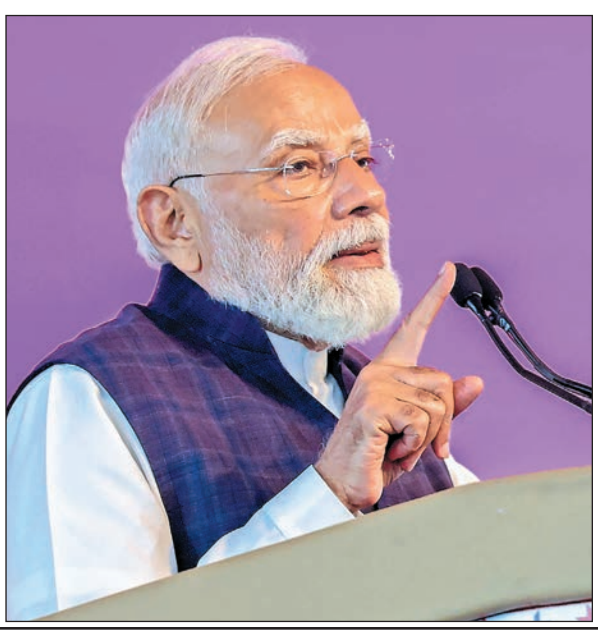

भारत-फ्रांस की साझेदारी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि चेन्नई स्थित 'वस्त्रकला' इस बात का उदाहरण है कि फ्रांस जैसे देशों के साथ सहयोग भारतीय कारीगरों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने में कैसे मदद कर सकता है। उन्होंने बताया कि हाल ही में पेरिस में आयोजित एक निवेशकों की बैठक के दौरान भारत में फ्रांस के राजदूत ने 'वस्त्रकला' का जिक्र किया था। यह भारत-फ्रांस की साझेदारी का एक अनूठा उदाहरण है, जिसने फ्रांस की हाउट कूचर यानी उच्चस्तरीय फैशन कला को भारत की सदियों पुरानी कढ़ाई परंपरा के साथ जोड़ा है। वित्त मंत्री ने बताया कि वस्त्रकला कांचीपुरम-श्रीपेरंबुदूर-तिरुवल्लूर के सूखा-प्रभावित क्षेत्र में स्थित है। उन्होंने कहा, 'पुराने समय में जब बारिश नहीं होती थी, तो खेती का काम रुक जाता था। जब हल चलना बंद हो जाता था, तब किसान सुई-धागा उठाकर सूती और रेशमी कपड़ों पर सुंदर कढ़ाई किया करते थे। अपनी रचनात्मकता के बल पर ग्रामीण सूखे की कठिनाइयों का सामना कर लेते थे। यह कला असाधारण धैर्य, बारीकी और अनुशासन की मांग करती है, और ये गुण शुष्क क्षेत्रों के किसानों में भरपूर होते हैं।'

सुरक्षा और नवाचार दोनों पर फोकस

एआई के लिए संतुलित नियामक ढांचा तैयार कर रहा भारत : आईटी सचिव

नई दिल्ली, एजेंसी

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस. कृष्णन ने कहा कि भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए एक संतुलित और सावधानीपूर्वक तैयार किया गया नियामक ढांचा विकसित कर रहा है, जिसका उद्देश्य आवश्यक सुरक्षा उपायों और नवाचार के बीच संतुलन बनाए रखना है। इसके लिए अमेरिका, यूरोपीय संघ (ईयू) और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों द्वारा अपनाए जा रहे विकसित होते नियामक दृष्टिकोणों का भी अध्ययन किया जा रहा है।

दुनियाभर में एआई की क्षमताएं तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में विभिन्न देशों की सरकारें शक्तिशाली एआई मॉडलों को विनियमित करने के तरीकों पर विचार कर रही हैं, ताकि तकनीकी प्रगति बाधित न हो। भारत भी इसी के साथ इंडियाएआई मिशन के माध्यम से अपने एआई इकोसिस्टम का विस्तार कर रहा है, सार्वजनिक कंप्यूटिंग अवसंरचना को मजबूत बना रहा है और स्वदेशी एआई विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। कृष्णन ने कहा कि अब वैश्विक स्तर पर इस बात पर सहमति बन रही है कि एआई को पूरी तरह बिना किसी नियमन के नहीं छोड़ा जा सकता।

पांच कंपनियों की होगी लिस्टिंग

प्राइमरी मार्केट में अगले सप्ताह खुलेंगे 5 नए आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी

सोमवार यानी 20 जुलाई से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में सामान्य हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह पांच कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें दो कंपनियों के आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि शेष तीन आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं।

इसके अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुले दो आईपीओ में भी 21 और 22 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह पांच कंपनियां स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं। इनमें तीन कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की जबकि शेष दो कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 20 जुलाई को गल्फ लॉयड्स का 18.19 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 22 जुलाई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 100 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। इसके अगले दिन 21 जुलाई को मेटैलिक टेक्नोफोर्ज का 49.96 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। तीसरे कारोबारी दिन 22 जुलाई को क्यूब हाइवेज ट्रस्ट का 5,000 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 24 जुलाई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 29 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। श्री बालाजी माला का 18.90 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 जुलाई को ही सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी 24 जुलाई तक बोली लगाई जा सकेगी। सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन 23 जुलाई को एक्स्ट्रानेट टेक्नोलॉजीज का 166.80 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा।

चेरी से बढ़ेगी कश्मीर के किसानों की आय

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार किसानों की आय लगातार बढ़ाने का प्रयास कर रही है। इसकी क्रम में जम्मू-कश्मीर के शोपियां और पुलवामा से सिंगापुर को प्रीमियम अरेको चेरी और सेंटरोज प्लम की पहली खेप का निर्यात हुआ है। यह जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को दी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में गोयल ने कहा, 'शोपियां और पुलवामा के बागवानों के लिए ये खबर किसी खुशखबरी से कम नहीं है। एपीडा के सहयोग से प्रीमियम अरेको चेरी और सेंटरोज प्लम की पहली खेप सिंगापुर रवाना हुई। यह पहल किसानों को बेहतर दाम, वैश्विक बाजारों तक सीधी पहुंच और भारत के कृषि निर्यात को नई मजबूती प्रदान करेगी।' वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि उसके आधीन कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने शोपियन और पुलवामा से सिंगापुर के लिए प्रीमियम अरेको चेरी और सेंटरोज प्लम की पहली खेप के निर्यात की सुविधा प्रदान की है।

भारत 'मेक इन इंडिया' नागरिक विमान के दौर में कर रहा प्रवेश : नायडू

नई दिल्ली, एजेंसी

नागर विमानन मंत्री राममोहन नायडू ने रविवार को कहा कि 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत भारत के एयरोस्पेस सेक्टर की क्षमता तेजी से बढ़ रही है और देश ऐसे भविष्य की तरफ बढ़ रहा है, जहां नागरिक स्थानीय स्तर पर बने विमानों में सफर करेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने भारत में निर्मित पहले एयरबस सी-295 सैन्य परिवहन विमान का वीडियो साझा करते हुए इसे देश के एयरोस्पेस और रक्षा विनिर्माण क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में नायडू ने कहा कि उन्होंने हाल ही में वडोदरा स्थित टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) की विनिर्माण इकाई का दौरा किया, जहां सी-295 विमान का निर्माण किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'वडोदरा में टीएएसएल की उस अत्याधुनिक इकाई का दौरा किया, जहां सी-295 विमान बनाए जा रहे हैं। यह विमान निर्माण सुविधा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन का प्रमाण है। जैसे-जैसे भारत एयरोस्पेस विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत कर रहा है, हम लगातार ऐसे भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं, जहां भारतीयों को 'मेड इन इंडिया' नागरिक विमानों में गर्व के साथ उड़ान भरने का अवसर मिलेगा।'

एयरबस और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप से विकसित सी-295 पहला ऐसा सैन्य विमान है, जिसका निर्माण सरकार की प्रमुख 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत निजी क्षेत्र द्वारा भारत में किया जा रहा है। इस विमान का निर्माण वर्ष 2021 में भारतीय वायुसेना के लिए 56 सी-295 परिवहन विमानों की खरीद संबंधी 2.6 अरब डॉलर के समझौते के तहत किया जा रहा है। इनमें से 16 विमान स्पेन से पूरी तरह तैयार अवस्था में दिए जा रहे हैं, जबकि शेष 40 विमानों को गुजरात के वडोदरा स्थित संयंत्र में असेंबल किया जा रहा है।

क्षिप्रा को प्रदूषण मुक्त बनाने की कवायद तेज

नमामि गंगे प्रोजेक्ट : निगम आयुक्त ने दिए समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। क्षिप्रा नदी के संरक्षण और आगामी सिंहस्थ महापर्व को ध्यान में रखते हुए नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत सीवरेज ट्रीटमेंट कार्यों में तेजी आ गई है। इसी सिलसिले में नगर पालिक निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने निर्माणाधीन सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और सीवेज पंपिंग स्टेशनों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित निर्माण एजेंसी को कड़ी चेतावनी दी कि सभी कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में हर हाल में पूर्ण किए जाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार क्षिप्रा नदी के संरक्षण और इसे पूरी तरह प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए अत्यंत गंभीर है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का मुख्य उद्देश्य शहर के गंदे और प्रदूषित पानी को क्षिप्रा नदी में मिलने से रोकना है, ताकि सिंहस्थ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं को नदी में स्वच्छ, अविरल और पवित्र जल प्रवाह मिल सके। निरीक्षण के दौरान यह सामने आया कि नमामि गंगे परियोजना के तहत 82 करोड़ की लागत से आयुर्वेदिक धनवंतरी कॉलेज के पीछे 22 मिलियन लीटर प्रतिदिन क्षमता का सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया जा रहा है। इसके साथ ही सीवेज पंपिंग स्टेशन और 600 एमएम व्यास की डक्टाइल आयरन पाइपलाइन बिछाई जा रही है, जिसकी लंबाई 920 मीटर है। साथ ही 2 हजार मीटर लंबी सीवेज वाटर ट्रीटमेंट पाइपलाइन का निर्माण भी किया जा रहा है। निगम आयुक्त मिश्रा ने मौके पर प्रस्तावित ड्राइंग-डिजाइन की गहन समीक्षा की और उसे अनुमोदित करते हुए एजेंसी के प्रतिनिधियों को खुदाई का कार्य तुरंत और तेज गति से पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त के साथ अधीक्षण यंत्री प्रमोद मालवीय, कार्यपालन यंत्री साहिल मैदावाला सहित निर्माण एजेंसी के वरिष्ठ प्रतिनिधि और तकनीकी अमला मौजूद रहा।

क्षेत्र को भी मिलेगी प्रदूषण से मुक्ति

परियोजना के दूसरे हिस्से के तहत मंगलनाथ मंदिर के सामने 22 मिलियन लीटर क्षमता का आईएनडी पंपिंग स्टेशन बनाया जा रहा है। इसके अलावा भैरवगढ़ नाले पर 2.38 क्षमता का वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित होगा। इस क्षेत्र में सीवेज पंपिंग स्टेशन के साथ 500 मीटर लंबी व 200 एमएम व्यास की पाइपलाइन तथा 1500 मीटर लंबी व 200 एमएम व्यास की सीवेज वाटर ट्रीटमेंट पाइपलाइन डाली जाएगी। इस पूरी परियोजना का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि शहर के सबसे बड़े प्रदूषक माने जाने वाले पीलियाखाल नाले और भैरवगढ़ नाले से निकलने वाले दूषित और गंदे पानी को पूरी तरह से ट्रीट किया जाएगा। इसके बाद ही शुद्ध जल को क्षिप्रा नदी में छोड़ा जाएगा, जिससे नदी का पारिस्थितिकी तंत्र सुधरेगा।

भक्ति और उल्लास के साथ निकली श्री जगन्नाथ रथयात्रा

विनय उजाला

नागदा जं., निप्र। श्री कृष्णभावना अमृत संघ इस्कॉन उज्जैन एवं नागदा के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ निकाली गई। रथयात्रा का शुभारंभ पुरानी कृषि उपज मंडी परिसर से हुआ, जो महात्मा गांधी मार्ग, जवाहर मार्ग, पुराना बस स्टैंड एवं महिदपुर रोड होते हुए ज्योति श्री गार्डन पहुंची। आयोजन समिति के राकेश यादव, मुकेश डोडिया एवं डॉ. अनंत शर्मा ने बताया कि यात्रा में महिला मंडल की विशेष सहभागिता रही। बंगाली समाज पारंपरिक वेशभूषा में भक्ति-कीर्तन करते हुए शामिल हुआ, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। यात्रा मार्ग पर माहेश्वरी समाज द्वारा भोग-प्रसाद एवं सेवा की व्यवस्था की गई, जबकि किराना व्यापारी संघ ने जल सेवा एवं पुष्पों से स्वागत किया। शहर को आकर्षक स्वागत द्वारों से सजाया गया तथा विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा कर श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया गया। रथयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। आदित्य विद्या मंदिर स्कूल के छात्र-छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। इस दौरान सामाजिक, धार्मिक एवं विभिन्न संगठनों के अनेक पदाधिकारी और नागरिक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

बच्चे देखेंगे विधानसभा की कार्यवाही देखेंग

नागदा जं., निप्र। जैन सोशल ग्रुप नागदा के तत्वावधान में बच्चों का एक दल 20 जुलाई को भोपाल के शैक्षणिक भ्रमण पर रवाना होगा। भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को मानसून सत्र के दौरान मध्यप्रदेश विधानसभा की जीवंत कार्यवाही से परिचित कराना तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया की व्यावहारिक जानकारी देना है। ग्रुप के अध्यक्ष धर्मेंद्र बंम एवं सचिव प्रशांत नाहर ने बताया कि संभवत : पहली बार सकल जैन समाज के बच्चे एक साथ विधानसभा की दर्शक दीर्घा में बैठकर सदन की कार्यवाही का अवलोकन करेंगे। इसके साथ ही साइंस सेंटर एवं ट्रायबल म्यूजियम का भ्रमण कर विज्ञान, संस्कृति और जनजातीय विरासत से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्राप्त करेंगे। उन्होंने बताया कि यशवंत धूपिया, अमित बंम एवं पंकज पावेचा के संयोजन में इस शैक्षणिक यात्रा की सुव्यवस्थित रूपरेखा तैयार की गई है। अरविंद नाहर, दिलीप कांठेड़, श्रेणिक जैन, शर्मिला बंम, श्रुति मुरडिया, सरिता सकलेचा, वीभा बंम एवं टीना जैन के संरक्षण में भ्रमण आयोजित किया जा रहा है। इस पहल के लाभार्थी सुरेश जैन एडवोकेट, पारस पोखरना एवं नितिन बुड़ावनवाला हैं।

गुरुजन सम्मान और गौ-सेवा का हुआ आयोजन

उज्जैन, निप्र। विप्र सेवा मध्य प्रदेश के स्थापना दिवस और संस्था के सफल छह वर्ष पूर्ण कर सातवें वर्ष में प्रवेश के उपलक्ष्य में रविवार 19 जुलाई को प्रदेशभर में विभिन्न सेवा कार्य किए गए। धार्मिक नगरी उज्जैन के महामृत्युंजय विद्यापीठ में विद्वान गुरुजनों का पुष्पमालाओं से सम्मान किया गया तथा वेदों का अध्ययन कर रहे बटुकों को फल वितरित किए गए। इसके पश्चात संस्था के पदाधिकारियों ने विष्णु सागर गौशाला पहुंचकर गौमाता का विधि-विधान से पूजन किया और उन्हें हरा चारा खिलाया। इस अवसर पर संभाग अध्यक्ष पंडित समरथ शर्मा, जिला अध्यक्ष पंडित महेंद्र व्यास, पंडित शिवम नांदेड़, पंडित अनिल शर्मा सहित कई विप्र बंधु उपस्थित रहे।

अभा बलाई महासभा की राष्ट्रीय बैठक संपन्न

उज्जैन, निप्र। विक्रम यूनिवर्सिटी स्थित अतिथि निवास में अखिल भारतीय बलाई महासभा के तत्वावधान में एक राष्ट्रीय स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज को संगठित करने, बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने और देशभर में संत कबीर के विचारों के प्रचार-प्रसार पर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जयपुर के पूर्व विधायक व महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल बछेर थे, जबकि अध्यक्षता मदनलाल राठौर ने की। प्रदेश कार्यालय सचिव धर्मेंद्र सोलंकी ने बताया कि बैठक में देवास के समीप लगभग 50 बीघा शासकीय भूमि पर संत कबीर साहब का भव्य आश्रम स्थापित करने की मांग सरकार से करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद सभी सदस्य घट्टिया में आयोजित कबीर साहब के कार्यक्रम में शामिल हुए। बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ललिता मालवीय, राष्ट्रीय प्रवक्ता सत्यनारायण मालवीय, जिला अध्यक्ष जगदीश मकवाना सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

मूक-बधिर छात्रावास में रोपे 162 पौधे

उज्जैन, निप्र। प्रकृति संरक्षण के पावन उद्देश्य से समाजसेवी व पूर्व नगर निगम सभापति प्रकाश चित्तौड़ा और उद्योगपति अशोक बाफना के परिवारों ने अपने माता-पिता की पावन स्मृति में हामूखेड़ी स्थित शासकीय मूक-बधिर छात्रावास परिसर में 162 पौधे रोपे। रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम में गायत्री परिवार के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच प्रकाश चित्तौड़ा की पत्नी अलका चित्तौड़ा का जन्मदिन भी मनाया गया, जिसके उपलक्ष्य में उन्होंने 111 आम के पौधे लगाए। वहीं बाफना परिवार ने 51 पौधे रोपे। इस अवसर पर लायंस क्लब द्वारा हॉस्टल के मूक-बधिर विद्यार्थियों को खेल सामग्री और मिठाई का वितरण किया गया। कार्यक्रम में आरएसएस, भारत विकास परिषद, रोटरी क्लब सहित शहर की अनेक सामाजिक संस्थाओं ने सहभागिता की। संचालन शशांक दुबे ने किया व आभार पूजा चित्तौड़ा ने माना।

चातुर्मास मंगल प्रवेश: धर्म आराधना से मन की शुद्धि का संदेश

विनय उजाला

नागदा जं., निप्र। श्री महावीर भवन में भव्य चातुर्मास के लिए पूज्य महासती चरित्रप्रभाजी ठाणा-3 का धर्ममय मंगल प्रवेश श्रद्धा और भक्ति के साथ हुआ। प्रवेश शोभायात्रा में पुरुष श्वेत वस्त्रों में तथा महिलाएं ड्रेस कोड के अनुसार गुलाबी एवं लाल साड़ी पहनकर शामिल हुईं, जिससे वातावरण भक्तिमय बन गया।

मंगल प्रवेश के बाद आयोजित धर्मसभा में महासती सरोजश्रीजी म.सा. ने कहा कि शरीर की सफाई तो हर व्यक्ति कर सकता है, लेकिन मन की शुद्धि के लिए ज्ञान, दर्शन और चरित्र की धर्म आराधना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि चातुर्मास के चार महीने आत्मचिंतन, तप, त्याग और जिनवाणी के श्रवण का श्रेष्ठ अवसर हैं। महासती जलजश्रीजी म.सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि धर्म साधना के लिए मन में उत्साह होना जरूरी है।

उत्साह के साथ की गई आराधना, तपस्या और त्याग जीवन को सफल बनाते हैं। उन्होंने सभी से धर्म को जीवन में सर्वोच्च स्थान देने का आह्वान किया। मंगल प्रवेश अवसर पर चंद्रशेखर खिंदावत, सुरेंद्र पितलिया, राजेंद्र कांठेड़, कमलनयन चपलोत, राज अनिल कांठेड़, सतीश जैन सांवेर वाले, चंदनमल संघवी, हीरामणि औरा एवं ममता दलाल ने स्वागत उद्बोधन दिए। कार्यक्रम का संचालन एवं प्रभावना चातुर्मास समिति अध्यक्ष दिलीप कांठेड़ एवं पार्थ कांठेड़ ने किया। अतिथि सत्कार का लाभ निर्मल कुमार जैन, कल्पेश कुमार एवं निलेश कुमार चपलोत परिवार ने लिया।

आज से पांच दिवसीय नि :शुल्क चिकित्सा शिविर

उज्जैन, निप्र। शहर के क्षीरसागर स्थित प्रकाश टॉकीज की गली में स्थित जायसवाल धर्मशाला में 20 से 24 जुलाई तक पांच दिवसीय नि:शुल्क नाड़ी परीक्षण एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में जबलपुर के प्रसिद्ध आयुर्वेद विशेषज्ञ व मां दुर्गा वन औषधि संजीवनी अनुसंधान के डायरेक्टर संतोष आनंद जायसवाल मरीजों की नि:शुल्क जांच कर आयुर्वेदिक पद्धति से उपचार करेंगे। पिछले 25 वर्षों से असाध्य रोगों का इलाज कर रहे डॉ. जायसवाल इस शिविर में बिना किसी सर्जरी के मात्र पांच मिनट में मस्सा निकालने की विशेष सुविधा देंगे। लीवर, किडनी, बवासीर, थायराइड, मिर्गी, कैंसर, चर्म रोग और नि:संतानता जैसी गंभीर बीमारियों का भी इलाज किया जाएगा।

मीणा समाज ने किया पौधारोपण

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। ग्राम बाड़कुमेद स्थित खाटू श्याम मंदिर दूरदर्शी परिसर में रविवार को मीणा समाज द्वारा एक वृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण 105 वर्षीय बुजुर्ग भेरूलाल जमादार रहे, जिन्होंने स्वयं पौधा रोपकर नई पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण का अमूल्य संदेश दिया। इस दौरान समाजजनों ने एक पौधा एक जीवन और हरियाली ही हमारी सच्ची विरासत का संकल्प लिया।

इस अवसर पर मीणा समाज के अध्यक्ष संतोष मीणा, कमल पटेल, मानसिंह मीणा सहित उज्जैन जिला मीणा समाज की टीम से जिलाध्यक्ष योगेश मीणा, युवा अध्यक्ष आशुतोष मीणा, बालमुकुंद मीणा और ग्राम

बाड़कुमेद के युवा मीणा समाज के कार्यकर्ताओं सहित सतनारायण पाटीदार व गब्बर पटेल ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अनुसूचित जाति विभाग जिलाध्यक्ष का हुआ स्वागत

विनय उजाला

नागदा जं., निप्र। कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत अनुसूचित जाति विभाग के जिलाध्यक्ष दिनेश बौद्ध के नगर आगमन पर रविवार को पूर्व विधायक दिलीपसिंह गुर्जर के निवास पर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। संगठन विस्तार और आगामी गतिविधियों को लेकर पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा की गई। खाचरौद ब्लॉक अध्यक्ष राधेश्याम सोलंकी केशरिया, खाचरौद शहर अध्यक्ष जगदीश सिलावट, नागदा शहर अध्यक्ष जगदीश मिमरोट, जिला उपाध्यक्ष बाबूलाल चौहान, जिला महासचिव राजू परमार, जिला सचिव राकेश डाबी, शांतिलाल निम्बोला तथा कमेटी सदस्य अनोखीलाल सोलंकी सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

युवा छात्र संसद में चमकीं उज्जैन की निशा

उज्जैन, निप्र। शासकीय जीजाबाई महाविद्यालय इंदौर में अध्ययनरत उज्जैन की होनहार छात्रा निशा जैन पिता विनोद जैन ने राष्ट्रीय स्तर पर शहर का नाम रोशन किया है। सत्ता पक्ष की ओर से प्रसिद्ध सांसद कंगना रनौत के पोर्टफोलियो का प्रतिनिधित्व करते हुए अत्यंत प्रभावशाली संसदीय प्रस्तुति दी। पूर्व निशा का चयन भोपाल विधानसभा युवा संसद के लिए भी हो चुका है। उनकी इस अभूतपूर्व सफलता पर उनके परिवार, महाविद्यालय और नगर के गणमान्य नागरिकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए इसे युवाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा बताया है।

जैन मुनियों और महासतियों का महावीर भवन में मंगल प्रवेश

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। परम पूज्य आचार्य भगवन 1008 श्री विजयराजजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती पंडित रत्न श्री पारस मुनिजी म.सा. सहित 7 मुनिराजों एवं परम विदुषी महासती श्री पदम श्रीजी म.सा. सहित 3 महासतियों का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश रविवार सुबह क्षीरसागर से नवकार निकेतन होते हुए श्री महावीर भवन, नमक मंडी में हुआ। इस वर्ष के वर्षावास को एक युद्ध-पाप के विरुद्ध नाम दिया गया है। धर्मसभा को संबोधित करते हुए पंडित रत्न श्री पारस मुनिजी ने कहा कि जीवन में शुद्ध लक्ष्य के साथ प्रयास करने से सफलता निश्चित मिलती है। आत्मा को सिद्ध बनाने के लिए तप की आराधना उत्साहपूर्वक करनी चाहिए। पूज्य श्री अभिनंदनमुनिजी ने समय के सदुपयोग और ज्ञान की आराधना पर बल दिया, जबकि पूज्य श्री विनोदमुनिजी ने चातुर्मास को आत्मचिंतन का समय बताते हुए सूर्य व समुद्र जैसे गुण अपनाने की प्रेरणा दी। धर्म स्थान में आना टाइम वेस्ट नहीं बल्कि टाइम इन्वेस्ट है।

तीखी धूप और उमस के बाद झमाझम बारिश

बदला मौसम का मिजाज, मौसम विभाग ने जारी किया नया अलर्ट

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। महाकाल की नगरी और आसपास के इलाकों में लंबे समय से सूखे और उमस की मार झेल रहे लोगों के लिए रविवार का दिन बड़ी राहत लेकर आया। दिनभर की तीखी धूप और भारी उमस से बेहाल लोगों को शाम होते ही झमाझम बारिश ने सराबोर कर दिया।

शाम होते ही मौसम ने अचानक करवट बदली और आसमान में काले बादलों का डेरा जमा गया। देखते ही देखते शहर के कई इलाकों में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश का दौर शुरू हो गया। झमाझम फुहारों से शहर की सड़कें तरबतर हो गईं और मौसम में एक बार फिर ठंडक घुल गई, जिससे लोगों को पिछले कई दिनों से जारी उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत मिली है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक इस मानसूनी सीजन में इससे पहले बीती 7-8 जुलाई की रात को शहर में 0.7 इंच

बारिश दर्ज की गई थी, जिसके बाद से ही लोग अच्छी बारिश की राह देख रहे थे। रविवार शाम हुई इस वर्षा के बाद अब शहर में कुल बारिश का आंकड़ा 426 मिमी तक पहुंच गया है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यह बारिश क्षेत्र की फसलों के लिए अमृत साबित होगी और किसानों के चेहरे खिल उठेंगे। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से आ रही लगातार नमी के कारण मालवा क्षेत्र में एक मजबूत वेदर सिस्टम एक्टिव हो रहा है। आगामी एक सप्ताह तक उज्जैन और आसपास के इलाकों में सावन जैसी झड़ी देखने को मिल सकती है, जो खेती-किसानी के लिए बेहद फायदेमंद साबित होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ जगदीशपुर में मंत्रि-परिषद ने ग्रुप फोटो खिंचाया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले किया संबोधित

गोंड, सिंधिया, राजपूत शासनकाल की विरासत का प्रतीक है जगदीशपुर : डॉ. यादव

विनय उजाला

इंदौर, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जगदीशपुर का गौरवशाली इतिहास रहा है। जगदीशपुर लंबे संघर्ष, समृद्ध संस्कृति और सभ्यता का साक्षी रहा है। जगदीशपुर, गोंड राजवंश के साथ ही सिंधिया और राजपूत शासन काल की गौरवशाली विरासत का प्रतीक है। यहां के गौरवशाली इतिहास के प्रति सम्मान के प्रकटीकरण के लिए मंत्रि-परिषद की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक समानता और न्याय की भावना को समर्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल के पास स्थित जगदीशपुर में मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले, मंत्री गण को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए।

जगदीशपुर दुर्ग पर केंद्रित फिल्म दिखाई : मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में 'समानता और न्याय की भावना को समर्पित' मंत्रि-परिषद की बैठक वंदे मातरम के गान के साथ आरंभ हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अपर मुख्य सचिवशिवशेखर शुक्ला ने पौधा और पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिवादन किया। बैठक में उपस्थित सभी मंत्री गण का मंत्रीविश्वास सारंग तथा राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने गोंड पेंटिंग भेंट कर अभिवादन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 10 करोड़ रुपए की लागत से नवसंवर्धित जगदीशपुर किले का लोकार्पण किया। जगदीशपुर दुर्ग के गौरवशाली इतिहास और राज्य शासन द्वारा दुर्ग के संरक्षण को समर्पित फिल्म का प्रदर्शन भी इस अवसर पर किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में जगदीशपुर में आयोजित कैबिनेट बैठक के पहले वंदे - मातरम् का गान हुआ।

स्लीमनाबाद वाटर टनल के लिए दी बधाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्लीमनाबाद वाटर टनल के लिए प्रदेशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इससे अनेक गांवों को लाभ मिलेगा। लगभग ढाई लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में किसानों को सिंचाई सुविधा मिलेगी। कटनी शहर को पेयजल उपलब्ध होगा। लगभग 12 किलोमीटर लंबी स्लीमनाबाद टनल से रीवा, सतना, मैहर, पन्ना और कटनी जिले लाभान्वित होंगे। आगामी दो से तीन माह में इस टनल परियोजना का शुभारंभ किया जाएगा।

शौर्य-सुशासन-लोककल्याण और सेवा क्षेत्र से जुड़े व्यक्तित्वों को समर्पित कैबिनेट बैठकें

डॉ. यादव ने कहा कि मंत्रि-परिषद की विशेष बैठकें शौर्य-सुशासन-लोककल्याण और सेवा क्षेत्र में विशेष स्थान रखने वाले प्रदेश के महान व्यक्तित्वों से जुड़े स्थानों पर आयोजित की गई हैं। इस कड़ी में पहली डेस्टिनेशन बैठक जबलपुर में वीरांगना रानी दुर्गावती के शौर्य को समर्पित रही। इसके बाद दमोह जिले के सिंग्रामपुर, लोकमाता अहिल्याबाई की नगरी महेश्वर में मंत्रि-परिषद की बैठक की गई। देवी लोकमाता अहिल्याबाई के 300 वें जयंती वर्ष पर इंदौर के राजवाड़ा में और उसके बाद पचमढ़ी के राजभवन में राजा भभूत सिंह के शौर्य को समर्पित मंत्रि-परिषद की बैठक हुई। इसी कड़ी में खजुराहो के महाराजा छत्रसाल कन्वेंशन सेंटर में मंत्रि-परिषद की बैठक हुई। बड़वानी जिले में भीलट बाबा देवस्थल नागलवाड़ी में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में जनजातीय नायक क्रांतिसूर्य टंट्या मामा का स्मरण किया गया।

जनजातीय नायकों और सुशासन पर केंद्रित प्रदर्शनी रही आकर्षण का केंद्र

मुख्यमंत्री निवास से चली ई-बसों के प्रति राजधानी वासी विशेष रूप से उत्सुक रहे, कई स्थानों पर ई-बसों पर पुष्प वर्षा की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मार्ग में पातरा पुल, लांबाखेड़ा और जगदीशपुर में प्रवेश पर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के जगदीशपुर पहुंचने पर विधायकविष्णु खत्री ने अंग वस्त्रम से उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का प्रवेश द्वार पर तिलक कर अभिवादन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर जगदीशपुर दुर्ग में लगाई गई धरोहर प्रदर्शनी का शुभारंभ कर अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय कलाकारों से संवाद भी किया। इस प्रदर्शनी में प्रदेश के जनजाति नायकों सहित सुशासन और शौर्य के पर्याय शासकों और राष्ट्रभक्तों के चित्र प्रदर्शित किए गए हैं।

किसान हित में हो रहे कार्यक्रम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में प्रदेश में किसान हित में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रदेश में बलराम कृषि महोत्सव जारी है, जिसमें किसानों को जैविक कृषि, खेती में अत्याधुनिक मशीनों के इस्तेमाल, फसल विविधीकरण, कीटनाशकों के कम से कम उपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

भारत टैक्स 2026 में मप्र की सक्रिय सहभागिता

डॉ. यादव ने कहा कि नई दिल्ली के भारत मंडपम में भारत टेक्स 2026 में मध्यप्रदेश ने सक्रिय रूप से सहभागिता की। इस आयोजन में प्रदेश को उद्योगपतियों और निवेशकों की ओर से लगभग 20 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिससे भविष्य में 12 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में भोपाल में हुई पहली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस 2025) की सफलता को विशेष रूप से सराहा गया।

प्रदेश के 23 जिलों में सामान्य से कम वर्षा

डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में कम वर्षा की स्थिति बनी हुई है। अब तक इंदौर, बुरहानपुर, नीमच, देवास, आगर-मालवा, भिंड, सीहोर और हरदा में सामान्य से अधिक वर्षा हुई। अब तक प्रदेश के 23 जिलों में सामान्य से कम और 23 जिलों में सामान्य वर्षा हुई है। अलीराजपुर अति अल्प वर्षा से प्रभावित हैं।

एमवीएम कॉलेज के खेल मैदान में मेट्रो स्टेशन निर्माण को रोकने के शासन स्तर पर प्रयास होंगे : परमार

एमवीएम एलुमिनी ने उच्च शिक्षा मंत्री को सौंपा ज्ञापन, छात्रों के साथ किया पौधरोपण

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय पूर्व विद्यार्थी संगठन (एमवीएम एलुमिनी) के पदाधिकारियों ने आज कॉलेज में आधुनिक प्रयोगशालाओं के लोकार्पण, मेन गेट, बाउंड्रीवाल के भूमि पूजन और वृक्षारोपण के लिए आए उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार से भेंट कर खेल मैदान बचाने ज्ञापन सौंपा।

एमवीएम एलुमिनी के उपाध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव और महासचिव सुभाष व्यास ने उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार को कालेज खेल मैदान में प्रस्तावित मेट्रो स्टेशन के निर्माण को रुकवाने का अनुरोध किया। पदाधिकारियों ने बताया कि खेल मैदान में मेट्रो स्टेशन के निर्माण से उसका अस्तित्व ही

समाप्त हो जाएगा। खिलाड़ियों को खेल अभ्यास और खेल गतिविधियों का मौका भी नहीं मिलेगा । मेट्रो स्टेशन बनेगा तो पार्किंग भी होगी, जिससे मैदान सिमटकर रह जाएगा। जबकि कालेज के समीप ही अन्य वैकल्पिक स्थान पूर्व से उपलब्ध है। मंत्री परमार ने एमवीएम एलुमिनी को आश्वस्त किया कि खेल मैदान को बचाने की दिशा में वे शासन स्तर पर उचित पहल करेंगे। उन्होंने कहा कि मैदान में मेट्रो स्टेशन और पार्किंग स्थल का निर्माण न हो, इस दिशा में कार्रवाई की जाएगी।

इस अवसर पर मंत्री परमार ने एलुमिनी के प्रलय श्रीवास्तव, सुभाष व्यास और पूर्व छात्र लोकेन्द्र के साथ पौधरोपण भी किया। इस मौके पर प्राचार्या गीता मोदी, प्राध्यापक प्रो. आर.एस. रघुवंशी, प्रो. अरविंद गुप्ता, प्रो. अलका प्रधान, प्रो. अशोक शर्मा आदि मौजूद थे, बाद में सभागार में आयोजित समारोह में सर्वश्री प्रलय श्रीवास्तव, सुभाष व्यास और लोकेन्द्र ने उनका स्वागत भी किया।

विधानसभा का मानसून सत्र आज से, पूछे जाएंगे 1756 सवाल

अध्यक्ष ने लिया तैयारियों का जायजा

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मध्य प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार, 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। यह पांच दिवसीय सत्र 24 जुलाई तक चलेगा। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने रविवार को विधानसभा पहुंचकर मानसून सत्र की तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को सत्र के सुचारू रूप से संचालन संबंधी आवश्यक निर्देश दिए।

विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने विधानसभा के सेंट्रल हॉल में लगाए गए महापुरुषों पंडित जवाहर लाल नेहरू, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अटल बिहारी वाजपेयी एवं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के तैलचित्रों का अवलोकन किया। सचिवालय द्वारा जानकारी दी गई कि सत्र की अधिसूचना जारी होने से अब तक तारांकित प्रश्न 900 एवं अतारांकित प्रश्न 856 कुल 1756 प्रश्नों की सूचनाएं प्राप्त हई हैं।

खाद्य मंत्री ने संत रावतपुरा सरकार के दर्शन कर लिया आशीर्वाद

श्रद्धालुओं की सुविधा में कोई कमी नहीं रहे : राजपूत

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने अपनी धर्म पत्नी पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सविता सिंह राजपूत के साथ वेदांती आश्रम पहुंचकर संत रावतपुरा सरकार के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने कथा एवं 29 जुलाई को आयोजित होने वाले धार्मिक आयोजन के संबंध में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

मंत्री राजपूत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कथा में आने वाले हजारों श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा, पेयजल, स्वच्छता, यातायात, पार्किंग, चिकित्सा, विद्युत एवं अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित की जाएं, ताकि किसी भी श्रद्धालु को

असुविधा का सामना न करना पड़े।

उन्होंने कहा कि ऐसे भव्य धार्मिक आयोजन हमारे शहर के लिए गौरव और सौभाग्य का विषय हैं। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का दायित्व है कि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और आयोजन सफल एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो। उन्होंने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर 29 जुलाई को मंशापूर्ण बालाजी मंदिर परिसर, धर्मश्री, सागर में मां राजराजेश्वरी कोटी हरिद्रा कुंकुमार्चन लक्ष्मी प्राप्ति अनुष्ठान का आयोजन किया जाएगा। इस ऐतिहासिक धार्मिक अनुष्ठान में 25 हजार श्रद्धालु एक साथ बैठकर एक करोड़ अर्चन करेंगे। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि यह अनुष्ठान हमारे शहर के सबसे भव्य धार्मिक आयोजनों में से एक होगा। उन्होंने सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से सपरिवार इस पुण्य अवसर पर उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त करने एवं आयोजन को सफल बनाने की अपील की।

दतिया उपचुनाव : पटवारी ने भाजपा प्रत्याशी को मंच पर बुलाया, बोले-

पास आकर मिलो, दूर से निकल कर जाओगे तो कैसे चलेगा !

जनसभा के बीच भाजपा उम्मीदवार आशुतोष तिवारी पहुंचे, माइक लेकर बोले- विचारधारा अलग, लेकिन रिश्ते पुराने हैं

विनय उजाला

दतिया, निप्र। मध्य प्रदेश में दतिया विधानसभा उपचुनाव के प्रचार के दौरान रविवार को चिरूला गांव में चुनावी प्रतिद्वंद्विता के बीच सौहार्द का अनोखा दृश्य देखने को मिला। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी कांग्रेस प्रत्याशी कुंवर घनश्याम सिंह के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी गांव में जनसंपर्क करते हुए वहां पहुंचे।

आशुतोष तिवारी ने दूर से ही जीतू पटवारी का अभिवादन किया और आगे बढ़ने लगे। इस पर जीतू पटवारी ने मंच से उन्हें आवाज देते हुए कहा, 'अरे, पास आकर मिलो... इतनी दूर से क्यों जा रहे हो ? ऐसे नहीं चलेगा।' इसके बाद आशुतोष तिवारी मंच के पास पहुंचे। मंच पर पहुंचने के बाद जीतू पटवारी ने मुस्कुराते हुए कहा, 'आप पहली बार यहां चुनाव लड़ने आए हैं। इससे पहले तो कभी आए नहीं। फिर भी दूर-दूर से जाओगे तो कैसे चलेगा ?' इस दौरान आशुतोष तिवारी ने जीतू पटवारी के हाथ से माइक लिया और सभा को संबोधित करते हुए कहा, 'हमारी विचारधारा अलग-अलग है, लेकिन हमारे परिवारों के रिश्ते बहुत पुराने हैं। मैं आप सभी से

प्रार्थना करता हूं कि भारतीय जनता पार्टी को अपना आशीर्वाद दें। सिर झुकाकर आप सभी के आशीर्वाद की अपेक्षा करता हूं।' आशुतोष के संबोधन के बाद जीतू पटवारी ने फिर माइक संभालते हुए कहा, 'एक मिनट आशुतोष जी... आशीर्वाद मांगना आपका अधिकार है।' जब आशुतोष वहां से जाने लगे तो जीतू ने उन्हें रोकते हुए कहा कि उन्होंने सभा में मौजूद लोगों से पूछा था कि क्या उन्होंने आशुतोष तिवारी को इससे पहले गांव में देखा है, लेकिन किसी ने हाथ नहीं उठाया। इस पर आशुतोष तिवारी ने जवाब दिया, 'सबको जानकारी है, मैं यहीं का रहने वाला हूं। यहीं मेरा घर है और बचपन से यहीं हूं।' इतना कहकर वे वहां से आगे बढ़ गए।

वीडियो सोशल वायरल : पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। चुनावी माहौल के बीच सहज मुलाकात और मंच से हुई बातचीत चर्चा का विषय बनी हुई है।

दोनों दलों ने प्रचार में झोंकी ताकत

दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस ने कुंवर घनश्याम सिंह को प्रत्याशी बनाया है। उनके समर्थन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता लगातार जनसभाएं कर रहे हैं। वहीं भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी के पक्ष में भी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी लगातार जनसंपर्क और चुनाव प्रचार में जुटे हैं। ऐसे में चुनावी मुकाबले के बीच दोनों नेताओं की यह मुलाकात पूरे जिले में चर्चा का विषय बन गई है।

दक्षिण पश्चिम विधानसभा का प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

प्रतिभा का सम्मान सदैव हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : सबनानी

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। नवप्रयास सांस्कृतिक एवं सामाजिक विकास समिति द्वारा 12 जुलाई को रवींद्र भवन के हंसध्वनि सभागार में प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रतिभाओं का सम्मान किया गया था। आयोजन में 591 प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। उक्त कार्यक्रम में किन्हीं कारणों से सम्मिलित ना पाने के कारण, विद्यार्थियों एवं अन्य प्रतिभाओं को विधायक भगवानदास सबनानी ने रविवार को 45 बंगले स्थित अपने निवास, कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर सम्मानित किया। इस अवसर पर नवप्रयास सांस्कृतिक एवं सामाजिक विकास समिति के सदस्यों के साथ प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, विनय मिश्रा द्वारा मृणाल पब्लिकेशंस, 6, अगरबत्ती कॉम्पलेक्स, सांवेर रोड सेक्टर-ए, इंदौर से मुद्रित एवं 194 रेडियो कालोनी इन्दौर से प्रकाशित। संपादक श्रीमती शोभना मिश्रा, प्रबंध संपादक व्ही. के. मिश्रा,
फोन- फैक्स नं. 0731-2700552, मो. 9425910888, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा) पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। डॉक पंजीयन क्रमांक एमपी/आईडीसी/1359/2014-16, RNI. Reg. MPHIN/2009/35176.